क्या पिता जितेंद्र के साथ स्क्रीन... 11

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सोनाक्षी सिन्हा ने रिवर्स नेपोटिज्म.. 11

वर्ष - 02, अंक - 56 | गाजियाबाद / शनिवार 30 मई 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

हमीरपुर में निमार्णाधीन पुल का हिस्सा गिरा, 6 मजदूरों की मौत

हमीरपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। ललपुरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत मोराकांदर गांव में निमार्णाधीन ग्यारह कोठी पुल का एक हिस्सा और उसकी शटरिंग अचानक ढह गई, जिससे छह मजदूरों की मौत हो गई, जबकि तीन मजदूरों को सुरक्षित बचा लिया गया। जानकारी के अनुसार, लगभग 92 करोड़ रुपये की लागत से इस पुल का निर्माण कार्य चल रहा है। शुक्रवार तड़के तेज आंधी और बारिश के बीच शटरिंग का कार्य किया जा रहा था। इसी दौरान अचानक मौसम बिगड़ने पर वहां मौजूद मजदूर पास खड़ी हाइड्रा मशीन में बैठ गए।

इसी बीच तेज हवाओं के कारण निमार्णाधीन पुल का हिस्सा और शटरिंग भरभराकर गिर गई। हाइड्रा मशीन में बैठे मजदूर मलबे की चपेट में आ गए और गंभीर रूप से दब गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। रेस्क्यू के दौरान तीन मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जबकि छह मजदूरों की मौत हो गई।

हादसे में जिन मजदूरों की मौत हुई, उनकी पहचान राजेश पाल (50), पुष्पेंद्र सिंह (43), लोकेन्द्र (22), कुलदीप निषाद (19), सभाजीत (21) और गंगाचरण उर्फ सावंत (28) के रूप में हुई है।

घटना के बाद परिजनों और स्थानीय ग्रामीणों ने निर्माण कार्य की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए हैं। लोगों का कहना है कि मौसम विभाग द्वारा पिछले दो दिनों से तेज आंधी और बारिश का अलर्ट जारी था, इसके बावजूद रात के समय मजदूरों से काम कराया जा रहा था।

पुलिस ने सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा, जिसके बाद उन्हें परिजनों को सौंप दिया गया है। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है और हादसे के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है।

सीएम योगी ने जताया शोक

मृतकों के परिजनों को मिलेगा आर्थिक सहायता

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हमीरपुर जिले में बेतवा नदी के निमार्णाधीन पुल पर हुई दर्दनाक दुर्घटना में श्रमिकों की मौत पर गहरा शोक प्रकट किया है। उन्होंने हादसे को अत्यंत दुःखद एवं हृदय विदारक बताते हुए शुक्रवार को मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की है। मुख्यमंत्री ने मृतकों के आश्रितों को 5-5 लाख रुपये तथा घायलों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

दो बाइकों पर पलटा ट्रक, एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

- जगाधरी-पांवटा राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ हादसा

यमुनानगर, एजेंसी। हरियाणा के यमुनानगर जिले में जगाधरी-पांवटा राष्ट्रीय राजमार्ग पर लालढांग के पास मक्के से भरा एक ट्रक दो बाइकों पर पलट गया। हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई, जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। मृतकों में एक व्यक्ति और उनकी दो बेटियां शामिल हैं।

जानकारी के अनुसार चुहड़पुर कलां निवासी राजेंद्र धीमान लकड़ी और रिपेयरिंग का काम करते थे। परिवार ने रेणुका जी मंदिर जाने की योजना बनाई थी। राजेंद्र की बहन का देवर फूल सिंह भी गांव दौलतपुर से उनके साथ गया था। राजेंद्र की दोनों बेटी फूल सिंह की बाइक पर बैठी थीं, जबकि पत्नी ऊषा दूसरी बाइक पर राजेन्द्र के साथ थीं।

शुक्रवार सुबह करीब नौ बजे परिवार दो बाइकों पर सवार होकर घर से निकला था। परिवार हंसी-खुशी सफर कर रहा था और कलेसर जंगल का अधिकांश हिस्सा पार कर लालढांग के पास पहुंच चुका था। यहां से हिमाचल प्रदेश की सीमा शुरू होती है। इसी दौरान ढलान और तीखे मोड़ पर सामने से आ रहा मक्के के बोरों से लदा ट्रक अचानक बेकाबू हो गया और हिचकोले खाते हुए रॉन्ग साइड में चला गया।

बाइक सवारों ने ट्रक से बचने की कोशिश की, लेकिन सड़क किनारे लगी रेलिंग और पहाड़ी के कारण वे फंस गये। कुछ ही क्षणों में ट्रक दोनों बाइकों पर पलट गया। हादसे में ऊषा बाइक से दूर जा गिरीं, जिससे उनकी जान बच गई, लेकिन बाकी चार लोगों को बचने का मौका नहीं मिला। मृतकों की पहचान चुहड़पुर कलां निवासी राजेंद्र धीमान (45), उनकी पुत्री सिमरन उर्फ सिम्मी (14) और मिनल उर्फ मिनी (12) तथा गांव दौलतपुर निवासी फूल सिंह के रूप में हुई है। राजेंद्र की पत्नी ऊषा (40) गंभीर रूप से घायल हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

फ्लोरिडा लॉन्च पैड पर रॉकेट में विस्फोट

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। अमेरिका में फ्लोरिडा लॉन्च पैड पर परीक्षण के दौरान ब्लू ओरिजिन के न्यू ग्लेन हेवी-लिफ्ट रॉकेट में विस्फोट हो गया। यह जानकारी लाइव प्रसारण पर दी गई। फुटेज में रॉकेट के आधार पर एक तेज रोशनी चमकती हुई दिखाई दे रही है, जिसके बाद एक जोरदार धमाका हुआ। ब्लू ओरिजिन ने रॉकेट परीक्षण के दौरान हुई इस 'असामान्य घटना' की पुष्टि की। कंपनी ने कहा कि आज के हॉटफायर परीक्षण के दौरान हमें एक असामान्य घटना का सामना करना पड़ा। सभी कर्मी सुरक्षित हैं।

शेयर बाजार फिर धड़ाम, सेंसेक्स 1,092 अंक टूटा

मुंबई (एजेंसी)। मौसम विभाग द्वारा इस साल मानसून के कमजोर रहने की भविष्यवाणी से घरेलू शेयर बाजारों में शुक्रवार को गिरावट देखी गई और बीएसई का सेंसेक्स लगभग 1,100 अंक टूट गया। बढ़त में खुलने का बाद सेंसेक्स 1,092.06 अंक (1.44 प्रतिशत) लुढ़ककर 74,775.74 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 359.40 अंक यानी 1.5 प्रतिशत नीचे 23,547.75 अंक पर आ गया।

नोरबू नेगी सिएरा लियोन में भारत के उच्चायुक्त नियुक्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी नोरबू नेगी को पश्चिम अफ्रीकी देश सिएरा लियोन में भारत का अगला उच्चायुक्त नियुक्त किया गया है। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। वे भारतीय विदेश सेवा के 2009 बैच के अधिकारी हैं। अभी नेगी पेरिस स्थित यूनेस्को कार्यालय में भारत के स्थायी प्रतिनिधि के रूप में कार्य कर रहे हैं।

गाजा पट्टी में मारा गया हमास उप कमांडर हुसैन स्लिम

यरुशलम (एजेंसी)। इजराइल के रक्षा बलों (आईडीएफ) और शिन बेट ने उत्तरी गाजा पट्टी में आतंकवादी संगठन हमास की सैन्य शाखा में गाजा सिटी ब्रिगेड के उप-कमांडर इमाद हसन हुसैन स्लिम को मार गिराया। आईडीएफ ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर बताया कि आईडीएफ और शिन बेट बलों ने दो दिन पहले आतंकवादी इमाद हसन हुसैन स्लिम को निशाना बनाकर मार गिराया था। वह गाजा सिटी ब्रिगेड का उप-कमांडर और संगठन की सैन्य शाखा में 'ऑलिव बटालियन' का कमांडर था। हुसैन स्लिम ने सात अक्टूबर 2023 को हुएए हमले हमले की कमान संभाली थी।

उत्तराखंड 2027 विस चुनाव:

नितिन नवीन ने सांसद और विधायकों को दिया जीत का फार्मूला

देहरादून (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष नितिन नवीन ने उत्तराखंड प्रवास के दूसरे दिन शुक्रवार को यहां राज्य के लोकसभा, राज्यसभा और पार्टी के विधानसभा सदस्यों की बैठक की। उन्होंने पिछले चुनाव में जिन सीटों पर पार्टी को जीत हासिल नहीं हुई या जीत का प्रतिशत बहुत कम रहा, उन पर अधिक ध्यान देने की जरूरत बताई। बैठक में हुई चर्चा की जानकारी संवाददाताओं से साझा करते हुए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सांसद महेंद्र भट्ट ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन ने केंद्र सरकार के पिछले 12 वर्षों में क्रियान्वित योजनाओं की जानकारी गांव-गांव तक पहुंचाने के निर्देश दिए।

बार-बार कैसे लीक हो रहे नीट पेपर: सुप्रीम कोर्ट

शिक्षा मंत्रालय को अलग हलफनामा पेश करने के निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पेपर लीक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने एक बड़ा कदम उठाते हुए शुक्रवार को कहा कि वह इस पूरे मामले की जांच की खुद कुछ समय तक निगरानी करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था 'नेशनल टेस्टिंग एजेंसी' (एनटीए) को फटकार लगाते हुए इस घटना को युवाओं के लिए बेहद दुखद बताते हुए कहा कि जो हुआ वह बेहद दुखद है, युवाओं को इस तरह निराश नहीं किया जा सकता।

सुप्रीम कोर्ट ने शिक्षा मंत्रालय को निर्देश दिया है कि वह एक अलग हलफनामा दायर करे, जिसमें एक ऐसी व्यवस्था बनाने का ब्योरा दिया जाए जिसके तहत नीट परीक्षाओं को आयोजित करने और पूरा करने की प्रक्रिया को एनटीए द्वारा हर साल संस्थागत रूप से संचालित किया जा सके। साथ ही इस बात पर अपना

जवाब दाखिल करे कि एनटीए को कैसे मजबूत बनाया जाए और नीट परीक्षा को कैसे पूरी तरह से सुरक्षित बनाया जाए। जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की पीठ ने साफ कहा कि इस हलफनामे में यह स्पष्ट रूप से बताया जाना चाहिए कि विशेष कर्मियों की तैनाती और विशेषज्ञों की एक व्यापक टीम के माध्यम से एनटीए के भीतर संस्थागत अनुभव और विशेषज्ञता को कैसे विकसित किया जाएगा। कोर्ट ने टिप्पणी की कि इस प्रयास का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना होना चाहिए कि एनटीए के पास 2024 और 2026 की नीट परीक्षा विवादों जैसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए आवश्यक भौतिक और बौद्धिक संसाधन मौजूद हों। कोर्ट ने इस मामले में केंद्र और एनटीए को अपनी कार्ययोजना पेश करने के लिए छह सप्ताह का समय दिया है। सुनवाई के दौरान पीठ ने एनटीए और इस मामले के लिए गठित उच्चाधिकार प्राप्त समिति के अध्यक्ष डॉ. के. राधाकृष्णन द्वारा दाखिल किए गए जवाबों और हलफनामों का संज्ञान लिया।

इससे पूर्व नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने सुप्रीम कोर्ट में अपना विस्तृत जवाब दाखिल किया है। एनटीए ने कोर्ट को बताया कि परीक्षा की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पहले ही कई ठोस कदम उठाए जा चुके हैं और भविष्य में भी मजबूत व्यवस्था लागू की जाएगी। एनटीए ने अपने हलफनामे में सुप्रीम कोर्ट को अवगत कराया कि हाई स्टेक परीक्षाओं में पेपर सेटर, मॉडरेटर, अनुवादक, प्रूफरीडर आदि को चुनने के लिए रैंडमाइजेशन और रोटेशन पॉलिसी को संस्थागत रूप दिया जा रहा है।

तय होनी चाहिए जिम्मेदारी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मेडिकल प्रवेश परीक्षा के प्रश्न पत्र लीक होने से रोकने के लिए सरकार और सभी संबंधित अधिकारियों द्वारा हर संभव प्रयास किए जाने चाहिए। कोर्ट ने केंद्र से पूछा कि बार-बार कैसे पेपर लीक हो जा रहे हैं। अगर ऐसी घटना दोबारा होती है। तो उसकी जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए।

पीएम मोदी खुद रख रहे नजर

इस दौरान केन्द्र सरकार का पक्ष रख रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को आश्वस्त करते हुए कोर्ट को सूचित किया कि इस मामले की गंभीरता को देखते हुए खुद देश के प्रधानमंत्री इस पूरे मुद्दे पर सीधे नजर रख रहे हैं। 21 जून को होने वाली नीट-यूजी परीक्षा के लिए कुछ नई व्यवस्थाएं लागू की गई हैं। हम युवाओं से जुड़े मुद्दों पर काम कर रहे हैं; सरकार उनकी चिंताओं को लेकर गंभीर है।

एनटीए ने हलफनामे में बताया कि परीक्षा से जुड़े सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के बैकग्राउंड को चेक करने में सख्त वेरिफिकेशन प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

एशियाई खेलों के ट्रायल्स में भाग लेगी विनेश फोगाट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को महिला पहलवान विनेश फोगाट को 30 और 31 मई को होने वाले एशियन गेम्स 2026 के सिलेक्शन ट्रायल्स में हिस्सा लेने की इजाज़त दे दी। जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने यह आदेश तब दिया, जब वे भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) की उस याचिका पर सुनवाई कर रहे थे, जिसमें दिल्ली हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें फोगाट को सिलेक्शन ट्रायल्स में हिस्सा लेने की इजाजत दी गई थी। बेंच ने डब्ल्यूएफआई की तरफ से पेश वकील से कहा कि आज इस मोड़ पर, जब हाई कोर्ट ने आदेश दे दिया है, तो उम्मीदें और अपेक्षाएं बढ़ गई हैं। उन्हें घर वापस जाने के लिए कहना और यह कहना कि हम कुछ नहीं कर सकते, सही नहीं होगा। हम आपको यह बात बहुत बेबाकी से कह रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर अगली सुनवाई अगले हफ्ते के लिए तय की। सुनवाई के दौरान, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि विनेश फोगाट का मामला भारतीय खेलों में उनके योगदान की वजह से एक अलग ही दर्जे का है। कोर्ट ने कहा कि अगर कोई और होता, तो मामला अलग होता। उन्होंने देश को गर्व महसूस कराया है।

विषम परिस्थितियों में भी बीएसएफ जवान हंसते हुए सीमाओं की सुरक्षा करते हैं: अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को गुजरात के भुज में भारत-पाकिस्तान सीमा पर स्थित जी-7 बॉर्डर आउट पोस्ट पर जवानों से संवाद और जी-7 एवं जी-13 बॉर्डर आउट पोस्ट का लोकार्पण किया। इस अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, उप-मुख्यमंत्री हर्ष संघवी, केंद्रीय गृह सचिव, आसूचना ब्यूरो (आईबी) के निदेशक, सीमा प्रबंधन सचिव और बीएसएफ के महानिदेशक सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि बीएसएफ के जवान बहुत विषम जलवायु और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में रहते हैं, लेकिन यहां आकर जब उन्हें हंसते हुए चेहरों के साथ भारत की सीमाओं की सुरक्षा में डटे देखते हैं तो लगता है कि इनकी तुलना में हमारा काम बहुत सरल है। गृह मंत्री ने कहा कि जब बीएसएफ के जवान नहीं थकते हैं तो हमें थकने का बिल्कुल भी अधिकार नहीं है।

अमित शाह ने कहा कि बीएसएफ ने स्थापना से लेकर अब तक बीते 60 साल में देश की दो सबसे कठिन सीमाओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी उठाई है। उन्होंने कहा कि इन सीमाओं पर तैनात बीएसएफ जवानों को माइनस 45 डिग्री से लेकर 45 डिग्री से अधिक तापमान तक हर परिस्थिति का सामना करना पड़ता है। कहीं कच्छ का दुर्गम रेगिस्तान है, सरक्रीक और हरामी नाले की दलदली जमीन है तो कहीं राजस्थान के रेत के टीलों के बीच तैनात रह कर बीएसएफ जवानों को काम करना पड़ता है।

उन्होंने कहा कि कश्मीर की बर्फीली चोटियों और सुंदरबन के जंगलों के बीच गंगासागर के किनारे से लेकर मेघालय और असम के पहाड़ी और वन क्षेत्रों तक बीएसएफ ने बीते छह दशकों में फर्स्ट लाइन ऑफ डिफेंस का दायित्व बहुत अच्छे तरीके से निभाया है।

पश्चिम बंगाल में स्व-गणना एक से 15 अगस्त के बीच

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को राज्य सचिवालय 'नबन्ना' में प्रधान जनगणना अधिकारियों की एक बैठक की अध्यक्षता की, जो राज्य में जनगणना कार्यों की शुरुआत का संकेत है। जनगणना संचालन निदेशालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, राज्य के निवासी एक अगस्त से 15 अगस्त के बीच खुद ऑनलाइन अपनी जनगणना का विवरण जमा कर सकेंगे। जो कोई भी अपना विवरण अपलोड करना चाहता है, वह आधिकारिक स्व-गणना पोर्टल पर लॉग इन कर ऐसा कर सकता है।

कजाकिस्तान में दशक के भीतर परमाणु संयंत्र लगाने का लक्ष्य: रूसी कंपनी

अस्ताना (एजेंसी)। रूस की सरकारी परमाणु ऊर्जा कंपनी रोसाटॉम का इस दशक के भीतर कजाकिस्तान में परमाणु ऊर्जा संयंत्र के निर्माण का लक्ष्य है। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एलेक्सी लिखाचेव ने यह जानकारी दी। पत्रकारों ने लिखाचेव से पूछा कि

कजाकिस्तान में परमाणु ऊर्जा संयंत्र के लिए पहली कंक्रीट डालने की समयसीमा क्या होगी। तब उन्होंने कहा कि हम कोशिश करेंगे कि यह काम मौजूदा दशक के भीतर शुरू हो जाए। रोसाटॉम ने बयान में कहा कि रूस और कजाकिस्तान के बीच परमाणु ऊर्जा संयंत्र निर्माण पर हुए अंतर-सरकारी समझौते में परियोजना के दौरान सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों को शामिल किया गया है।

यूरोप के ज्यादा ठंडे मुल्कों में आइसक्रीम की दीवानगी

रिकॉर्ड तोड़ खपत, वनिला के बाद अब पिस्ता फ्लेवर का जलवा

बर्लिन (एजेंसी)।

हर साल, यूरोपीय देश 3.3 अरब लीटर से अधिक आइसक्रीम का उत्पादन करते हैं और इस दौड़ में सबसे बड़े उत्पादक के रूप में जर्मनी सबसे आगे है। दिलचस्प बात यह है कि यूरोस्टेट और उद्योग की रिपोर्टों के आंकड़ों से पता चलता है कि आइसक्रीम के सबसे बड़े उपभोक्ता भूमध्यसागरीय (मेडिटेरेनियन) क्षेत्रों में नहीं, बल्कि उत्तरी और पूर्वी यूरोप के उन देशों में है, जहां कड़ाके की ठंड पड़ती है। यही वजह है कि पोलैंड

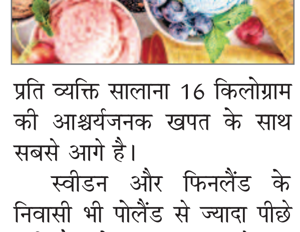

प्रति व्यक्ति सालाना 16 किलोग्राम की आश्चर्यजनक खपत के साथ सबसे आगे है।

स्वीडन और फिनलैंड के निवासी भी पोलैंड से ज्यादा पीछे नहीं हैं, जो सालाना 11 से 14 लीटर के बीच आइसक्रीम खाते हैं, जबकि जर्मनी में एक औसत व्यक्ति हर साल लगभग आठ लीटर आइसक्रीम खा जाता है। मोटे तौर पर इसका अर्थ यह हुआ कि 115 से 160 स्कूप। जब खाने की आदतों की बात आती है तो जर्मन लोग घर पर आइसक्रीम खाना पसंद करते हैं, जो महीने में औसतन पांच बार होता है, जबकि इटली और स्पेन के लोग का झुकाव बाहर जाकर जेलाटेरिया और पार्लरों में आइसक्रीम खाने में दिखता हैं। यूरोपियन आइसक्रीम एसोसिएशन के अनुसार, क्लासिक वनिला पूरे यूरोप में निर्विवाद रूप से सबसे पसंदीदा फ्लेवर बना हुआ है। इसके बाद चॉकलेट और स्ट्राचियाटेला (पारंपरिक इटैलियन चॉकलेट चिप) का नंबर आता है। 'दुबई चॉकलेट' जैसे सोशल मीडिया क्रेज के कारण वर्तमान रुझान बदल रहे हैं, जिससे पूरे महाद्वीप में पिस्ता और अन्य नट्स-आधारित फ्लेवर्स की लोकप्रियता में भारी उछाल आया है। इन महाद्वीपीय पसंदीदा फ्लेवर्स के साथ-साथ, अलग-अलग क्षेत्रीय प्राथमिकताएं भी बनी हुई हैं जैसे डेनमार्क में लिकोरिस फ्लेवर और आइसलैंड में कॉफी-युक्त आइसक्रीम के लिए एक मजबूत पसंद देखी जाती है।

भारत के पास सिर्फ 4-5 दिन का रणनीतिक तेल भंडार: पेट्रोल-एलपीजी की कीमतों पर दबाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैश्विक तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच, कंसल्टेंसी फर्म ने भारत को भविष्य के संकटों से बचने के लिए एक बड़ा रणनीतिक भंडार तैयार करने की चेतावनी दी है। फर्म की मई 2026 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के पास वर्तमान में केवल 4-5 दिनों की घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए ही कच्चा तेल रणनीतिक भंडार में है, जो आम लोगों की जेब पर पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और खाद की कीमतों में भारी उछाल के रूप में सीधा असर डाल सकता है।

रिपोर्ट में पश्चिम एशिया में जारी संकट को बड़ी वजह माना गया है, जिसने भारत की आयात पर अत्यधिक निर्भरता को उजागर किया है। कंसल्टेंसी फर्म का कहना है कि अगर वैश्विक संकट लंबा खिंचता है, तब ईंधन की बढ़ती कीमतें सिर्फ पेट्रोल पंप तक सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि ट्रांसपोर्ट, बिजली, खेती और रोजमर्रा के खर्चों को भी महंगा करेंगी। विशेष रूप से, महंगे उर्वरक सीधे तौर पर खाद्य महंगाई को बढ़ावा देने वाले हैं, जिससे आम आदमी का बजट और बिगड़ सकता है।

भारत के सीमित भंडार की तुलना में चीन और जापान जैसे देशों के पास कहीं अधिक बड़े रणनीतिक भंडार मौजूद हैं। इस गंभीर स्थिति को देखकर मोदी सरकार को पांच प्रमुख क्षेत्रों कच्चा तेल, खाद, रेयर अर्थ मटेरियल, जरूरी दवाइयां और मेडिकल इंस्ट्रूमेंट्स में बड़े रिजर्व बनाने की सलाह दी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन भंडारों से वैश्विक सप्लाई चेन बाधित होने पर भी देश में जरूरी सामान की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकेगी।

अप्रैल 2026 में वैश्विक कच्चे तेल की औसत कीमत 103.9 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थी, जो जुलाई 2022 के बाद का उच्चतम स्तर है। कंसल्टेंसी फर्म ने चेतावनी दी है कि तेल की कीमतों में लंबे समय तक वृद्धि भारत के चालू खाता घाटे और महंगाई दोनों को बढ़ा सकती है, जिससे रुपये पर दबाव बढ़ सकता है और आर्थिक विकास की रफ्तार धीमी पड़ सकती है। इस चुनौती से निपटने के लिए, रिपोर्ट में भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक कॉरिडोर (आईएमईसी) और इंडो-पैसिफिक रूट्स को मजबूत करने की वकालत की गई है। साथ ही, इलेक्ट्रिक व्हीकल, ग्रीन एनर्जी और घरेलू ऊर्जा उत्पादन को तेजी से बढ़ाने पर जोर दिया गया है, ताकि आयातित तेल पर निर्भरता कम हो सके। कंसल्टेंसी फर्म का स्पष्ट मानना है कि मौजूदा वैश्विक हालात इस बात को पुख्ता करते हैं कि अब केवल आर्थिक विकास ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि आर्थिक सुरक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो गई है। खासकर भारत जैसे विशाल आयात-निर्भर देश के लिए भविष्य के अप्रत्याशित झटकों से निपटने के लिए पहले से तैयारी करना अत्यंत आवश्यक है।

केरल विधानसभा में वंदे मातरम के अधूरे गान पर राज्यपाल अर्लेकर ने जाहिर की नाराजगी

तिरुवंतनमपुरम (एजेंसी)। केरल विधानसभा में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने केरलम सरकार के नीतिगत भाषण के दौरान वंदे मातरम के पूर्ण गायन न होने पर गहरी नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने इस उचित प्रोटोकॉल का उल्लंघन बताकर कहा कि राज्यपाल की उपस्थिति में राष्ट्रीय गीत का पूरा गायन अनिवार्य है। विधानसभा सत्र से लौटने के बाद राज्यपाल अर्लेकर ने स्पष्ट किया कि सदन में गीत केवल बजाया गया, गाया नहीं गया, और वह भी अधूरा। उन्होंने बताया कि उन्होंने इसबारे में विधानसभा अध्यक्ष थिरुवनचूर राधाकृष्णन से पहले ही बात कर ली है और उन्हें उम्मीद है कि इस मुद्दे का उचित समाधान निकलेगा। इस घटना पर भाजपा ने भी कड़ी आपत्ति जाहिर की है। पार्टी के वरिष्ठ नेता और कझाक्कुट्टम विधायक वी. मुरलीधरन ने आरोप लगाया कि यह न केवल राज्यपाल का बल्कि वंदे मातरम और लोकसभा का भी अपमान है। उन्होंने दावा किया कि केंद्र के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद कि राज्यपाल की उपस्थिति वाले कार्यक्रमों में वंदे मातरम का पूर्ण गायन होना चाहिए, केरल विधानसभा में इसका पालन नहीं किया गया। पूर्व केंद्रीय मंत्री मुरलीधरन ने इसके लिए वी. डी. सतीशान के नेतृत्व वाली यूडीएफ सरकार को जिम्मेदार मानकर कहा कि यह जमात-ए-इस्लामी और सीपीआई (एम) के दबाव में किया गया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इससे यह संदेश जाता है कि सरकार वंदे मातरम को धर्मनिरपेक्षता के अनुरूप नहीं मानती। इस घटना ने राज्य की राजनीतिक गलियारों में एक नई बहस छेड़ दी है, जहां राष्ट्रीय गीतों के प्रोटोकॉल और राजनीतिक मंशा पर सवाल उठाए जा रहे हैं।

महिला वॉशरूम में मिला सीक्रेट कैमरा, सरकारी दफ्तर में मचा हड़कंप

जगतसिंहपुर ((एजेंसी)।ओडिशा के जगतसिंहपुर जिले में स्थित जिला ग्रामीण विकास एजेंसी कार्यालय में महिला कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है।यहां महिला वॉशरूम में संदिग्ध सीक्रेट कैमरा मिलने से सरकारी दफ्तर में हड़कंप मच गया। घटना सामने आने के बाद पुलिस और फॉरेंसिक टीम जांच में जुट गई है। बताया जा रहा है कि वित्त विभाग में कार्यरत महिला कर्मचारी मधुस्मिता सामंतराय जब वॉशरूम में पहुंचीं, तभी उन्हें एक संदिग्ध इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस दिखाई दिया। डिवाइस नीचे गिरा हुआ था, जिससे शक होने पर उन्होंने तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों को इसकी जानकारी दी।इसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर संदिग्ध कैमरे को जब्त कर लिया और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। तिरतोल के उप पुलिस अधीक्षक अजय कुमार दास ने बताया कि मामले की जांच के लिए विशेष टीम बनाई गई है। कार्यालय परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि कैमरा किसने और कब लगाया। डिजिटल फॉरेंसिक टीम यह जांच कर रही है कि कैमरे में कोई रिकॉर्डिंग मौजूद है या नहीं और कहीं डेटा किसी अन्य डिवाइस में ट्रांसफर तो नहीं किया गया। घटना के बाद महिला कर्मचारियों में डर और नाराजगी का माहौल है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

कमजोर पड़ सकता है मानसून, अल नीनो बढ़ा रहा चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में मानसून की दस्तक को लेकर जहां अच्छी खबर सामने आ रही है, वहीं मौसम विभाग की चेतावनी ने चिंता भी बढ़ा दी है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण-पश्चिम मानसून तेजी से केरल तट की ओर बढ़ रहा है और समय से पहले पहुंचने की संभावना जताई गई है। लेकिन इसके साथ ही इस वर्ष देश के कई हिस्सों में सामान्य से कम बारिश होने का अनुमान भी लगाया गया है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि प्रशांत महासागर में विकसित हो रही 'अल नीनो' स्थिति भारत के मानसून को कमजोर कर सकती है। अल नीनो के प्रभाव से बारिश कम होने और गर्मी बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। भारतीय मौसम विभाग ने अनुमान लगाया है कि इस बार मानसूनी बारिश दीर्घकालिक औसत से नीचे रह सकती है। विशेषज्ञों के मुताबिक दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और मध्य भारत के कई इलाकों में बारिश सामान्य से कम रह सकती है, जबकि कुछ क्षेत्रों में अचानक भारी बारिश और बाढ़ जैसी स्थिति भी बन सकती है। मौसम विभाग ने जून से कई राज्यों में लू के बढ़ते खतरे की चेतावनी भी दी है। कमजोर मानसून का सबसे बड़ा असर खेती, जल संकट और महंगाई पर पड़ सकता है। देश की बड़ी आबादी कृषि पर निर्भर है और कम बारिश से फसलों के उत्पादन पर असर पड़ने की आशंका बढ़ गई है।

नाबालिग से गैंगरेप का आरोपी दरोगा अरेस्ट

कानपुर(एजेंसी)।कानपुर में नाबालिग लडक़ी से गैंगरेप के मामले में फरार चल रहे आरोपी दरोगा अमित कुमार मौर्या को पुलिस 144 दिन बाद गिरफ्तार कर सकी। आरोपी दरोगा पर 50 हजार रुपए का इनाम घोषित था। आरोप है कि 5 जनवरी को दरोगा ने यूट्यूबर शिवबरन सिंह के साथ मिलकर सचेंडी क्षेत्र निवासी 14 साल की लडक़ी के साथ गैंगरेप किया। इसके बाद पुलिस ने यूट्यूबर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, जबकि आरोपी दरोगा फरार चल रहा था। पीड़ित लडक़ी के मुताबिक, 5 जनवरी की रात करीब 9.30 बजे वह शौच के लिए घर से बाहर गई थी। इसी दौरान भीमसेन चौकी में तैनात दरोगा अमित कुमार मौर्या और यूट्यूबर शिवबरन यादव ने उसके साथ गैंगरेप किया। करीब 45 मिनट तक उसके साथ दरिंदगी हुई। मामले में किशोरी की शिकायत पर दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था।

पूर्व सपा नेता नवाब सिंह को 8 साल की सजा

कन्नौज (एजेंसी)। नाबालिग से रेप के आरोपी और पूर्व सपा नेता नवाब सिंह यादव और उसके भाई नीलू को गैंगस्टर मामले में 8-8 साल की सजा हुई है। कन्नौज कोर्ट ने शुक्रवार को इसी मामले में सहआरोपी पूजा तोमर को भी 6 साल की सजा सुनाई। कोर्ट ने नवाब और नीलू पर 10-10 लाख रुपए और पूजा तोमर पर 5 लाख का जुर्माना लगाया है। नवाब सिंह यादव को दो साल पहले 15 साल की नाबालिग से रेप के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पीड़ित को पूजा तोमर नवाब सिंह के पास लेकर पहुंची थी, जिसके बाद पुलिस ने उसे सह-आरोपी बनाया था। जांच में सामने आया कि नवाब सिंह के भाई नीलू ने साक्ष्य मिटाने और जांच को प्रभावित करने की कोशिश की। इसके बाद पुलिस ने नीलू और नाबालिग की रिश्तेदार को भी गिरफ्तार किया। मामले में पुलिस ने तीनों आरोपियों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की थी।

बांग्लादेशी घुसपैठियों को लेकर ओडिशा में अलर्ट, सीमावर्ती जिलों में बढ़ाई निगरानी

भुवनेश्वर (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ चल रहे अभियान के बाद अब ओडिशा सरकार भी सतर्क हुई है। ओडिशा सरकार ने पश्चिम बंगाल से सटी सीमाओं वाले जिलों में संभावित घुसपैठ को लेकर अलर्ट जारी कर दिया है। खासतौर पर बालासोर और मयूरभंज जिलों में सुरक्षा एजेंसियों को निगरानी बढ़ाने और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश हैं। यह कदम तब उठाया गया, जब उत्तर 24 परगना जिले के बसीरहाट उप-मंडल स्थित हाकिमपुर जांच चौकी पर बड़ी संख्या में बांग्लादेशी नागरिकों के जुटने की खबर सामने आई। पुलिस उपमहानिरीक्षक (पूर्वी परिक्षेत्र) पिनाक मिश्रा ने कहा कि बंगाल में कार्रवाई के चलते संदिग्ध घुसपैठिए दूसरे राज्यों की ओर रुख कर सकते हैं। इसके बाद उनके ओडिशा में प्रवेश की आशंका को देखकर राज्य सरकार पूरी तरह सतर्क हो गई है। उन्होंने बताया कि सीमावर्ती इलाकों के साथ-साथ जलमार्गों पर भी विशेष नजर रखी जा रही है और संबंधित पुलिस थानों को सतर्क किया गया है। मिश्रा ने कहा कि केंद्र सरकार के निर्देशों के अनुसार अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों की पहचान कर उन्हें कानून के तहत देश से बाहर भेजने की प्रक्रिया जारी है। बालासोर जिले के भोगराई और जलेश्वर ब्लॉक पश्चिम बंगाल के कई जिलों से जुड़े हुए हैं, जबकि मयूरभंज की सीमा भी पश्चिम मेदिनीपुर से लगती है। इसकारण इन इलाकों में अतिरिक्त चौकसी बरती जा रही है। इस मुद्दे पर ओडिशा की राजनीति भी गरमा गई है। राज्य के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने कहा कि घुसपैठियों की पहचान और निर्वासन के लिए अभियान पहले से चलाया जा रहा है।

राष्ट्रपति बनने के बाद पहली विदेश यात्रा पर भारत आएंगे मिन आंग ह्लाइंग

-चीन को छोड़ भारत को दे रहे प्राथमिकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। मिन आंग ह्लाइंग म्यांमार के राष्ट्रपति बनने के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा पर भारत आने वाले हैं। रविवार को नई दिल्ली पहुंचने वाले मिन आंग ह्लाइंग की यह यात्रा रणनीतिक और सुरक्षा दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। खास बात यह है कि चीन के साथ करीबी संबंधों के बावजूद उन्होंने अपनी पहली आधिकारिक विदेश यात्रा के लिए भारत को चुना है, जिसे बदलते क्षेत्रीय भू-राजनीतिक समीकरणों में अहम संकेत माना जा रहा है।

यहां बताते चलें, कि मिन आंग ह्लाइंग ने 10 अप्रैल 2026 को म्यांमार के राष्ट्रपति का कार्यभार संभाला था। इससे पहले वह सैन्य जुंटा के प्रमुख के रूप में देश का नेतृत्व कर रहे थे। भारत और म्यांमार के बीच 1,600 किलोमीटर से अधिक लंबी सीमा है, जो पूर्वोत्तर भारत की सुरक्षा और उग्रवाद से जुड़ी चुनौतियों के कारण हमेशा संवेदनशील रही है। भारत सरकार की ओर से राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में विदेश राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने हिस्सा लिया था और उसी दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से उन्हें भारत आने का निमंत्रण दिया गया था। बताया जा रहा है कि इस यात्रा में दोनों देशों के बीच सुरक्षा, व्यापार, विकास और कनेक्टिविटी जैसे कई अहम मुद्दों पर चर्चा होगी।

विशेषज्ञों का मानना है कि केंद्र सरकार के 'मिशन 2029' में म्यांमार की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। इस मिशन का उद्देश्य पूर्वोत्तर भारत से उग्रवाद का पूरी तरह खात्मा करना है। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार कई उग्रवादी संगठन वर्षों से म्यांमार के सीमावर्ती क्षेत्रों में पनाह लेते रहे हैं। इनमें एनएससीएन, उल्फा और कई मणिपुरी उग्रवादी समूह शामिल हैं। भारत और म्यांमार के बीच बेहतर तालमेल से सीमा पार हथियारों की तस्करी, नार्को-टेररिज्म और उग्रवाद पर प्रभावी नियंत्रण संभव माना जा रहा है। इससे पहले भारतीय सुरक्षा बल म्यांमार में उग्रवादी ठिकानों के खिलाफ कार्रवाई भी कर चुके हैं। हाल ही में तत्कालीन नौसेना प्रमुख दिनेश कुमार त्रिपाठी की म्यांमार यात्रा भी द्विपक्षीय सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी गई थी।

विधानसभा चुनावों में हार के बाद सक्रिय हुआ इंडिया गठबंधन, जून में हो सकती है बड़ी बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में विपक्षी दलों को मिली हार के बाद इंडिया गठबंधन एक बार फिर सक्रिय होता दिखाई दे रहा है। सूत्रों के मुताबिक विपक्षी गठबंधन के प्रमुख नेताओं की अहम बैठक जून के पहले सप्ताह में हो सकती है। माना जा रहा है कि यह बैठक छह जून को आयोजित की जा सकती है।

पश्चिम बंगाल और असम में मिली हार के बाद तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने विपक्षी एकता को मजबूत करने की जरूरत पर जोर दिया है। ममता बनर्जी ने इंडिया गठबंधन की बैठक बुलाने की मांग करते हुए कहा कि वर्ष 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले विपक्ष को एकजुट होना होगा।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि हालिया चुनाव परिणामों ने साफ संकेत दिया है कि भारतीय जनता पार्टी लगातार मजबूत हो रही है, जबकि कई क्षेत्रीय दलों की राजनीतिक पकड़ कमजोर पड़ी है। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी, तमिलनाडु में एम. के. स्टालिन, दिल्ली में अरविंद केजरीवाल और बिहार में तेजस्वी यादव को चुनावी झटके लगे हैं। वहीं कांग्रेस ने केरल में वापसी कर अपनी स्थिति मजबूत करने का संकेत दिया है। सूत्रों के अनुसार प्रस्तावित बैठक में संसद की रणनीति, राज्यों में सीटों का तालमेल और राष्ट्रीय मुद्दों पर साझा अभियान को लेकर चर्चा हो सकती है। विपक्षी दलों के बीच समन्वय की कमी बिहार चुनाव में भी दिखाई दी थी, जहां कई सीटों पर सहयोगी दल आमने-सामने चुनाव लड़ते नजर आए थे। इंडिया गठबंधन का गठन वर्ष 2023 में हुआ था और इसकी पहली बैठक पटना में आयोजित की गई थी। अब आगामी बैठक को विपक्षी राजनीति के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पंजाब निकाय चुनाव: दूसरे और तीसरे नहीं चौथे नंबर पर भगवा दल

-नए अध्यक्ष को कमान मिलते ही लगा करारा झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संगठन में बड़े बदलाव की उम्मीदों पर निकाय चुनाव के नतीजों ने पानी फेर दिया है। केवल सिंह ढिल्लों को नया प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने के महज 24 घंटे के अंदर नगर निकाय चुनाव परिणामों ने भगवा दल को तगड़ा झटका दिया है। भाजपा ने ढिल्लों के रूप में एक नया चेहरा पेश कर कार्यकर्ताओं में ऊर्जा भरने और विधानसभा चुनाव से पहले सकारात्मक माहौल बनाने की उम्मीद की थी, लेकिन इन नतीजों ने उन उम्मीदों पर ठंडा पानी डाल दिया। पार्टी पूरे राज्य में सिर्फ 52 सीटों पर सिमट गई, जो उसके लिए गंभीर चिंता का विषय है।

इन परिणामों की सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि भाजपा न सिर्फ आम आदमी पार्टी (आप), कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल से पीछे रही, बल्कि अन्य उम्मीदवारों और निर्दलियों से भी पिछड़ गई। यह स्पष्ट रूप से दिखाता है कि पंजाब में भाजपा अभी भी अपनी जमीन तलाश रही है और भगवा दल को राजनीतिक रूप से खुद को प्रासंगिक बनाए रखने के लिए लंबा सफर तय करना है। किसान आंदोलन के बाद बनी दूरी, स्थानीय नेतृत्व का अभाव और क्षेत्रीय राजनीतिक मुद्दों की गहरी समझ की कमी पार्टी को लगातार नुकसान पहुंचा रही है। अब नए अध्यक्ष ढिल्लों के सामने सिर्फ संगठन चलाने की नहीं, बल्कि पार्टी को कठिन परिस्थिति से बाहर निकालने और जनता का विश्वास फिर से जीतने की बड़ी चुनौती खड़ी है। नगर निकाय चुनाव के नतीजे भाजपा के लिए केवल हार नहीं, बल्कि एक गहरी चेतावनी की घंटी हैं। पंजाब जैसे राज्य में जहां लोकल और क्षेत्रीय मुद्दे राष्ट्रीय विमर्श पर हावी रहते हैं, वहां भाजपा अभी तक एक मजबूत जनाधार स्थापित नहीं कर सकी है। इन चुनावों में आम आदमी पार्टी ने फिर अपनी संगठनात्मक शक्ति और लोकल स्तर पर मजबूत पकड़ का प्रदर्शन किया। भगवंत मान सरकार की मुफ्त बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी लोक-लुभावन योजनाओं ने शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में पार्टी को जनसमर्थन दिलाया। वहीं, कांग्रेस अपनी पारंपरिक ताकत बचाने में सफल रही और अकाली दल भी भाजपा से बेहतर प्रदर्शन कर उससे आगे निकलने में कामयाब रहा। इसके बाद भाजपा के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या सिर्फ चेहरा बदलने से पंजाब में उसके हालात बदल जाएंगे? ढिल्लों को अब केवल कार्यकर्ताओं में भरोसा बहाल करने की नहीं, बल्कि बूथ स्तर से लेकर किसान और सिख समुदाय तक पार्टी की स्वीकार्यता बढ़ाने के लिए भी कड़ी मेहनत करनी होगी। पार्टी को अपनी रणनीति में बदलाव कर केवल हिंदुत्व की राजनीति से आगे बढ़कर लोकल मुद्दों जैसे किसानों की समस्याएं, बेरोजगारी, व्यापार और नशे की समस्या पर ठोस कार्य करना होगा।

भारत 2035 तक 150 अरब डॉलर का सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र बनाएगा

नई दिल्ली (शिखर समाचार)। नीति आयोग के फ्रंटियर टेक हब ने गुरुवार को भारत के सेमीकंडक्टर उद्योग का भविष्य शीर्षक से एक दस वर्षीय रोडमैप जारी किया, जिसमें वैश्विक सेमीकंडक्टर मूल्य श्रृंखला में भारत की स्थिति मजबूत करने की दीर्घकालिक रणनीति प्रस्तुत की गई है।

केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण तथा रेलवे, सूचना एवं प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नीति आयोग के उपाध्यक्ष अशोक लाहिड़ी की उपस्थिति में इस रोडमैप का औपचारिक लोकार्पण किया।

रोडमैप में वर्ष 2035 तक 120 से 150 अरब डॉलर का सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया गया है। साथ ही भारत को वैश्विक सेमीकंडक्टर संयोजन एवं परीक्षण तथा उन्नत पैकेजिंग के शीर्ष तीन वैश्विक केंद्रों में स्थापित करने का उद्देश्य रखा गया है।

दस्तावेज के अनुसार वर्तमान में भारत की 90 से 95 प्रतिशत सेमीकंडक्टर आवश्यकता आयात से पूरी होती है, जिससे भारी विदेशी मुद्रा का व्यय होता है। वित्त वर्ष 2017 से 2025 के बीच भारत ने लगभग 150 अरब डॉलर के सेमीकंडक्टर उत्पादों का आयात किया। यदि यही स्थिति जारी रही तो वर्ष 2035 तक वार्षिक आयात लागत 240 अरब डॉलर तक पहुंच सकती है।

रोडमैप पांच रणनीतिक स्तंभों अग्रणी अनुसंधान, नीति एवं निवेश, उत्पादन, मानव संसाधन तथा साझेदारी पर आधारित है। इस पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के लिए अगले दस वर्षों में 135 से 180 अरब डॉलर के पूंजी निवेश का अनुमान लगाया गया है, जिसमें कम से कम एक तिहाई हिस्सा सरकार द्वारा वहन किए जाने का प्रस्ताव है।

केंद्रीय बजट 2026 में घोषित इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 के संदर्भ में यह रोडमैप उन्नत पैकेजिंग, कंपाउंड सेमीकंडक्टर, डिजाइन अवसंरचना तथा दीर्घकालिक पूंजी जुटाने पर विशेष बल देता है। गुजरात के धोलेरा में भारत की पहली सेमीकंडक्टर निर्माण इकाई वर्ष 2028 तक उत्पादन शुरू करने की योजना है।

रोडमैप में यह भी कहा गया है कि भारत के पास वैश्विक सेमीकंडक्टर डिजाइन कार्यबल का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा है, जो देश को मजबूत प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त प्रदान करता है। वर्ष 2035 तक भारत का सेमीकंडक्टर बाजार 200 अरब डॉलर से अधिक होने का अनुमान है।

नीति आयोग के उपाध्यक्ष अशोक लाहिड़ी ने कहा कि विकसित भारत की दिशा में तकनीकी संप्रभुता अनिवार्य है और यह संप्रभुता सेमीकंडक्टर जैसे बुनियादी ढांचे से ही शुरू होती है। उन्होंने कहा कि यह रोडमैप सरकार, उद्योग, शिक्षाजगत, नवप्रवर्तन उद्यमों तथा वैश्विक भागीदारों को एक साझा राष्ट्रीय मिशन के अंतर्गत एकजुट करने का आह्वान है।

पुणे शराब कांड : आदित्य ठाकरे का सरकार पर हमला, सिर्फ दिखावे की गिरफ्तारी

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे जिले में जहरीली शराब के सेवन से 18 लोगों की मौत के बाद शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठा दिए हैं। श्री ठाकरे ने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र सरकार और पुलिस सिर्फ दिखावे के लिए लोगों को गिरफ्तार करती है है। उन्होंने पुणे के हालिया पोर्श कार हादसे के आरोपी की जेल से रिहाई के बाद जश्न मनाने के वीडियो का भी जिक्र कर कहा, अगर कानून-व्यवस्था की यही हालत है, तब हम और क्या उम्मीद कर सकते हैं।

पिछले 48 घंटों में हुई इन मौतों ने प्रशासन में हड़कंप मचा दिया है। पिंपरी चिंचवाड़ के फुगेवाड़ी और दापोड़ी में 13 लोगों ने जान गंवाई, जबकि पुणे के हडपसर और कालेपदल में पांच लोगों की मौत शराब के सेवन से हुई। पीड़ितों में गंभीर चक्कर आना और पेट दर्द जैसे समान लक्षण दिखाई दिए, जो मेथनॉल विषाक्तता के शुरुआती लक्षण हैं। शुरुआत में पुलिस ने इन मौतों को अलग-अलग बीमारियों से जोड़ने की कोशिश की, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद भारतीय न्याय संहिता और महाराष्ट्र निषेध अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामले दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू की गई।

इस मामले में योगेश वानखेड़े नामक व्यक्ति महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में सामने आया, जिसने पुलिस अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण किया और वानखेड़े को गिरफ्तार किया। पूछताछ में पता चला कि उसने पुणे शहर और पिंपरी चिंचवड क्षेत्रों में रासायनिक पदार्थ युक्त शराब की आपूर्ति की थी। राज्य उत्पाद शुल्क विभाग के पुलिस अधीक्षक अतुल कनाडे ने पुष्टि की कि आरोपी ने शराब में जहरीला रसायन मेथनॉल मिलाया था। अवैध शराब के नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों की पहचान के लिए आगे पूछताछ जारी है।

पिंपरी-चिंचवड शहर के पुलिस आयुक्त विनय चौबे ने बताया कि वानखेड़े के अलावा पांच आरोपी फिलहाल पुलिस हिरासत में हैं, जबकि दो अन्य उत्पाद शुल्क विभाग की हिरासत में हैं। जांच को बाद में क्राइम ब्रांच को सौंप दिया गया है। लोगों का आरोप है कि दापोड़ी, फुगेवाड़ी और हडपसर जैसे इलाकों में अवैध देसी शराब की बिक्री बेरोकटोक जारी थी और पुलिस व उत्पाद शुल्क अधिकारी इस पर आंखें मूंदे हुए थे। पीड़ितों के परिजनों ने बताया कि शराब पीने के कुछ ही मिनटों बाद उन्हें उल्टी और पेट में तेज दर्द होने लगा था।

भारत-फ्रांस राफेल डील: यूक्रेन की चिंता और सोर्स कोड पर विवाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सैन्य इतिहास का सबसे बड़ा रक्षा सौदा करने की तैयारी में है, इसके तहत वह फ्रांस से 114 राफेल लड़ाकू विमान खरीदेगा। यह सौदा करीब 35 से 40 अरब डॉलर का हो सकता है। भारत ने लेटर ऑफ़ रिक्वेस्ट (एलओआर) को मंजूरी दे दी है, इस जल्द ही पेरिस भेजा जाएगा। इस समझौते की एक खास शर्त यह है कि 114 विमानों में से 90 का निर्माण स्थानीय शर्तों के तहत भारत में ही होगा, जिसके लिए 50 प्रतिशत पुर्ज़ों का उत्पादन देश में ही होना अनिवार्य है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जून के अंत में प्रस्तावित फ्रांस यात्रा से पहले भारतीय वायु सेना प्रमुख अगले महीने फ्रांस का दौरा कर रहे है। इस साल के अंत तक इस अनुबंध पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। भारत राफेल के वेपन कंट्रोल सिस्टम इंटरफ़ेस तक पहुँच बनाकर अपने स्वयं के हथियार, जैसे अस्त्र एयर-टू-एयर मिसाइल और ब्रह्मोस एंटी-शिप मिसाइल को एकीकृत करने पर भी बातचीत कर रहा है।

हालांकि, भारत और फ्रांस के बीच होने वाले बड़े सौदे से यूक्रेन की चिंताएँ बढ़ी हैं। दरअसल, यूक्रेन की वायु सेना ने स्वयं 100 राफेल जेट खरीदने की योजना की घोषणा की थी, लेकिन अब ये योजनाएँ अनिश्चित नज़र आ रही हैं, मुख्यतः फंडिंग के मुद्दे के कारण। भारतीय महाडील के तहत भारत में ही राफेल की उत्पादन लाइन का निर्माण होगा, जिससे फ्रांस की डसॉल्ट एविएशन पर मौजूदा ऑर्डर का बोझ और बढ़ जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, डसॉल्ट एविएशन के पास पहले से ही करीब 220 राफेल विमानों का ऑर्डर लंबित है, और कंपनी सालाना करीब 26-30 विमान ही बना पाती है। यदि भारत का यह विशाल ऑर्डर भी जुड़ता है, तब डसॉल्ट का बैकलॉग 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ जाएगा। इससे फ्रांस के अपने रक्षा बेड़े और यूक्रेन या अन्य यूरोपीय सहयोगियों को हथियारों की डिलीवरी में भारी देरी हो सकती है।

इन चिंताओं के बीच, यूक्रेनी अख़बार ने एक प्रोपेगेंडा फैलाकर आरोप लगाया है कि भारत फ्रांस पर राफेल के सॉफ्टवेयर इंटरफेस यानी सोर्स कोड तक पहुँच देने का दबाव बना रहा है। इसका उद्देश्य भारतीय इंजीनियरों को ब्रह्मोस और अस्त्र मिसाइलों को विमान में सीधे जोड़ने में सक्षम बनाना है। अख़बार ने दावा किया है कि फ्रांस और पश्चिमी देशों को डर है कि चूंकि ब्रह्मोस मिसाइल भारत और रूस का संयुक्त प्रोजेक्ट है, यदि भारत को राफेल के गुप्त सॉफ्टवेयर कोड मिल जाते हैं, तब ब्रह्मोस एकीकरण के बहाने रूसी इंजीनियर फ्रांस के सबसे उन्नत राफेल एफ4/एफ5 विमानों के कॉम्बैट एल्गोरिदम और रडार तकनीक को डीकोड या लीक कर सकते हैं, जिसका सीधा फायदा यूक्रेन युद्ध में रूस को मिलेगा।

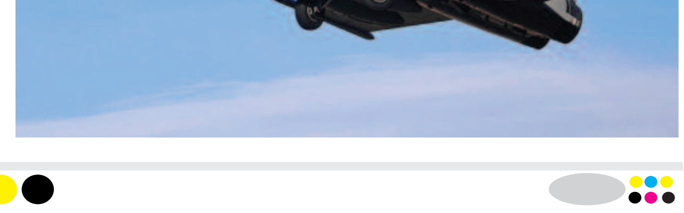

खोड़ा में हुई सूर्या की हत्या, विशेष समुदाय के युवक पर लगा हत्या का आरोप

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। दिल्ली और नोएडा से सटे खोड़ा क्षेत्र में हिंदू युवक सूर्या की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। हत्या का आरोप एक मुस्लिम युवक के ऊपर लगा है। सूर्या अपने दोस्तों के साथ क्षेत्र में घूम रहा था, इसी दौरान उसके ऊपर चाकू से हमला किया गया। घायल यूवक को नोएडा के फोर्टिस हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। मृतक की मौत की सूचना सुनते ही हॉस्पिटल में लोगों का जमावड़ा लगना शुरू हो गया। विशेष समुदाय के युवक द्वारा हमले की सूचना सुनते ही हिंदू संगठन से जुड़े हुए लोग भी हॉस्पिटल पहुंचे। हॉस्पिटल पहुंचने के बाद सभी ने इस घटना पर विरोध व्यक्त करते हुए पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। इतना ही नहीं खोड़ा नगर पालिका की पूर्व अध्यक्ष रीना भाटी भी हॉस्पिटल पहुंची और उन्होंने इस घटना पर दुख व्यख्त किया। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि परिवार जनों की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीमों का गठन कर दिया गया है और जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मृतक : सूर्या

रिश्वत लेते वीडियो वायरल होने पर चिकित्सक पर कार्रवाई, पद से हटाकर संयुक्त जांच समिति गठित

बिजनौर (शिखर समाचार)। सोशल मीडिया पर एक चिकित्सक द्वारा कथित रूप से रिश्वत लेने का वीडियो वायरल होने के बाद प्रशासन ने सख्त कदम उठाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने मामले का तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित चिकित्सक को पद से हटाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच के लिए उच्चस्तरीय संयुक्त जांच समिति का गठन किया गया है। जानकारी के अनुसार पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से प्रसारित हो रहा था। वायरल वीडियो में समीपुर चिकित्सालय नजीबाबाद के चिकित्सक तथा अफजलगढ़ विकास खंड में झोलाछाप चिकित्सकों के प्रभारी डॉ. प्रमोद देशवाल कथित रूप से एक युवक से पांच हजार रुपये लेते हुए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग और प्रशासनिक गलियारों में हड़कंप मच गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी जसजीत कौर ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। जिलाधिकारी के आदेश पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेंद्र सिंह ने त्वरित कार्रवाई करते हुए डॉ. प्रमोद देशवाल से झोलाछाप चिकित्सकों की निगरानी संबंधी प्रभार वापस ले लिया। इसके साथ ही प्रशासनिक आधार पर उनका स्थानांतरण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अफजलगढ़ कर दिया गया है। जिलाधिकारी ने बताया कि पूरे मामले की गहन और निष्पक्ष जांच के लिए अपर जिलाधिकारी तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी की संयुक्त जांच समिति गठित की गई है। यह समिति वायरल वीडियो तथा उससे जुड़े सभी तथ्यों की जांच कर अपनी रिपोर्ट प्रशासन को सौंपेगी। जांच रिपोर्ट के आधार पर समिति जो भी संस्तुतियां करेगी, उन्हें अंतिम निर्णय एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए शासन को भेजा जाएगा। वर्तमान में यह मामला पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। प्रशासन द्वारा त्वरित कार्रवाई किए जाने पर आम लोगों ने संतोष व्यक्त करते हुए निष्पक्ष जांच की मांग भी उठाई है।

गोपी विरह प्रसंग सुन श्रद्धालुओं की आंखें हुई नम

मुरादनगर (शिखर समाचार)। श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ समिति के तत्वावधान में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में कथावाचक मुकेश कुमार शास्त्री ने भगवान श्रीकृष्ण की विभिन्न लीलाओं का भावपूर्ण वर्णन करते हुए चीरहरण लीला, गोपी विरह तथा रुक्मिणी विवाह प्रसंग का विस्तार से वर्णन किया। कथावाचक ने चीरहरण लीला का वर्णन करते हुए बताया कि भगवान श्रीकृष्ण ने गोपियों के अहंकार का नाश कर उन्हें पूर्ण समर्पण और भक्ति का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि भगवान अपने भक्तों से निष्कपट प्रेम और समर्पण चाहते हैं। कथा के माध्यम से उन्होंने समझाया कि सच्ची भक्ति में अहंकार का कोई स्थान नहीं होता। गोपी विरह प्रसंग सुनाते हुए मुकेश शास्त्री ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के प्रति गोपियों का प्रेम आत्मा और परमात्मा के मिलन का प्रतीक है। जब श्रीकृष्ण मथुरा चले गए तो गोपियां उनके विरह में व्याकुल हो उठीं। कथा के भावपूर्ण वर्णन से अनेक श्रद्धालुओं की आंखें नम हो गईं। इसके उपरांत रुक्मिणी विवाह प्रसंग का वर्णन करते हुए कथावाचक ने बताया कि विदर्भ की राजकुमारी रुक्मिणी भगवान श्रीकृष्ण को अपना पति मान चुकी थीं। जब उनके भाई रुक्मी ने उनका विवाह शिशुपाल से तय कर दिया, तब रुक्मिणी ने श्रीकृष्ण को संदेश भेजकर अपनी रक्षा की प्रार्थना की। भगवान श्रीकृष्ण विदर्भ पहुंचे और रुक्मिणी का हरण कर उनसे विवाह किया। इस प्रसंग के दौरान श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मिणी विवाह का उत्सव मनाया। इस अवसर पर समिति के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

गाजियाबाद में गूंजेगा क्रिकेट का रोमांचः राजनगर एक्सटेंशन में अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम का रास्ता साफ, जीडीए ने शासन को भेजा प्रस्ताव

आरव शर्मा
गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल मानचित्र पर चमकाने की तैयारी अब तेज हो गई है। राजनगर एक्सटेंशन में एक विश्वस्तरीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम बनाने की गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की महत्वाकांक्षी योजना ने रफ्तार पकड़ ली है। प्राधिकरण ने प्रोजेक्ट की जरूरत और व्यवहार्यता का गहन अध्ययन करने के बाद, इसका विस्तृत प्रस्ताव शासन को अंतिम मंजूरी के लिए भेज दिया है।

मुख्य बिंदुः
जीडीए और यूपीसीए के बीच 'जॉइंट वेंचर' मॉडल पर बनी सैद्धांतिक सहमति।
स्टेडियम के साथ बनेंगी वर्ल्ड-क्लास क्रिकेट एकेडमी और स्पोर्ट्स साइंस लैब।
एनसीआर में खेलों का नया इंटरनेशनल हब बनेगा गाजियाबाद।

यूपीसीए के साथ जॉइंट वेंचर की तैयारी

इस विशाल प्रोजेक्ट को धरातल पर उतारने के लिए जीडीए और उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के बीच कई दौर की अहम बैठकें हुईं। प्राधिकरण के उपाध्यक्ष के स्पष्ट निर्देशन में हुए इन प्रयासों का ही नतीजा है कि यूपीसीए ने इस प्रोजेक्ट को 'संयुक्त उपक्रम' मॉडल के तहत विकसित करने पर अपनी सैद्धांतिक सहमति दे दी है। हाल ही में जीडीए बोर्ड के समक्ष इस प्रस्ताव को रखा गया था, जहां से हरी झंडी मिलने के बाद अब इसे यूपी शासन के पास भेज दिया गया है।

क्यों चुनी गई राजनगर एक्सटेंशन की लोकेशन?

जीडीए उपाध्यक्ष आईएएस नंदकिशोर कलाल

प्राधिकरण द्वारा कराए गए व्यापक सर्वे में यह तथ्य सामने आया कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वर्तमान समय में कोई ऐसा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम नहीं है जो आज के वर्ल्ड-क्लास मानकों को पूरी तरह से कवर करता हो। ऐसे में गाजियाबाद की बेहतरीन भौगोलिक स्थिति, शानदार कनेक्टिविटी और तेजी से विकसित होता शहरी ढांचा इस मेगा-प्रोजेक्ट के लिए सबसे मुफीद साबित होगा।

क्या-क्या मिलेंगी सुविधाएं?

प्रस्तावित प्रोजेक्ट के तहत राजनगर एक्सटेंशन में सिर्फ क्रिकेट स्टेडियम ही नहीं बनेगा, बल्कि इसे एक संपूर्ण स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का रूप दिया जाएगा। इसमें शामिल होंगेः

अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप भव्य क्रिकेट स्टेडियम
हाई-टेक क्रिकेट एकेडमी
अत्याधुनिक प्रशिक्षण केंद्र (ट्रेनिंग सेंटर)
मॉडर्न फिटनेस एवं स्पोर्ट्स साइंस सुविधाएं

रोजगार और अर्थव्यवस्था को लगेंगे पंख

जीडीए का मानना है कि इस स्टेडियम के साकार होने से गाजियाबाद को एक नई वैश्विक पहचान मिलेगी। अंतरराष्ट्रीय मैचों और टूर्नामेंट्स के आयोजन से यहां पर्यटन, होटल इंडस्ट्री, ट्रांसपोर्ट और व्यापारिक गतिविधियों में जबरदस्त उछाल आएगा। इससे न केवल शहर का इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत होगा, बल्कि युवाओं के लिए रोजगार और निवेश के अनगिनत नए अवसर भी पैदा होंगे। उत्तर प्रदेश में खेल अवसंरचना के विकास की दिशा में यह एक मील का पत्थर साबित होने जा रहा है।

नेशनल लेवल प्रतियोगिता में अबेकस क्रिएटिव अकेडमी के बच्चों ने बढ़ाया शामली का मान

शामली (शिखर समाचार)। अबेकस क्रिएटिव अकेडमी के बच्चों ने नेशनल लेवल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जनपद शामली का नाम रोशन किया। इस उपलब्धि पर शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी आलोक यादव ने प्रतिभाशाली बच्चों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर अकेडमी की डायरेक्टर डॉ. रीमा गोयल और सोनल तायल ने बताया कि अकेडमी के छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए कई पुरस्कार हासिल किए हैं। सम्मानित होने वाले बच्चों में अक्षित, लक्षित, आदया, त्रिशा, आदित्य, अभिसार अफसर, वान्या और पार्थ धीमान सहित अन्य छात्र शामिल रहे। जिलाधिकारी आलोक यादव ने बच्चों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि जनपद के बच्चे विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर शामली का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन कर रहे हैं। उन्होंने बच्चों को भविष्य में भी मेहनत और लगन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

भीषण गर्मी में जल आपूर्ति को मजबूत करने में जुटा गाजियाबाद नगर निगम, विजयनगर में शुरू हुआ गंगाजल का ट्रायल

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निदेर्शानुसार महाप्रबंधक जल कामाख्या प्रसाद आनंद तथा जलकल विभाग की टीम ने विजयनगर के वार्डों में गंगाजल का ट्रायल प्रारंभ कर दिया गया है, जिसमें वार्ड संख्या 48 मिजार्पुर, वार्ड संख्या 14 सर्वोदय नगर, वार्ड संख्या 15 प्रताप विहार एल ब्लॉक, वार्ड संख्या 58 शिवपुरी, वार्ड संख्या तीन पुराना विजयनगर, वार्ड संख्या 51 केलाखेड़ा, वार्ड संख्या 55 सेक्टर 11 प्रताप विहार डी ब्लॉक, में गंगाजल ट्रायल के रूप में भिजवाया गया है। वार्ड के पार्षदों एवं क्षेत्र वासियों द्वारा गंगाजल मिलने पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए नगर निगम का धन्यवाद किया गया। पार्षद ओमप्रकाश, पार्षद साजिदा द्वारा नगर आयुक्त को पत्र लिखकर धन्यवाद किया गया। महाप्रबंधक जल कामाख्या प्रसाद आनंद ने बताया कि विजयनगर के लगभग 11 वार्डों में गंगाजल पहुंचने का कार्य शुरू कर दिया गया है। नगर निगम में 8 वार्डों में गंगाजल ट्रायल के रूप में पहुंचाया गया है। वार्ड संख्या 4 माता कॉलोनी वार्ड संख्या 25 अंबेडकर नगर शंकरपुरी में भी गंगाजल पहुंचाने के लिए प्रक्रिया जारी है। अगले एक सप्ताह के भीतर वार्ड संख्या 4 और 25 में भी गंगाजल ट्रायल के रूप में पहुंचने का कार्य विभागों द्वारा किया जाएगा।वार्ड संख्या 26 भूर भारत नगर के क्षेत्र में भी गंगाजल की सप्लाई के लिए कार्यवाही चल रही है। लगभग 6 टंकियां के द्वारा गंगाजल विजयनगर को मिलेगा, जिसमें ट्रायल के रूप में कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। मिजार्पुर डबल टंकी, गुलाबी टंकी वार्ड 51, वार्ड 55 बी ब्लॉक टंकी, जी ब्लॉक पुराना विजयनगर वार्ड 3 की टंकी, सेक्टर 9 वार्ड 14 विजयनगर की टंकी के माध्यम से गंगाजल की आपूर्ति को ट्रायल के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें टीम को भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। रोज बेल टंकी कि वार्ड संख्या 25 और 4 में पाइपलाइन मरम्मत का कार्य और लीकेज ठीक करने काकार्य जारी है। इसके उपरांत वार्ड संख्या 25 और 4 को भी ट्रायल के रूप में गंगाजल मिलेगा।

बिजनौर में डीएम का फरमान, प्रदूषण फैलाने वालों पर कसें शिकंजा, अस्पतालों में शत प्रतिशत बारकोडिंग अनिवार्य

बिजनौर (शिखर समाचार)। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में जिला गंगा समिति, जिला पर्यावरण समिति और जिला वृक्षारोपण समिति की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पर्यावरण संरक्षण, नदियों की स्वच्छता और आगामी वृक्षारोपण अभियान को लेकर कड़े दिशा निर्देश जारी किए गए।

जिलाधिकारी ने जनपद में गंगा सहित अन्य सभी नदियों को स्वच्छ बनाए रखने के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नदियों में गंदा पानी और कचरा बहाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। इसके लिए सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए। साथ ही घाटों की नियमित सफाई कराने और आमजन को जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाने को भी कहा गया।

जिला पर्यावरण समिति की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने वायु प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने प्रदूषण मानकों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने, भारी जुमार्ना लगाने तथा चालान की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए।

अस्पतालों से निकलने वाले कचरे के प्रबंधन की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने जैव चिकित्सा अपशिष्ट के सुरक्षित निस्तारण पर विशेष जोर दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले के सभी अस्पतालों में शत-प्रतिशत बारकोड व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। अस्पतालों से निकलने वाले जैव चिकित्सा अपशिष्ट का निस्तारण अनिवार्य रूप से बारकोड प्रणाली के आधार पर ही किया जाए। बैठक में आगामी वृक्षारोपण अभियान की तैयारियों पर भी चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने सभी विभागों को अपने-अपने क्षेत्रों में खाली भूमि और उपयुक्त स्थलों को चिन्हित कर उनकी सूची शीघ्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस अवसर पर प्रभागीय वनाधिकारी जय सिंह कुशवाहा सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

गैस एजेंसी संचालक पर अभद्रता और धमकी देने का आरोप, मुकदमा दर्ज

मोदीनगर (शिखर समाचार)। रसोई गैस कनेक्शन की पुस्तिका बनवाने गए अधिवक्ता संघ मोदीनगर के सचिव के साथ गैस एजेंसी संचालक द्वारा गाली-गलौज करने तथा जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार नकुल त्यागी अधिवक्ता संघ मोदीनगर के सचिव हैं। उनके चाचा विनोद त्यागी का रसोई गैस कनेक्शन कलछीना स्थित रोहन गैस एजेंसी पर है। बताया गया है कि विनोद त्यागी की गैस कनेक्शन पुस्तिका कहीं खो गई थी। नई पुस्तिका बनवाने के लिए नकुल त्यागी अपने चाचा के साथ रोहन गैस एजेंसी पहुंचे थे। आरोप है कि इस दौरान एजेंसी संचालक सुनील त्यागी ने नकुल त्यागी के साथ अभद्र व्यवहार किया तथा गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। घटना के बाद पीड़ित पक्ष ने पुलिस से शिकायत की। सहायक पुलिस आयुक्त भास्कर वर्मा ने बताया कि शिकायत के आधार पर रोहन गैस एजेंसी संचालक सुनील त्यागी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

गाजियाबाद में अवैध कॉलोनियों पर चला जीडीए का बुलडोजर, भारी विरोध के बीच ढहाई गई 4 बड़ी कॉलोनियां

आरव शर्मा
गाजियाबाद (शिखर समाचार)। अवैध निर्माण और बिना नक्शा पास कराए बस रही कॉलोनियों के खिलाफ गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने सख्त रुख अपनाते हुए शुक्रवार को एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। प्राधिकरण के उपाध्यक्ष के सख्त निदेर्शों के बाद, जीडीए के प्रवर्तन जोन-3 की टीम ने रईसपुर और सदरपुर इलाके में विकसित की जा रही चार अवैध कॉलोनियों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। इस दौरान कॉलोनाइजरों ने जमकर हंगामा किया, लेकिन पुलिस बल के आगे उनकी एक न चली।

हजारों वर्ग मीटर जमीन और 20 बीघा क्षेत्रफल में की गई कार्रवाई

प्रवर्तन जोन-3 के प्रभारी के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में कई बीघा जमीन को अतिक्रमण और अवैध निर्माण से मुक्त कराया गया। जीडीए की टीम ने जिन स्थानों पर ध्वस्तीकरण किया, उनका विवरण इस प्रकार हैः

रईसपुर (सूर्या गार्डन के पास)ः खसरा संख्या-1277, 1278 और 1279 पर सतेन्द्र सिंह, जयप्रकाश, विजेन्द्र और सुमेर सिंह द्वारा करीब 4500 वर्ग मीटर में किए जा रहे अवैध निर्माण को तोड़ा गया।

सूर्या एन्क्लेवः वीरेन्द्र चौधरी उर्फ लल्लू (पुत्र अमरपाल) द्वारा लगभग 20 बीघे जमीन पर विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी पर बुलडोजर चलाया गया।

रईसपुर (खसरा संख्या-1267)ः सतेन्द्र सिंह, संदीप चौधरी और देवेन्द्र द्वारा करीब 10,000 वर्ग मीटर के बड़े क्षेत्रफल में हो रहे अनाधिकृत विकास कार्यों को भी टीम ने ध्वस्त किया।

भारी हंगामे के बीच पुलिस ने संभाला मोर्चा

जब जीडीए का दस्ता बुलडोजर लेकर मौके पर पहुंचा और ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू की, तो स्थानीय निर्माणकताओं और कॉलोनाइजरों ने इसका कड़ा विरोध किया। मौके पर काफी हंगामा हुआ, लेकिन वहां मुस्तैद प्राधिकरण और स्थानीय पुलिस बल ने तुरंत मोर्चा संभालते हुए विरोध करने वालों को पीछे खदेड़ दिया। पुलिस नियंत्रण के बाद ध्वस्तीकरण की कार्रवाई सुचारू रूप से पूरी की गई।

इस बड़ी कार्रवाई के दौरान मौके पर जीडीए के सहायक अभियंता, सभी अवर अभियंता, सुपरवाइजर/मेट के साथ-साथ भारी संख्या में स्थानीय और प्राधिकरण पुलिस बल मौजूद रहा। जीडीए के इस बड़े एक्शन से इलाके के अवैध कॉलोनाइजरों में हड़कंप मचा हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

सेंट्रल पर पकड़ा गया सवा करोड़ कीमत का 74 किलो गांजा, दो तस्कर गिरफ्तार

कानपुर, एजेंसी। सेंट्रल स्टेशन पर करीब 74 करोड़ की अंतरराष्ट्रीय कीमत का 74 किला गांजा पकड़ा गया है। जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त कार्रवाई में दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया। आरोपी ओडिसा से मादक पदार्थ लाकर कानपुर, लखनऊ व आसपास के अन्य जिलों में बेचते थे। जीआरपी थाना प्रभारी निरीक्षक ओमनारायण सिंह और आरपीएफ प्रभारी एसएन पाटीदार बुधवार को रूटीन चेकिंग पर थे। कैंट साइड पर गेट नंबर-2 के पास सर्कुलेटिंग एरिया में दो संदिग्ध परिस्थितियों में बैग लिए युवक दिखे। पूछताछ और तलाशी में दोनों के पास तीन ट्राली और इतने ही पिट्ठू बैग मिले। खोलकर देखा गया तो कपड़ों के बीच में गांजे के पैकेट मिले। कुल 74 किलो, 230 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पकड़े गए दोनों तस्कर मथुरा के हसनपुर, थाना नवझील निवासी 21 वर्षीय प्रेम कुमार और अलीगढ़ के टप्पल थाना क्षेत्र निवासी 22 वर्षीय सुभाष हैं। दोनों ओडिसा से सस्ते दाम पर मादक पदार्थ की तस्करी कर रहे थे। कानपुर, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा व आसपास के इलाकों में बेचते थे। दोनों अलीगढ़ जाने के लिए ट्रेन का इंतजार कर रहे थे।

महज एक महीने में सीखें फ्रेंच, जर्मन और रशियन, फ्री में मिल रहा विदेशी भाषा सीखने का मौका

आगरा, एजेंसी। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के केएमआई संस्थान स्थित विदेशी भाषा विभाग ने विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए बेसिक नॉलेज ऑफ फॉरेन लैंग्वेज विषय पर एक महीने का निशुल्क कोर्स शुरू करने की घोषणा की है। यह पाठ्यक्रम 1 से 30 जून, 2026 तक संचालित होगा। छात्रों को फ्रेंच, रशियन और जर्मन भाषाओं की आधारभूत जानकारी दी जाएगी। इसमें सामान्य वार्तालाप, उच्चारण, दैनिक प्रयोग के वाक्य, मूल शब्दावली और संबंधित देशों की संस्कृति से परिचित कराया जाएगा। प्रशिक्षण विदेशी भाषा विभाग के अनुभवी शिक्षकों देंगे। कुलपति प्रो. आशु रानी ने कहा कि नई शिक्षा नीति के वर्तमान दौर में विदेशी भाषाओं का ज्ञान विद्यार्थियों को वैश्विक अवसरों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। निदेशक प्रो. प्रदीप श्रीधर ने बताया कि यह पहल विद्यार्थियों के कौशल विकास और रोजगारोन्मुखी शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई है। वहीं, विभागीय समन्वयक डॉ. प्रदीप वर्मा ने कहा कि यह कोर्स कर छात्र भविष्य में अनुवाद, पर्यटन, अंतरराष्ट्रीय संस्थानों या विदेश में शिक्षा एवं रोजगार के अवसर पा सकते हैं। शिक्षक अनुज गर्ग ने बताया कि कोर्स का आयोजन पालीवाल पार्क स्थित विश्वविद्यालय परिसर में किया जाएगा और यह पूरी तरह निशुल्क रहेगा। छात्र क्यूआर कोड स्कैन कर आवेदन कर सकते हैं।

ताजमहल के मुख्य मकबरे के पास कीर्तन का वीडियो वायरल, एएसआई ने सीआईएसएफ से मांगी रिपोर्ट

आगरा, एजेंसी। विश्व प्रसिद्ध स्मारक ताजमहल के मुख्य मकबरे के पास सैलानियों के ग्रुप का कीर्तन करते हुए का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। यह वीडियो कब का है, इसकी जांच के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) से रिपोर्ट तलब की है। गर्मी में मकबरे के पास छांव में बैठकर यह लोग तालियां बजाकर कीर्तन कर रहे हैं। इनमें से एक व्यक्ति भगवा वस्त्र पहने भी नजर आ रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद ताजमहल के वरिष्ठ संरक्षण सहायक कलंदर बिंद ने सीआईएसएफ से पूरे घटनाक्रम की विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। बुधवार को सीसीटीवी कैमरों के फुटेज जांचे गए, जिनमें यह वीडियो कई दिन पुराना माना जा रहा है। बीते सप्ताह शनिवार तक की रिकॉर्डिंग चेक की गई। इसमें ऐसी कोई घटना रिकॉर्ड नहीं हुई है। एएसआई अधिकारियों के मुताबिक, मथुरा-वृंदावन का कोई ग्रुप छांव में बैठकर आराम करता दिख रहा है, जिसमें कुछ लोग कीर्तन करते दिख रहे हैं। सीआईएसएफ की रिपोर्ट आने के बाद इस मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी

300 परिवारों और व्यापारियों की 43 घंटे तक बिजली ठप

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ के दुबग्गा उपकेंद्र इलाके में ट्रांसफार्मर जलने के कारण 300 परिवारों और व्यापारियों की बिजली 43 घंटे तक ठप रही। लोग दो दिन तक बिजली-पानी के लिए तरस गए। नाराज लोगों ने प्रदर्शन भी किया। मुख्य अभियंता ने मुआयना करने के बाद बुधवार को दो ट्रांसफार्मर लगाकर बिजली आपूर्ति चालू कराई। रामपुर भूहर इलाके में बीते सोमवार की रात 10:30 बजे गुल हुई बिजली बुधवार की शाम 7:30 बजे चालू हो सकी। उपभोक्ता आलोक कुमार गुप्ता, राहुल पटेल, पवन मौर्या, अमित कुमार, अंकित, विकास यादव, दिलीप यादव, प्रशांत व सर्वेश ने बताया कि जले ट्रांसफार्मर को बदलने के लिए एसडीओ को कई बार कॉल किया गया मगर सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद लोगों ने प्रदर्शन भी किया।

कानपुर और प्रयागराज में सबसे तेज रही लू

मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

कानपुर, एजेंसी। नौतपा ने तीसरे दिन बुधवार को जोर पकड़ा है। सीएसए की मौसम वेधशाला में तापमान 44.3 डिग्री और एयरफोर्स स्टेशन पर तापमान 45.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ की रिपोर्ट बताया गया कि बुधवार को प्रदेश के पूर्वी हिस्से में लू की तेजी कानपुर और प्रयागराज में अधिक रही। वहीं, पश्चिमी हिस्से में झांसी, आगरा के अलावा उरई और हमीरपुर जिले लू की चपेट में रहे।

माहौल में नमी होने की वजह से दिन में तपिश बहुत तीखी रही। बाहर निकले लोग गर्मी से बेहाल नजर आए। गुरुवार को अधिकतम तापमान और बढ़ सकता है। मौसम विभाग ने 29-31 मई को राहत मिलने का पूर्वानुमान जारी किया है। बुधवार को अधिकतम तापमान 27 मई के सामान्य औसत से 3.9 डिग्री अधिक रहा। रात का न्यूनतम तापमान सामान्य औसत 25.6 डिग्री से 0.2 डिग्री कम रहा। 24 घंटे के अंदर माहौल में सुबह की नमी दो प्रतिशत घटकर 40 हो गई।

दो दिन से दोपहर की नमी 18 प्रतिशत बनी हुई है। मानक के लिहाज से सुबह की नमी 60 से 70 और दोपहर की नमी 40 होनी चाहिए। सीएसए के मौसम विभाग के नोडल एवं तकनीकी अधिकारी अजय मिश्रा का कहना है कि 29-31 मई को मध्यम घने बादल, गरज-चमक के साथ हल्की-मध्यम वर्षा का पूर्वानुमान है।वरिष्ठ मौसम विज्ञानी डॉ. एसएन सुनील पांडेय ने बताया कि इस समय अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से कम नमी आ रही है। मौसम बदलेगा जरूर लेकिन गर्मी से थोड़ी राहत ही मिलेगी। इसके साथ दो से तीन मिमी बारिश होने का अनुमान है। अगर नमी आने लगेगी तो तेज बारिश हो सकती है।

अरब सागर में चक्रवात बना है। यह नमी लेकर आने वाली हवाओं को रोक रहा है। हालांकि प्रदेश के ऊपर बादलों की श्रृंखला बनी है। नमी बढ़ेगी तो बारिश होने लगेगी। इसी वजह से मानसून दो-तीन दिन लेट हो गया है। यह अभी तक केरल नहीं पहुंच पाया।

बरेली में तेज हवा संग मंडराएंगे बादल, तीन दिन बारिश के आसार, भीषण गर्मी से मिलेगी राहत

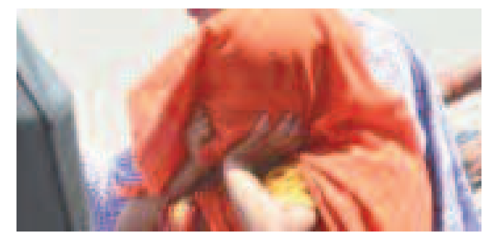

बरेली, एजेंसी। बरेली में पश्चिमी विक्षोभ की दस्तक का असर बुधवार को तापमान पर दिखा, लेकिन शहरवासी भीषण गर्मी से बेहाल रहे। मौसम विभाग की ओर से जारी बुलेटिन में बृहस्पतिवार से तेज हवा संग बादल मंडराने और तीन दिन तक अनुकूल माहौल बनने पर बारिश का अनुमान है। तापमान में गिरावट होने से राहत मिलेगी।

बुधवार सुबह हल्के बादल छाए, लेकिन नौ बजे के बाद आसमान साफ हुआ और तेज धूप निकली। दोपहर 12 से शाम चार बजे तक बेतहाशा गर्मी से लोग छांव तलाशने के लिए विवश हुए। बाजारों में सामान्य दिनों के सापेक्ष ग्राहकों की आवाजाही कम रही। अधिकतम पारा एक डिग्री लुढ़ककर सामान्य स्तर पर 40.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शाम छह बजे के बाद ढलते सूरज के साथ गर्मी से राहत मिली। हवा की दिशा बदलने से रात में राहत मिली। न्यूनतम तापमान सामान्य स्तर पर 25 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। हवा में नमी 60 फीसदी रही।

मौसम विशेषज्ञ अतुल कुमार के मुताबिक, बृहस्पतिवार को बादल छाएंगे लेकिन धूप भी रहेगी। शुक्रवार से रविवार तक मौसम के करवट लेने के आसार हैं। जिन इलाकों में अनुकूल माहौल बनेगा, वहां उच्च वायुदाब क्षेत्र से निम्न वायुदाब क्षेत्र की ओर हवा चलेगी। बारिश के भी आसार हैं।

लू, सूखा, बाढ़ से बचाव के लिए प्रबंधों व कृषकों को सिंचाई के लिए जल की उपलब्धता की समीक्षा बैठक बुधवार को कलक्ट्रेट स्थित सभागार में हुई। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने कहा कि लू से बचाव के लिए अस्पतालों में बेड आरक्षित हों और ग्रामीण क्षेत्रों में प्याऊ व वाटर कूलिंग मशीनों को सक्रिय किया जाए। स्वास्थ्य विभाग की ओर से बताया गया कि जिला अस्पताल में 10 बेड, सीएचसी स्तर पर पांच-पांच व अन्य स्वास्थ्य केंद्रों पर दो-दो बेड आरक्षित किए गए हैं।

ओआरएस एवं आवश्यक दवाएं भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। अधिकारियों ने बताया कि रामगंगा, किच्छा, बहगुल व दोजौरा आदि नदियों से जिले के 302 ग्राम प्रभावित होते हैं। बाढ़ नियंत्रण के लिए 49 बाढ़ चौकियां स्थापित की जाती हैं। डीएम ने बहेड़ी क्षेत्र में बन रहे मेगा फूडपार्क को बाढ़ से सुरक्षित करने की हिदायत दी। विभिन्न गांवों में बाढ़ एवं कटानरोधी कार्यों की गुणवत्ता पर ध्यान देने के निर्देश दिए।

जीएसटी विभाग में 24 हजार रुपये की रिश्वत लेते बाबू गिरफ्तार, विभाग में मचा हड़कंप

हापुड़ (शिखर समाचार)। जनपद में एंटी करप्शन टीम ने एक बार फिर बड़ी कार्रवाई करते हुए जीएसटी विभाग में तैनात एक बाबू को 24 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई के बाद विभाग में हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनुसार जीएसटी विभाग में सहायक आयुक्त कार्यालय में तैनात बाबू जयदीप एक पुराने जीएसटी प्रकरण को निपटाने के नाम पर दवा व्यापारी से रिश्वत की मांग कर रहा था। व्यापारी चमन सिंह ने बताया कि वर्ष 2022-23 के जीएसटी मामले में बाबू द्वारा 48 हजार रुपये की मांग की जा रही थी और 8 मई से लगातार फोन कर दबाव बनाया जा रहा था।

परेशान होकर व्यापारी ने मेरठ स्थित एंटी करप्शन विभाग में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर शुक्रवार सुबह एंटी करप्शन टीम हापुड़ पहुंची और योजना के तहत व्यापारी को 24 हजार रुपये देकर बाबू के पास भेजा गया। जैसे ही बाबू ने रिश्वत की रकम ली, टीम ने उसे रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

कार्रवाई के बाद जीएसटी विभाग में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। एंटी करप्शन टीम आरोपी से पूछताछ कर आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी है।

जिले में रिश्वत लेते पकड़े गए अधिकारी-कर्मचारी

- 12 मई 2026 - गढ़मुक्तेश्वर में चकबंदी विभाग का एसीओ गिरफ्तार
- 16 मई 2026 - हापुड़ में लेखपाल गिरफ्तार
- 29 मई 2026 - जीएसटी विभाग का बाबू गिरफ्तार

शिशु वाटिका आचार्य वर्ग में सुंदर लेखन व संस्कारयुक्त शिक्षा पर जोर

शामली (शिखर समाचार) शहर के सरस्वती शिशु विद्या मंदिर जूनियर हाई स्कूल में आयोजित शिशु वाटिका के प्रांतीय नवीन आचार्य वर्ग के छठे दिवस पर क्षेत्रीय शिशु वाटिका प्रभारी शिवकुमार शर्मा ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे शिक्षकों को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि बच्चों के लेखन को प्रारंभ से ही सुंदर एवं व्यवस्थित बनाने पर विशेष ध्यान देना चाहिए। शिशुओं को शब्द, वर्ण एवं मात्राओं के सही प्रयोग की जानकारी दी जानी चाहिए, क्योंकि सुलेख व्यक्ति के व्यक्तित्व को निखारने का कार्य करता है। उन्होंने कहा कि सुंदर लेखन सभी को प्रभावित करता है तथा शिक्षकों को भी अपने लेखन में निरंतर सुधार करते रहना चाहिए।

दूसरे सत्र में प्राची मिश्रा ने ईसीसी एवं सीएफ विषय पर विस्तार से जानकारी देते हुए बाल शिक्षा की नवीन शिक्षण पद्धतियों पर प्रकाश डाला। वहीं स्वाति जैन ने वाटिका के प्रकार, नमूना रूप, प्रभावशाली एवं पर्यटन सेल शिशु वाटिका के विषय में मार्गदर्शन प्रदान किया तथा शिशु शिक्षा को संस्कारयुक्त एवं रोचक बनाने के उपाय बताए।

इस अवसर पर शिशु वाटिका की प्रधानाचार्या पल्लवी ऐरन, ममता शर्मा, रांची मिश्रा, तनुज जैन एवं मीनाक्षी शर्मा मौजूद रहे।

सोशल मीडिया से 78 फीसदी किशोरियों की माहवारी से जुड़ी हिचक टूटी

लखनऊ , एजेंसी। सोशल मीडिया से सेहत पर पड़ने वाले बुरे असर के बारे में अक्सर सुनते और पढ़ते हैं, लेकिन यह माहवारी के मामले में गुरु बन कर उभरा है। इससे किशोरियों में 78.43 प्रतिशत मासिक धर्म को लेकर हिचक टूटी है, सेहत के प्रति अधिक जागरूक हुई हैं। ये बातें केजीएमयू के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग (क्वीन मेरी) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर एडोलिसेंट हेल्थ एंड डेवलपमेंट की ओर से किए गए अध्ययन में सामने आई है।

अध्ययन में किशोरियों से लेकर 21 से 25 वर्ष की छात्राएं शामिल रहीं, जिनमें से करीब 56.20 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्रों से थीं। इनमें 98.69 प्रतिशत प्रतिभागियों के पास स्मार्टफोन था और 97.38 प्रतिशत नियमित इंटरनेट चलाती थीं। अध्ययन प्रसूति एवं स्त्री रोग विभागाध्यक्ष डॉ. अंजू अग्रवाल के संरक्षण में वरिष्ठ चिकित्सक प्रो. सुजाता देव और काउंसलर सौम्या सिंह ने किया।

एचपीवी वैक्सीनेशन की जानकारी अब भी सीमित : अध्ययन का सबसे चिंताजनक पहलू एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमावायरस) वैक्सीन को लेकर सामने आया। हालांकि 50.32 प्रतिशत युवतियों को इस बारे में पता था, लेकिन केवल 12.41 प्रतिशत ने ही टीका लगवाया था। इनमें से भी सिर्फ 1.30 प्रतिशत को दोनों डोज पूरी होने की जानकारी थी, जबकि 11.11 प्रतिशत डोज की सही संख्या से अनजान थीं।

सोशल मीडिया से सीखा सही माहवारी प्रबंधन

अध्ययन में पाया गया कि माहवारी स्वास्थ्य को लेकर 58.82 प्रतिशत युवतियों को पहली माहवारी से पूर्व जानकारी थी, जबकि करीब 41 प्रतिशत इससे अनजान थीं। 37.25 प्रतिशत पीरियड ट्रैकिंग ऐप का इस्तेमाल करती पाई गईं। 53.59 प्रतिशत ने ऑनलाइन माध्यमों से मासिक धर्म उत्पाद (मुख्य रूप से मेंस्ट्रुअल पैड) खरीदे। 60.13 प्रतिशत किशोरियों ने यूट्यूब और 30.06 प्रतिशत ने गूगल का सहारा लिया।

पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को भावभीनी श्रद्धांजलि

मोदीनगर (शिखर समाचार)। पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि पर गांधी मार्केट स्थित उनकी प्रतिमा स्थल पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

चौधरी चरण सिंह स्मारक समिति के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत आर्य समाज रीति रिवाज के अनुसार हवन पूजन के साथ हुई। इसके बाद उपस्थित जनप्रतिनिधियों और गणमान्य लोगों ने प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

कार्यक्रम में भाजपा विधायक डॉ. मंजू सिवाच ने कहा कि चौधरी चरण सिंह ने अपना संपूर्ण जीवन किसानों, मजदूरों और ग्रामीण समाज के उत्थान के लिए समर्पित किया। उनके सिद्धांत और आदर्श आज भी समाज और राष्ट्र को नई दिशा प्रदान कर रहे हैं। समिति अध्यक्ष सत्येंद्र तोमर ने कहा कि चौधरी साहब का मानना था कि देश की खुशहाली का रास्ता खेत और खलिहान से होकर गुजरता है, इसलिए किसानों की समृद्धि ही देश की उन्नति का आधार है।

कार्यक्रम का संचालन ललित सेन ने किया। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद अध्यक्ष विनोद वैशाली, पूर्व पालिका अध्यक्ष अशोक महेश्वरी, राम भरोसे लाल मौर्य, राकेश तोमर, किरण पाल गुलिया, तेजवीर डबाना, सभासद संदीप सांगवान, ललित त्यागी, बलराज गुर्जर, बॉबी चौधरी, नवीन जायसवाल सहित अनेक लोग मौजूद रहें।

व्यापारियों का फूटा गुस्सा: मल्टीलेवल पार्किंग, आवारा पशु और ट्रैफिक व्यवस्था पर उठे बड़े सवाल

व्यापार बंधु की बैठक में समस्याओं का अंबार, अधिकारियों से जल्द समाधान की मांग

हापुड़ (शिखर समाचार)। कलेक्ट्रेट सभागार में शुक्रवार को आयोजित व्यापार बंधु की बैठक में व्यापारियों ने शहर की ज्वलंत समस्याओं को जोरदार ढंग से उठाते हुए उनके शीघ्र समाधान की मांग की। जिलाधिकारी कविता मीणा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में ट्रैफिक व्यवस्था, मल्टीलेवल पार्किंग, आवारा पशुओं, बंदरों, कुत्तों, पेयजल संकट और अधूरे विकास कार्यों सहित कई मुद्दे छाए रहे।

व्यापारी सुरक्षा फोरम के जिलाध्यक्ष अरुण अग्रवाल एवं सचिन जिंदल ने शहर की बिगड़ती ट्रैफिक व्यवस्था पर चिंता व्यक्त करते हुए ई-रिक्शाओं के लिए निर्धारित रूट तय करने, बंद पड़ी ट्रैफिक लाइटों को संचालित करने तथा गौशाला में नाली निर्माण कराने की मांग की। उन्होंने लंबी दूरी की रोडवेज बसों को शहर के भीतर से निकालने की भी आवश्यकता बताई।

संयुक्त हापुड़ उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष ललित अग्रवाल ने नगर पालिका एवं वन विभाग से शहर में बढ़ रहे बंदरों और आवारा कुत्तों के आतंक पर अंकुश लगाने की मांग की। उन्होंने इन पशुओं को पकड़कर हॉल्ट सेंटर में छोड़े जाने तथा शहर में मल्टीलेवल पार्किंग की व्यवस्था किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही गढ़ रोड पर निमार्णाधीन नाले का कार्य शीघ्र पूरा कराने की मांग भी रखी।

महामंत्री संजय अग्रवाल ने नागरिकों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने तथा मेरठ रोड रेलवे अंडरपास की नियमित सफाई सुनिश्चित करने की मांग उठाई।

वहीं व्यापारी नेता जितेंद्र गोयल ने ब्रजघाट क्षेत्र में अवैध पार्किंग शुल्क वसूली का मुद्दा उठाते हुए कार्रवाई की मांग की। इसके अलावा व्यापारियों ने पिलखुवा बस स्टैंड की अव्यवस्थाओं, नालों की सफाई, ट्रैफिक सिग्नल संचालन और शहर की अन्य मूलभूत समस्याओं को भी अधिकारियों के समक्ष रखा। अधिकारियों ने सभी समस्याओं पर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। बैठक में सीडीओ श्रुति शर्मा, अरुण गर्ग चीनीवाले, दीपक गोयल, सचिन जिंदल, विनोद अग्रवाल, मनीष सिंघल, अनुज, राकेश अग्रवाल, राजेंद्र आड़वाले, शरद गर्ग, गौरव गोयल, प्रदीप, सुमित सिंघल, पुनीत सर्राफ, विकास अग्रवाल, योगेंद्र अग्रवाल, विकास गर्ग सहित बड़ी संख्या में व्यापारी एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

संयुक्त प्रवेश परीक्षा बीएड 2026 आगामी 31 मई को जनपद के 17 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होगी

एडीएम न्यायिक की अध्यक्षता में तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक सम्पन्न

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। आगामी 31 मई 2026 को दो पालियों में आयोजित होने वाली संयुक्त प्रवेश परीक्षा बीएड-2026 को सकुशल, शांतिपूर्ण, नकलविहीन एवं सुचिता पूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रियंका की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में परीक्षा से जुड़े सभी अधिकारियों, सेक्टर एवं स्टेटिक मजिस्ट्रेट तथा केंद्र व्यवस्थापकों के साथ तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रियंका ने कहा कि परीक्षा को पूरी पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ संपन्न कराना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे शासन द्वारा निर्धारित मानकों एवं दिशा निर्देशों के अनुरूप अपनी सभी तैयारियां समय रहते पूर्ण कर लें। उन्होंने कहा कि परीक्षा के शांतिपूर्ण एवं नकलविहीन संचालन में जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए सभी अधिकारी आपसी समन्वय बनाए

रखते हुए जिम्मेदारी का निर्वहन करें। उन्होंने सेक्टर एवं स्टैटिक मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिए कि वे अपने अपने परीक्षा केंद्रों का भ्रमण कर वहां उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं एवं सीसीटीवी कैमरों की स्थिति का निरीक्षण करें तथा यह सुनिश्चित करें कि सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से कार्य कर रही हों। किसी भी प्रकार की तकनीकी या व्यवस्थागत समस्या होने पर उसका तत्काल समाधान कराया जाए।

अपर जिलाधिकारी न्यायिक ने केंद्र व्यवस्थापकों को परीक्षा संचालन संबंधी दिशा निर्देशों का गहन अध्ययन करने के निर्देश देते हुए कहा कि परीक्षा के दौरान किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि परीक्षा केंद्रों पर प्रवेश के समय अभ्यर्थियों की सघन जांच की जाए तथा किसी भी अभ्यर्थी को इलेक्ट्रॉनिक उपकरण लेकर परीक्षा केंद्र में प्रवेश न करने दिया जाए।

बैठक में बुंदेलखंड विश्वविद्यालय से आए प्रोफेसरों द्वारा परीक्षा संचालन से संबंधित दिशा निर्देशों एवं मानकों की विस्तार से जानकारी दी गई। इस अवसर पर प्रभारी जिला विद्यालय निरीक्षक दीपा भाटी, जिला विकास अधिकारी शिव प्रताप परमेश, समस्त सेक्टर एवं स्टेटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक तथा जिला एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारी उपस्थित रहे।

मकान पर गिरी आकाशीय बिजली, दीवार में आई दरार

रबूपुरा (शिखर समाचार)। क्षेत्र के गांव पचोकरा में गुरुवार शाम आकाशीय बिजली गिरने से हड़कंप मच गया। हादसे में एक ग्रामीण के मकान की दीवार में दरार आ गई, जबकि कई विद्युत उपकरण जलकर क्षतिग्रस्त हो गए। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल बन गया।गांव पचोकरा निवासी भूले राम शर्मा ने बताया कि गुरुवार शाम वह कामकाज निपटाने के बाद घर पर आराम की तैयारी कर रहे थे। तभी अचानक तेज धमाके और तेज चमक के साथ उनके मकान पर आकाशीय बिजली गिर गई। बिजली गिरने से मकान पर बने शौचालय की छत क्षतिग्रस्त हो गई तथा दीवार में दरार पड़ गई। बताया गया कि आकाशीय बिजली विद्युत

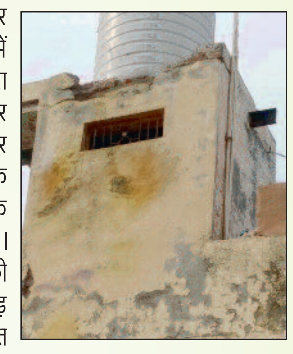

केबल के माध्यम से फैल गई और कई विद्युत उपकरणों को जलाते हुए लाइन से अर्थ हो गई। इससे आसपास के अन्य ग्रामीणों के घरों में लगे विद्युत उपकरण भी खराब हो गए। ग्रामीणों के अनुसार धमाका इतना तेज था कि पूरे गांव में दहशत फैल गई। लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए और इधर-उधर भागने लगे। घटना के बाद ग्रामीणों ने प्रशासन से नुकसान का आकलन कर सहायता दिलाने की मांग की है।

चौधरी साहब ने जमींदारी प्रथा का अंत और चकबंदी जैसे साहसिक फैसले लिए : प्रवीण राणा

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि पर जाट महासभा द्वारा चरण सिंह तिराहे पर यज्ञ-हवन का आयोजन किया गया। क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने उनका स्मरण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। जाट महासभा ब्लॉक बुढ़ाना के पदाधिकारी शुक्रवार सुबह चरण सिंह तिराहे पर पहुंचे और पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया। इसके बाद आयोजित यज्ञ-हवन में पुरोहित की भूमिका अमित शास्त्री ने निभाई। ब्लॉक जाट महासभा के महामंत्री प्रवीण राणा ने कहा कि चौधरी चरण सिंह केवल एक राजनेता नहीं थे, बल्कि ग्रामीण भारत की चेतना और आर्थिक स्वाभिमान के सबसे बड़े शिल्पकार थे। उन्होंने कहा कि जमींदारी प्रथा का अंत और चकबंदी जैसे साहसिक फैसले देश के अन्नदाता को गुलामी की बेड़ियों से मुक्त कराने वाली मूक क्रांति साबित हुए। उनका सादा जीवन और बेदाग ईमानदारी आज की राजनीति के लिए प्रेरणा और मार्गदर्शक प्रकाश स्तंभ है। कार्यक्रम में ब्लॉक जाट महासभा अध्यक्ष चमन सिंह, सर्वखाप मंत्री सुभाष बालियान, ब्रजपाल राठी, संयम पंवार, तेजपाल सिंह, रामकुमार सहरावत, योगेंद्र महले, रामछैल राठी और देवेंद्र सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

नवोदय युवा समिति ने मेधावियों, समाजसेवियों और पत्रकारों का किया सम्मान

हापुड़/पिलखुवा (शिखर समाचार)। नवोदय युवा समिति के तत्वावधान में शुक्रवार को पिलखुवा में भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट के मेधावी छात्र-छात्राओं, सामाजिक कार्यकताओं तथा पत्रकारों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि सुनील गर्ग, डॉ. अजय रोहिल्ला, पंकज अग्रवाल, प्रसिद्ध छायाकार चित्रांगदा कुमार और उमेश शर्मा ने विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने छात्रों को निरंतर परिश्रम कर समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

समारोह में विबग्योर इंटरनेशनल स्कूल, केएमएस इंटर कॉलेज, वीआईपी इंटर कॉलेज, डीएवी पब्लिक स्कूल, ऋषिकुल इंटर कॉलेज, सेंट जेवियर स्कूल, कोहिनूर स्कूल, श्री हरिहरनाथ शास्त्री इंटर कॉलेज, प्रेमवती मारवाड़ कन्या विद्यालय, मॉडर्न इंटरनेशनल हाई सेकेंडरी स्कूल तथा गुरुकुल स्कूल सहित विभिन्न शिक्षण संस्थानों के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। इन विद्यार्थियों ने बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जनपद और अपने विद्यालय का नाम रोशन किया। समिति के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह राठी ने कहा कि संस्था का उद्देश्य केवल प्रतिभाओं का सम्मान करना नहीं बल्कि समाज में सकारात्मक कार्य करने वालों को प्रोत्साहित करना भी है। शिक्षा और समाज सेवा राष्ट्र निर्माण की मजबूत आधारशिला हैं। कार्यक्रम में विशन दयाल गोयल, रविंद्र उत्साही, नीरज गर्ग, महेंद्र गोयल, अमित मित्तल, पंकज शर्मा और मनीष कुमार सहित कई सामाजिक कार्यकताओं को सम्मानित किया गया। पत्रकारिता दिवस के अवसर पर पत्रकारों और छायाकारों को भी स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस दौरान प्रसिद्ध छायाकार चित्रांगदा कुमार के सहयोग से विशेष फोटो प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसमें प्रकृति और समसामयिक सामाजिक विषयों पर आधारित आकर्षक छायाचित्रों को प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी को लोगों ने खूब सराहा। कार्यक्रम में संजय अग्रवाल, शिवानी तोमर, डॉली कर्दमवाल, किरण त्यागी, ओमप्रकाश शर्मा, निर्मल शर्मा, निकिता सिंह, जतिन सिंह और सोनू सैनी सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

जयंत चौधरी के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए 36 बिरादरी की पंचायत आयोजित

शामली (शिखर समाचार) गांव काबड़ौत में बाबा सेवाराम की अध्यक्षता में 36 बिरादरी की एक पंचायत आयोजित की गई, जिसमें आगामी 10 जून को केंद्रीय मंत्री एवं राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी के प्रस्तावित कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर विचार-विमर्श किया गया।

पंचायत में वक्ताओं ने कहा कि जनपद शामली को केंद्रीय विद्यालय की सौगात देने के लिए जयंत चौधरी का 10 जून को प्रस्तावित कार्यक्रम आयोजित होना है, जिसे ऐतिहासिक बनाने के लिए क्षेत्र के लोग पूरी तैयारी में जुटे हैं। पंचायत में विभिन्न बिरादरी के लोगों ने अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में पहुंचने का आह्वान किया।

इस दौरान शामली सदर विधायक प्रसन्न चौधरी भी पंचायत में पहुंचे। उन्होंने उपस्थित लोगों से कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील करते हुए कहा कि केंद्रीय विद्यालय की स्थापना जनपद के विद्यार्थियों के लिए बड़ी उपलब्धि साबित होगी तथा इससे क्षेत्र में शिक्षा के नए अवसर उपलब्ध होंगे।

स्थान बदलकर हुक्का पी रहे तीन आरोपी गिरफ्तार, नशीला तंबाकू बरामद

जेवर (शिखर समाचार)। जेवर पुलिस ने शुक्रवार को गांव थोरा स्थित एक खाली पड़े मकान में बैठकर हुक्का पी रहे तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो हुक्के, दो चिलम और करीब 500 ग्राम नशीला तंबाकू बरामद किया है। कोतवाली प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि गांव रोही में सार्वजनिक स्थान पर नशीला हुक्का पीकर राहगीरों से अभद्रता करने वाले 8 से 10 लोग अब स्थान बदलकर गांव थोरा के बनवारीवास रोड स्थित एक खाली मकान में बैठकर हुक्का पी रहे हैं। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर कुछ आरोपी मौके से फरार हो गए, जबकि तीन लोगों को पुलिस ने पकड़ लिया। उन्हें कोतवाली लाकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे पहले गांव रोही में हुक्का पीते थे, लेकिन किशोर गोपाल की हत्या के बाद गांव में पुलिस की आवाजाही बढ़ने से उन्होंने स्थान बदल लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अवधेश, कुलदीप और विनीत के रूप में हुई है। पुलिस फरार अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है।

अविका मोतला ने राज्य स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता में जीता स्वर्ण पदक

बिजनौर सांसद की पत्नी यशिका चौहान ने किया सम्मानित

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। क्षेत्र की बेटियां लगातार खेल जगत में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं। इसी क्रम में खतौली के निकटवर्ती गांव की प्रतिभाशाली बैडमिंटन खिलाड़ी कुमारी अविका मोतला ने राज्य स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया है। अविका की इस उपलब्धि से परिवार के साथ-साथ पूरे क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है। खतौली के निकटवर्ती एवं मेरठ जनपद के गांव दादरी निवासी अधिवक्ता अजय आर्य की पुत्री अविका मोतला ने प्रतियोगिता में मुजफ्फरनगर जनपद का प्रतिनिधित्व किया।

प्रतियोगिता के दौरान अविका ने शुरूआत से ही अपने खेल पर मजबूत पकड़ बनाए रखी। बेहतरीन खेल कौशल, सटीक प्रहार और कठिन परिश्रम के बल पर उन्होंने फाइनल मुकाबले में प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी को पराजित कर स्वर्ण पदक हासिल किया। अविका की इस गौरवपूर्ण सफलता पर बिजनौर सांसद चंदन चौहान की पत्नी एवं समाजसेविका यशिका चौहान ने खतौली में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर यशिका चौहान ने कहा कि आज बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। खेल, शिक्षा और विज्ञान सहित हर क्षेत्र में बेटियां अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए देश का नाम रोशन कर रही हैं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सुशील गुर्जर, युवा गुर्जर महासभा मुजफ्फरनगर के अध्यक्ष शशि छोकर, महाराज सिंह, विकास आर्य, रविंदर पाल अधिवक्ता, अजय आर्य सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

होटल मालिक पर जानलेवा हमला करने वाले चार अभियुक्त कुछ ही घंटों में गिरफ्तार

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। 28/29 मई की रात खतौली थाना क्षेत्र में एनएच-58 स्थित एक होटल पर सिगरेट और पानी को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। ग्राहकों की ओर से की गई फायरिंग में होटल मालिक घायल हो गया। सूचना मिलते ही खतौली कोतवाल दिनेशचंद्र बघेल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घायल को अस्पताल भिजवाया। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कुछ ही घंटों में चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार, एनएच-58 स्थित पंचगंगा होटल पर दो गाड़ियों में सवार युवक पहुंचे थे। होटल पर सिगरेट खरीदने को लेकर होटल स्टाफ और युवकों के बीच विवाद हो गया। इसी दौरान एक युवक ने होटल मालिक नदीम पुत्र अमीर अहमद निवासी लाल मोहम्मद, थाना खतौली पर फायरिंग कर दी। गोली नदीम के पैर में लगी, जिससे वह घायल हो गया। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया और वादी की तहरीर के आधार पर थाना खतौली में मुकदमा संख्या 172/2026 धारा 109(1), 309(4), 352 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार के निर्देश पर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों का गठन किया गया।

पुलिस टीमों ने शुक्रवार को चेकिंग अभियान के दौरान चारों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान विक्रांत पुत्र दीपक छोकर निवासी राम चाचली थाना जेवर, गिरीश छोकर पुत्र पवन छोकर निवासी ग्राम चाचली थाना जेवर, उमेश कुमार पुत्र बिरजू सिंह निवासी ग्राम मोहबलीपुर थाना जेवर तथा दिनेश पुत्र राजेंद्र निवासी ग्राम दरोरा थाना जेवर, जनपद गौतमबुद्ध नगर के रूप में हुई है।

अभियुक्तों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक लाइसेंसी पिस्टल मय 10 जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस .32 बोर, लूटा गया एक मोबाइल फोन, एक थार कार संख्या यूपी 16 एफक्यू 3410, एक ब्रेजा कार संख्या 26बीएच4304बी, पांच मोबाइल फोन तथा 1 लाख 20 हजार 900 रुपये नकद बरामद किए गए हैं।

कोतवाल दिनेशचंद्र बघेल ने बताया कि अभियुक्तों की गिरफ्तारी और बरामदगी के बाद पुलिस अग्रिम विधिक कार्रवाई में जुटी हुई है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उप निरीक्षक ललित तोमर, लक्ष्यदीप, विकास कुमार, अर्जुन, अंकित और हर्ष सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

नेशनल शूटर बताया जा रहा मुख्य अभियुक्त विक्रांत

पुलिस गिरफ्त में आए आरोपियों में मुख्य अभियुक्त विक्रांत को नेशनल शूटर बताया जा रहा है। घटना में प्रयुक्त लाइसेंसी पिस्टल उसी की बताई गई है। जानकारी के अनुसार चारों आरोपी जेवर क्षेत्र से अलग-अलग गाड़ियों में निकले थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें गंतव्य तक पहुंचने से पहले ही पकड़ लिया। बताया जा रहा है कि शूटिंग खिलाड़ियों को अभ्यास और प्रतियोगिताओं के लिए हथियार लाइसेंस मिलने की प्रक्रिया अपेक्षाकृत आसान होती है।

देवर्षि नारद पत्रकारिता के आदर्श, समाजहित और लोकहित का सबसे बड़ा माध्यम है मीडिया

हापुड़ (शिखर समाचार)। रेलवे रोड स्थित रॉयल पैलेस में विश्व संवाद केंद्र के तत्वावधान में शुक्रवार को देवर्षि नारद जयंती एवं हिंदी पत्रकारिता दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पत्रकारिता के मूल्यों, समाज में उसकी भूमिका तथा देवर्षि नारद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से चर्चा हुई। मेरठ मंडल प्रभारी सुरेंद्र सिंह ने कहा कि देवर्षि नारद केवल वाक्पटु ही नहीं बल्कि सभी विषयों के गहन ज्ञाता थे। तीनों लोकों में उनका सम्मान होता था और वे अपने समय के सबसे प्रभावशाली

संवाददाता माने जाते थे। उन्होंने कहा कि फिल्मकारों ने उनकी वास्तविक छवि को धूमिल करने का प्रयास किया, जबकि वे सदैव सकारात्मक संदेश लेकर समाज के बीच पहुंचते थे। उन्होंने कहा कि हिंदी पत्रकारिता की नींव 30 मई 1826 को पंडित जुगल किशोर शुक्ल द्वारा प्रकाशित प्रथम हिंदी समाचार पत्र ह्यउदन्त मार्तण्डह्न से रखी गई थी। इसके बाद पत्रकारिता ने निरंतर प्रगति की और अनेक महान विभूतियों ने इसे राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम बनाया। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता का आदर्श देवर्षि नारद हैं। मुख्य अतिथि जीएस मेडिकल कॉलेज के डायरेक्टर मनोज सिंह सिसौदिया ने कहा कि समाचार का सत्यापन पत्रकारिता की आत्मा है। केवल विज्ञप्तियों पर आधारित खबरें अपना प्रभाव खो देती हैं। पत्रकारों को घटनास्थल पर समय देकर तथ्यों को समझना चाहिए, क्योंकि समाचारों में लोकहित, राष्ट्रहित और समाजहित निहित होता है। उन्होंने कहा कि समाज सुधार में समाचार पत्रों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

जिलाधिकारी ने किया जनपदीय शतरंज प्रतियोगिता का शुभारंभ, 235 खिलाड़ियों ने लिया भाग

04 जून से 17 जून तक जनपद में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का होगा आयोजन

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) जिला प्रशासन एवं जिला खेल विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित जनपदीय शतरंज प्रतियोगिता का शुभारंभ जिलाधिकारी ने दीप प्रज्वलित कर एवं खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। कार्यक्रम में रामग्या स्कूल, सेक्टर-50 नोएडा की प्रधानाचार्या रीना सिंह भी उपस्थित रहीं और उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि शतरंज मानसिक विकास, धैर्य, एकाग्रता और रणनीतिक सोच को विकसित करने वाला महत्वपूर्ण खेल है। उन्होंने खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

प्रतियोगिता में जनपद के विभिन्न विद्यालयों एवं संस्थानों से आए खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। जिला प्रशासन एवं जिला खेल विभाग द्वारा आगामी दिनों में अन्य खेल प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जाएगा। कबड्डी एवं बास्केटबॉल प्रतियोगिता 04 जून, जूडो प्रतियोगिता 05 जून, कुश्ती एवं नेटबॉल प्रतियोगिता 06 जून, बैडमिंटन प्रतियोगिता 07 जून तथा तैराकी प्रतियोगिता 17 जून 2026 को आयोजित की जाएगी।

शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन रामग्या स्कूल, सेक्टर-50 नोएडा में किया गया। विद्यालय प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई गईं। प्रभारी जिला क्रीड़ा अधिकारी डॉ. परवेज अली ने प्रतियोगिता से संबंधित समस्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराईं। कार्यक्रम के दौरान खेल विभाग के अधिकारी, प्रशिक्षक एवं विद्यालय का स्टाफ उपस्थित रहा। प्रतियोगिता में कुल 235 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया।

प्रतियोगिता में विहान चौधरी को यंगेस्ट बॉय चेस प्लेयर तथा आरोही बंसल को यंगेस्ट गर्ल चेस प्लेयर चुना गया।

अंडर-7 वर्ग के परिणाम

बालक वर्ग में आरव राणा (डीएवी पब्लिक स्कूल) प्रथम, अरीब गुप्ता (आरएसजे स्कूल) द्वितीय तथा अरज बजाज (रामग्या स्कूल, नोएडा एक्सटेंशन) तृतीय स्थान पर रहे।

बालिका वर्ग में नित्य डेंबला (एमिटी इंटरनेशनल स्कूल) प्रथम, आध्या बिष्ट (जेपी पब्लिक स्कूल) द्वितीय तथा अरना चौहान (द श्रीराम मिलेनियम स्कूल) तृतीय स्थान पर रहीं।

अंडर-9 वर्ग के परिणाम

बालक वर्ग में अव्यान चौधरी (एमिटी इंटरनेशनल स्कूल) प्रथम, अद्वय सिंह (बिलाबॉन्ग हाई स्कूल, नोएडा) द्वितीय तथा अश्विक तनेजा (पेसिफिक वर्ल्ड स्कूल) तृतीय स्थान पर रहे।

बालिका वर्ग में अनीशा शर्मा (एमिटी इंटरनेशनल स्कूल) प्रथम, अद्विका सिंह (डीपीएस नोएडा) द्वितीय तथा समृद्धि कुमारी (रामग्या स्कूल, नोएडा) तृतीय स्थान पर रहीं।

अंडर-11 वर्ग के परिणाम

बालक वर्ग में गर्वित जैन (रामग्या स्कूल, नोएडा) प्रथम, इवान बंसल द्वितीय तथा आरव कुमार (सेंट फ्रांसिस स्कूल) तृतीय स्थान पर रहे।

बालिका वर्ग में श्रेयोवी सिंह (डीपीएस नोएडा) प्रथम, दतिया अग्रवाल (खैतान स्कूल) द्वितीय तथा अश्विका निगम (जेनेसिस ग्लोबल स्कूल) तृतीय स्थान पर रहीं।

अंडर-15 वर्ग के परिणाम

बालक वर्ग में विवान पुरी (बाल भारती पब्लिक स्कूल) प्रथम, अविरल यादव (जेपी पब्लिक स्कूल) द्वितीय तथा अर्णव जैन (ऐल्कॉन इंटरनेशनल स्कूल) तृतीय स्थान पर रहे।

बालिका वर्ग में ताशी गोयल (जेपी पब्लिक स्कूल, ग्रेटर नोएडा) प्रथम, तविषा ददरवाल (पेसिफिक वर्ल्ड स्कूल) द्वितीय तथा निकिता महाजन (एमिटी इंटरनेशनल स्कूल) तृतीय स्थान पर रहीं।

प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ियों को प्रभारी जिला क्रीड़ा अधिकारी डॉ. परवेज अली, रामग्या स्कूल के डायरेक्टर आर. के. केसरी, खेल विभागाध्यक्ष संदीप शर्मा तथा चेस संगठन गौतमबुद्धनगर के सचिव अतुल निगम द्वारा पुरस्कृत किया गया।

शामली कोतवाली में नवनिर्मित भोजनालय कक्ष का लोकार्पण

शामली (शिखर समाचार) शुक्रवार को शामली कोतवाली परिसर में जिलाधिकारी आलोक यादव एवं पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह द्वारा नवनिर्मित भोजनालय कक्ष का लोकार्पण किया गया। इस दौरान अधिकारियों ने भोजनालय की व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

डीएम आलोक यादव एवं एसपी एनपी सिंह ने फीता काटकर भोजनालय कक्ष का उद्घाटन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि पुलिसकर्मियों को गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जाए तथा भोजनालय परिसर में साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। अधिकारियों ने कहा कि पुलिसकर्मियों के स्वास्थ्य एवं सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए।

इस अवसर पर एएसपी सुमित शुक्ला, एसडीएम अर्चना शर्मा, सीओ सिटी जितेंद्र कुमार, सीओ थानाभवन अमरदीप मौर्य, कोतवाली प्रभारी सचिन कुमार शर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

संपादकीय

दहेज की मानसिकता पर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी समाज के लिए चेतावनी

भारतीय समाज में विवाह को केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि दो परिवारों का पवित्र बंधन माना जाता है। सदियों से यह रिश्ता विश्वास, सम्मान और समानता की भावना पर आधारित रहा है, लेकिन दुर्भाग्य यह है कि आधुनिकता और शिक्षा के बढ़ते प्रभाव के बावजूद दहेज जैसी कुप्रथा आज भी समाज की आत्मा को घायल कर रही है। दहेज के कारण प्रताड़ना, आत्महत्या, घरेलू हिंसा और हत्या जैसी घटनाएं लगातार सामने आती रही हैं। ऐसे समय में सुप्रीम कोर्ट द्वारा हाल ही में की गई सख्त टिप्पणी केवल एक कानूनी प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए एक नैतिक चेतावनी है। अदालत ने जिस स्पष्टता और कठोरता के साथ कहा कि जिनसे पैसे लेते हो, उन्हें ही भिखारी कैसे कह सकते हो, वह देश की उस मानसिकता पर सीधा प्रहार है जो आज भी बहू को सम्मान नहीं, बल्कि लेन देन की वस्तु समझती है।

सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने दहेज प्रताड़ना के एक मामले की सुनवाई करते हुए आरोपी पति और उसके परिवार को राहत देने से इनकार कर दिया तथा उन्हें जेल भेजने का निर्णय सुनाया। अदालत ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि विवाह के बाद किसी लड़की और उसके परिवार का अपमान करना न केवल अमानवीय है, बल्कि कानून की नजर में गंभीर अपराध भी है। यह टिप्पणी इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि देश के विभिन्न हिस्सों से आए दिन ऐसी घटनाएं सामने आती हैं जिनमें बहुओं को मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना दी जाती है। कई मामलों में बेटियों की मौत को आत्महत्या या दुर्घटना बताकर छिपाने की कोशिश की जाती है। ऐसे दौर में सर्वोच्च न्यायालय का यह संदेश न्याय व्यवस्था की संवेदनशीलता और समाज के प्रति उसकी जिम्मेदारी को दशार्ता है।

दरअसल, दहेज की समस्या केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता की समस्या है। शिक्षित परिवारों में भी विवाह को प्रतिष्ठा का सौदा बना दिया गया है। महंगी गाड़ियां, नकदी, संपत्ति और विलासिता की वस्तुएं मांगना अब कई जगह सामान्य व्यवहार माना जाने लगा है। दुखद बात यह है कि इसे अक्सर सामाजिक परंपरा या सम्मान का नाम देकर सही ठहराने का प्रयास किया जाता है। यही कारण है कि दहेज निषेध कानून लागू होने के बावजूद यह कुप्रथा समाप्त नहीं हो सकी। कानून भय पैदा कर सकता है, लेकिन सामाजिक परिवर्तन केवल जागरूकता और नैतिक सोच से ही संभव है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी ऐसे समय आई है जब देश में महिलाओं के सम्मान और अधिकारों को लेकर व्यापक चर्चा चल रही है। हाल के वर्षों में महिला सुरक्षा, समान अधिकार और घरेलू हिंसा जैसे मुद्दों पर लगातार बहस हुई है। सरकारें बेटियों की शिक्षा और सशक्तिकरण के लिए योजनाएं चला रही हैं, लेकिन जब विवाह के बाद वही बेटी प्रताड़ना का शिकार बनती है तो यह पूरे समाज की विफलता को उजागर करता है। एक ओर हम महिला नेतृत्व और महिला सशक्तिकरण की बात करते हैं, दूसरी ओर दहेज के नाम पर बेटियों का अपमान करते हैं। यह दोहरा चरित्र अब बदलना ही होगा। आज आवश्यकता केवल कानून सख्त करने की नहीं, बल्कि सामाजिक सोच बदलने की है। परिवारों को यह समझना होगा कि विवाह कोई व्यापार नहीं है। बेटे की शिक्षा, नौकरी या सामाजिक स्थिति को धन कमाने का माध्यम बनाना नैतिक अपराध है। सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि कई बार महिलाएं भी इस मानसिकता को आगे बढ़ाने में सहभागी बन जाती हैं। सास द्वारा बहू पर दहेज का दबाव बनाना या परिवार की महिलाओं द्वारा प्रताड़ना को सामान्य मान लेना इस समस्या को और गहरा करता है।

~ मौलिक चिंतन ~

जब आपको प्यार करने वालों की संख्या बढ़ती है, तो नफरत करने वाले भी उसी अनुपात में बढ़ जाते हैं।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

© विनय संकोची

नई शिक्षा नीति और एक छात्रा का सवाल: क्या एक परीक्षा तीन वर्षों की मेहनत से बड़ी हो गई है?

मैं मुंबई विश्वविद्यालय की छात्रा रही हूँ। स्नातक में मेरा प्रदर्शन लगातार उत्कृष्ट रहा। मेरी CGPA 9+ थी और मैं अपने कॉलेज की टॉपर छात्राओं में शामिल थी। अंग्रेजी साहित्य मेरा मेजर विषय था तथा इतिहास मेरा माइनर। स्नातक के दौरान मुझे हमेशा यह विश्वास दिलाया गया कि मेहनत, निरंतरता और अकादमिक गुणवत्ता ही उच्च शिक्षा का आधार होती हैं।

लेकिन वर्ष 2026 में दिल्ली आने के बाद मुझे एहसास हुआ कि देश की राजधानी में मेरी तीन वर्षों की मेहनत का महत्व लगभग समाप्त हो चुका है।

दिल्ली विश्वविद्यालय में MA पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आज लगभग पूरा भविष्य एक परीक्षा CUET PG पर निर्भर है। यदि आपने समय रहते सही विषय नहीं चुना, या किसी कारणवश परीक्षा में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए, तो आपके पिछले शैक्षणिक रिकॉर्ड का मूल्य नगण्य रह जाता है।

मेरे साथ भी यही हुआ। जब मैंने CUET PG का फॉर्म भरा, तब मुझे नहीं पता था कि उसी वर्ष परिवार का स्थानांतरण मुंबई से दिल्ली हो जाएगा। मैंने अंग्रेजी विषय से परीक्षा दी, क्योंकि उसी विषय में स्नातक कर रही थी। उस समय यह कल्पना भी नहीं थी कि आगे चलकर इतिहास में MA करना चाहूँगी।

पर जीवन हमेशा योजनानुसार नहीं चलता। दिल्ली आने के बाद मेरी रुचि इतिहास में उच्च अध्ययन करने की बनी। तब मुझे बताया गया कि चूँकि मैंने CUET PG में इतिहास विषय नहीं चुना था, इसलिए दिल्ली विश्वविद्यालय में इतिहास में MA प्रवेश लगभग असंभव है भले ही इतिहास मेरे स्नातक का माइनर विषय रहा हो और उसमें मेरा प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा हो।

यहाँ सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या एक दिन की वस्तुनिष्ठ परीक्षा किसी छात्र के तीन वर्षों के अकादमिक प्रदर्शन से अधिक महत्वपूर्ण होनी चाहिए?

विशेष रूप से मानविकी विषयों में, जहाँ अध्ययन केवल तथ्यों का नहीं बल्कि व्याख्या, विश्लेषण और शोधपरक सोच का होता है, वहाँ चार विकल्पों वाले Objective प्रश्न किसी विद्यार्थी की वास्तविक क्षमता को पूरी तरह कैसे माप सकते हैं?

नई शिक्षा नीति 2020 को लचीलापन (flexibility) और बहुविषयक शिक्षा (multidisciplinary learning) के नाम पर प्रस्तुत किया गया था। लेकिन व्यवहार में कई छात्रों के लिए यह व्यवस्था उल्टा अधिक कठोर और केंद्रीकृत होती दिखाई दे रही है।

विशेषकर उन विद्यार्थियों के लिए, जिनके माता पिता स्थानांतरण वाली नौकरियों में हैं, यह व्यवस्था कई बार अन्यायपूर्ण साबित होती है। भारत जैसे विशाल देश में अचानक शहर बदलना कोई असामान्य घटना नहीं है। लेकिन वर्तमान प्रवेश प्रणाली यह मानकर चलती है कि हर छात्र भविष्य की हर परिस्थिति पहले से जानता होगा। दिल्ली विश्वविद्यालय के कई शिक्षक और विभागीय लोग निजी बातचीत में यह स्वीकार करते हैं कि केवल एक परीक्षा के आधार पर छात्रों को सीमित कर देना उचित नहीं है। परन्तु वे स्वयं भी नियमों से बँधे हैं।

इसके विपरीत, मुंबई विश्वविद्यालय के कई कॉलेज अब भी स्नातक के शैक्षणिक रिकॉर्ड, विषयगत योग्यता और छात्र की अकादमिक निरंतरता को महत्व देते हैं। वहाँ प्रवेश प्रक्रिया अधिक संवादात्मक और लचीली प्रतीत होती है।

यह भी विचारणीय है कि आज जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) तेजी से बढ़ रही है और पारंपरिक डिग्रियों का महत्व बदल रहा है, तब शिक्षा के अवसरों को सीमित करने के बजाय उन्हें और अधिक खुला बनाया जाना चाहिए। विश्वविद्यालयों का उद्देश्य केवल छँटनी करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को सीखने का अवसर देना भी होना चाहिए।

मैं यह नहीं कह रही कि प्रवेश परीक्षाएँ पूरी तरह समाप्त कर दी जाएँ। लेकिन क्या किसी छात्र के तीन वर्षों के सतत अकादमिक प्रदर्शन, शोध क्षमता और विषयगत समझ को भी समान महत्व नहीं मिलना चाहिए?

आज स्थिति यह है कि यदि कोई छात्र एक वर्ष की परीक्षा चूक जाए, गलत विषय चुन ले, या किसी कारणवश उस दिन अच्छा प्रदर्शन न कर पाए, तो उसके लिए देश के प्रमुख विश्वविद्यालयों के दरवाजे लगभग बंद हो जाते हैं।

क्या यही नई शिक्षा नीति की वास्तविक भावना थी? शिक्षा व्यवस्था का उद्देश्य छात्रों को अवसर देना होना चाहिए, न कि उन्हें प्रक्रियागत जटिलताओं में उलझाकर निराश करना।

मैं नौकरी नहीं माँग रही। मैं केवल पढ़ने का अवसर माँग रही हूँ।

और यह प्रश्न केवल मेरा नहीं है। यह उन हजारों छात्रों का प्रश्न है जो स्थानांतरण, अनिश्चितताओं और केंद्रीकृत प्रवेश प्रणालियों के बीच अपनी शिक्षा बचाने की कोशिश कर रहे हैं।

शायद समय आ गया है कि हम यह पुनर्विचार करें कि क्या एक परीक्षा वास्तव में तीन वर्षों की मेहनत से बड़ी हो सकती है।

— अनन्या तिवारी
मुंबई विश्वविद्यालय की स्नातक छात्रा

कलम की चेतना से डिजिटल युग तक हिन्दी पत्रकारिता की गौरव गाथा

विनोद कुमार सिंह

राष्ट्र निर्माण,जनजागरण और लोकतंत्र की आत्मा बनी हिन्दी पत्रकारिता की ऐतिहासिक यात्रा...

'खींचो न कमानों को, न तलवार निकालो,जब तोप मुकाबिल हो तो अखबार निकालो।' अकबर इलाहाबादी की यह प्रसिद्ध पंक्ति केवल साहित्यिक अभिव्यक्ति नहीं,बल्कि भारतीय पत्रकारिता की आत्मा है। हिन्दी पत्रकारिता दिवस उस चेतना,संघर्ष और वैचारिक शक्ति का प्रतीक है जिसने भारत के जनमानस को जागृत किया, स्वतंत्रता आंदोलन को जनांदोलन बनाया और लोकतंत्र को मजबूत आधार प्रदान किया।भारत की आत्मा उसकी भाषाओं में बसती है और उन भाषाओं की चेतना को जन-जन तक पहुंचाने का सबसे प्रभावशाली माध्यम पत्रकारिता रही है।हिन्दी पत्रकारिता केवल समाचारों का संसार नहीं, बल्कि यह भारत की सामाजिक चेतना, सांस्कृतिक अस्मिता,राष्ट्रीय स्वाभिमान और लोकतांत्रिक मूल्यों की जीवंत धारा है।हिन्दी पत्रकारिता दिवस केवल एक तिथि नहीं,बल्कि उस ऐतिहासिक यात्रा का स्मरण है जिसमें कलम ने सत्ता से प्रश्न पूछे,समाज को दिशा दी और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।30 मई 1826 का वह ऐतिहासिक दिन भारतीय पत्रकारिता के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित है,जब पंडित युगल किशोर शुक्ल ने कोलकाता से हिन्दी के प्रथम समाचार पत्र 'उदन्त मार्तण्ड' का प्रकाशन प्रारंभ किया। उस समय अंग्रेजी शासन का दौर था।संसाधनों का अभाव, आर्थिक कठिनाइयां और हिन्दी भाषियों तक समाचार पहुंचाने की सीमित व्यवस्था जैसी अनेक बाधाएं थीं,लेकिन राष्ट्रभाषा के प्रति समर्पण इतना प्रबल था कि विपरीत परिस्थितियों में भी हिन्दी पत्रकारिता का दीप प्रज्वलित हुआ। यही दीप आगे चलकर जनचेतना की मशाल बन गया।

हिन्दी पत्रकारिता की प्रारंभिक यात्रा संघर्षों से भरी रही।आर्थिक संकट,सरकारी उपेक्षा और तकनीकी अभाव के बावजूद हिन्दी समाचार पत्रों ने समाज को नई दिशा देने का कार्य किया। 'बनारस अखबार','हिन्दी प्रदीप','कवि वचन सुधा', 'भारत मित्र', 'सरस्वती' और 'प्रताप' जैसे पत्रों ने राष्ट्रीय चेतना को जागृत किया। उस समय पत्रकारिता व्यवसाय नहीं,बल्कि राष्ट्र सेवा का माध्यम थी।पत्रकार अपनी लेखनी के माध्यम से अंग्रेजी शासन के विरुद्ध आवाज उठाते थे और समाज में शिक्षा, स्वाभिमान तथा स्वतंत्रता की भावना का संचार करते थे। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही।लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक,गणेश शंकर विद्यार्थी,बाबूराव विष्णु पराड़कर, माखनलाल चतुर्वेदी और महात्मा गांधी जैसे महान पत्रकारों एवं विचारकों ने अपनी लेखनी को राष्ट्रहित के लिए समर्पित कर दिया। गणेश शंकर विद्यार्थी का 'प्रताप' केवल समाचार पत्र नहीं था,बल्कि अन्याय के विरुद्ध संघर्ष की आवाज था।बाबूराव विष्णु पराड़कर ने हिन्दी पत्रकारिता को वैचारिक गंभीरता और सामाजिक उत्तरदायित्व प्रदान किया।महात्मा गाँधी ने पत्रकारिता को जनसेवा का माध्यम माना और सत्य,नैतिकता तथा जनहित को पत्रकारिता का मूल आधार बनाया।उस दौर की पत्रकारिता मिशन की पत्रकारिता थी।पत्रकार सत्ता के गलियारों में नहीं,बल्कि जनता के बीच खड़े दिखाई देते थे।लेखनी जेल गई,अखबार बंद हुए,मुकदमे चले, लेकिन कलम झुकी नहीं।

'सत्य लिखना यदि अपराध है,
तो यह अपराध बार-बार होगा।'

यह भावना उस समय की पत्रकारिता की पहचान थी।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हिन्दी पत्रकारिता ने राष्ट्र निर्माण में नई भूमिका निभाई।गाँव,गरीब, किसान,मजदूर,श्रमिक और आम नागरिक की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया।रेडियो, दूरदर्शन और बाद में उपग्रह चैनलों के आगमन ने पत्रकारिता के स्वरूप को व्यापक बनाया।हिन्दी समाचार पत्रों का प्रसार गांवों तक पहुंचा और हिन्दी भाषा देश की सबसे प्रभावशाली मीडिया भाषा बनकर उभरी।हिन्दी पत्रकारिता की सबसे बड़ी शक्ति उसकी भाषा और जनसरोकार रहे हैं।हिन्दी ने उन लोगों की आवाज को शब्द दिए, जिनकी पीड़ा अक्सर सत्ता के गलियारों तक नहीं पहुंच पाती थी। यही कारण है कि हिन्दी पत्रकारिता जनमानस से जुड़ी पत्रकारिता बनी।

समय के साथ पत्रकारिता का स्वरूप तेजी से बदला। प्रिंट मीडिया से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और अब डिजिटल मीडिया के युग में सूचना की गति अभूतपूर्व हो गई है।आज मोबाइल पत्रकारिता, डिजिटल न्यूज पोर्टल,सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म,पॉडकास्ट, यूट्यूब चैनल और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीकों ने समाचारों की दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। अब समाचार केवल अखबार के पन्नों तक सीमित नहीं,बल्कि कुछ सेकेंड में देश-दुनिया तक पहुंच जाते हैं।करोड़ों लोग मोबाइल स्क्रीन पर हिन्दी समाचार पढ़ते, सुनते और देखते हैं।आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल लोकतंत्र बन रहा है और हिन्दी दुनिया की तेजी से बढ़ती भाषाओं में शामिल है।छोटे शहरों और गाँवों से निकल रहे युवा डिजिटल पत्रकारिता में नई पहचान बना रहे हैं। इंटरनेट और तकनीक ने पत्रकारिता को महानगरों की सीमाओं से बाहर निकालकर गांवों तक पहुँचा दिया है।डिजिटल क्रांति के इस दौर में पत्रकारिता के सामने गंभीर चुनौतियां भी खड़ी हुई हैं।

आज पत्रकारिता का सबसे बड़ा संकट 'विश्वसनीयता' का है।फेक न्यूज,आधी-अधूरी सूचनाएं, टीआरपी की अंधी दौड़,सनसनी खेज प्रस्तुति और एजेंडा आधारित खबरों ने पत्रकारिता की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न खड़े किए हैं।कभी मिशन मानी जाने वाली पत्रकारिता का एक बड़ा हिस्सा आज बाजारवाद और कॉरपोरेट दबावों के बीच संघर्ष करता दिखाई देता है।'पहले खबरों में तथ्य होते थे,अब तथ्यों में खबर खोजी जाती है।'यह कटु सत्य वर्तमान मीडिया परिवेश की गंभीर तस्वीर प्रस्तुत करता है।डिजिटल युग में सबसे बड़ी चुनौती यह भी है कि तेजी की प्रतिस्पर्धा में सत्य पीछे छूटता जा रहा है।'सबसे पहलेझ दिखाने की होड़ में 'सबसे सही' दिखाने का दायित्व कमजोर पड़ रहा है। सोशल मीडिया ने हर व्यक्ति को अभिव्यक्ति का मंच तो दिया है, लेकिन बिना पुष्टि की सूचनाओं ने समाज में भ्रम और अविश्वास का वातावरण भी पैदा किया है। पत्रकारिता यदि केवल शोर बनकर रह जाएगी,तो समाज का विश्वास टूटेगा।लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका प्रहरी की होती है,प्रचारक की नहीं।पत्रकारिता का उद्देश्य केवल सूचना देना नहीं,बल्कि समाज को सही दिशा देना भी है।

इन चुनौतियों के बावजूद हिन्दी पत्रकारिता का भविष्य अत्यंत उज्ज्वल दिखाई देता है। भविष्य मे आने वाला समय 'भाषाई पत्रकारिता' का होगा। भारत की आत्मा भारतीय भाषाओं में बसती है और हिन्दी पत्रकारिता उसी आत्मा की सबसे बड़ी अभिव्यक्ति है।कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अक),डेटा पत्रकारिता और तकनीकी नवाचार समाचारों की प्रस्तुति को बदलेंगे, लेकिन पत्रकारिता की वास्तविक आत्मा वही रहेगी।पत्रकारिता का भविष्य तकनीक से नहीं,उसकी नीयत से तय होगा। मशीनें खबर लिख सकती हैं, लेकिन समाज की पीड़ा को महसूस करने का सामर्थ्य केवल संवेदन शील पत्रकार के पास होता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि पत्रकारिता पुनः अपने मूल आदर्शों-सत्य,निष्पक्षता,जनहित और सामाजिक उत्तरदायित्व - को याद करे।' कलम बिकनी नहीं चाहिए,सत्य झुकना नहीं चाहिए।' निष्पक्ष पत्रकारिता ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी सुरक्षा है।' हिन्दी पत्रकारिता की लगभग दो शताब्दियों की यह यात्रा केवल इतिहास नहीं,बल्कि भारत की सामाजिक चेतना का जीवंत दस्तावेज है।यह यात्रा संघर्ष की भी है,साहस की भी है और जनविश्वास की भी है।आज आवश्यकता ऐसे पत्रकारों की है जो सत्ता से प्रश्न पूछने का साहस रखें,समाज की आवाज बनें और राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानें।लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति संसद से पहले समाज की जागरूक चेतना में बसती है और उस चेतना को जगाने का कार्य पत्रकारिता ही करती है।हिन्दी पत्रकारिता दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि कलम की ताकत किसी भी सत्ता से बड़ी होती है।यही वह शक्ति है जिसने स्वतंत्रता आंदोलन को जनांदोलन बनाया,लोकतंत्र को मजबूत किया और समाज के अंतिम व्यक्ति की आवाज को मंच प्रदान किया।

आज हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर उन सभी पत्रकारों,संपादकों, लेखकों, फोटोग्राफरों, कैमरामैनों और समाचार कर्मियों को विनम्र नमन,जिन्होंने अपनी लेखनी और कर्म से समाज को जागृत किया, लोकतंत्र को सशक्त बनाया और राष्ट्र की चेतना को जीवित रखा। 'स्याही से लिखी गई सच्चाई, इतिहास बदलने की ताकत रखती है।'हिन्दी पत्रकारिता केवल भाषा की पत्रकारिता नहीं, बल्कि भारत की आत्मा की अभिव्यक्ति है।

(नोट - लेखक स्वतंत्र पत्रकार ,स्तम्भकार व मान्यता प्राप्त पत्रकार कल्याण समिति के उपाध्यक्ष है।)

दिल्ली जनजातीय सम्मेलन- अस्मिता, अधिकार का आधुनिक उलगुलान

डॉ. प्रवीण दाताराम गुगनानी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संवैचारिक, वनवासी कल्याण आश्रम द्वारा कई दशकों से उठाए जा रहे मुद्दे अब राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में हैं। सम्मेलन की गठी हुई भाषा और प्रखर स्वर ने यह साफ कर दिया कि जनजातीय समाज अब मूक दर्शक नहीं, बल्कि अपने भाग्य का विधाता स्वयं बनने को आतुर है।

भील और भारिया की दो कहावतें हैं - भील कहते हैं, 'होने नी रेत, ने खोने नो डर' और भारिया कहते हैं 'डोकरी मरिगे त कए घलो, बाकी राकस घर नई देखे।' इन दो जनजातीय कहावतों में लालकिले से जनजातीय संदेश का सार छिपा है। भील कहावत का अर्थ है - 'जिसके पास सोने की रेत नहीं, उसे खोने का डर क्या?' जनजातीय समाज के लिए अब ये एक भुला-बिसरा चिंतन है। अब केवल भील नहीं अपितु देश के प्रत्येक जनजातीय, वनवासी, गिरिवासी समाज को पता है कि उसके पास खोने को एक स्वर्ण खदान से भी अधिक समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा है। इस जनजातीय सांस्कृतिक संपदा, उनकी वन संपदा, उनकी श्रम संपदा का अनैतिक दोहन बहुत हुआ! और भारिया कहावत का अर्थ है - 'बुढ़िया मर गई तो कोई बात नहीं, लेकिन राक्षस को घर का रास्ता नहीं देखना चाहिए'। जनजातीय समाज ने संसद के समक्ष सीना ठोककर कहा - 'हमारे समाज को तोड़ने के लिए विदेशी शक्तियों, ईसाईयत, इस्लाम और वामपंथी विचारकों रूपी 'राक्षस' ने जो लाल जाल बुना है, उसे अब हमने पहचान लिया गया है। अब हम उसे अपने घर की रह नहीं दिखायेंगे।

लालकिले से यह जनजातीय उद्घोष है - 'अब दोहन, शोषण और नहीं, अब मतांतरण और नहीं, अब सनातन की आलोचना सहन नहीं, अब हमारी भाषा, नृत्य, संगीत, पूजा पद्धति, का विरूपण सहन नहीं'।

रविवार को दिल्ली के लालकिले पर संपन्न विशाल जनजातीय सम्मेलन केवल पारंपरिक वेशभूषा, मांदल, खजरी आदि की थाप पर नृत्य और सांस्कृतिक वैभव का प्रदर्शन मात्र नहीं था, बल्कि यह भारत के मूल समाज द्वारा अपनी पहचान, संस्कृति और अधिकारों की शंखध्वनि थी। यह सम्मेलन ऐसे समय में हुआ है सुदूर वनांचलों में रहने वाला हमारा जनजातीय समाज अपनी जल, जंगल और जमीन के साथ-साथ अपनी सनातन संस्कृति को बचाने के लिए चतुर्दिक संघर्ष कर रहा है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संवैचारिक, वनवासी कल्याण आश्रम द्वारा कई दशकों से उठाए जा रहे मुद्दे अब राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में हैं। सम्मेलन की गठी हुई भाषा और प्रखर स्वर ने यह साफ कर दिया कि जनजातीय समाज अब मूक दर्शक नहीं, बल्कि अपने भाग्य का विधाता स्वयं बनने को आतुर है।

लालकिले से वनवासी समाज ने प्रखरता, प्रचण्डता, प्रगल्भता और प्रबलता से 'डीलिस्टिंग' की अपनी पुरानी माँग का पुनरुद्घोष किया। आरएसएस सदा-सदा से यह कहता रहा है कि स्वधर्म छोड़कर ईसाइयत और इस्लाम को स्वीकारने वाले लोगों को अनुसूचित जाति, जनजाति से बाहर किया जाना चाहिए।

ईसाई मिशनरियों ने व्यापक स्तर पर भोले-भाले जनजातीय समाज को बहला-फुसलाकर, आर्थिक लालच देकर, दबावपूर्वक; जैसे भी हो वैसे भी मतांतरण कराया है। देश में सतत चल रहे इस षड्यंत्रपूर्ण मतांतरण से झारखंड, छत्तीसगढ़ पूर्वोत्तर राज्य में ऐसे अनगिनत उदाहरण हो गए हैं जहां धर्मांतरित लोग दोहरे लाभ उठा रहे हैं। वे एक ओर अल्पसंख्यक होने के नाते सरकारी योजनाओं और विदेशों से आने वाले भारी-भरकम फंड (FCRA) का लाभ लेते हैं, वहीं दूसरी ओर जनजातीय कोटे से आईएएस, आईपीएस और अन्य ऊंचे पदों पर आसीन होकर विदेशी एजेंडे को लागू करते रहते हैं।

यह कटु सत्य है कि अपनी मूल संस्कृति में रमे ठेठ वनवासी आज भी सुविधाओं से वंचित हैं। सम्मेलन में सीधे शब्दों में चेतावनी दी गई कि 'जो अपनी संस्कृति और पुरखों के देवी-देवताओं को छोड़ चुका है, वह जनजातीय कहलाने का हकदार नहीं हो सकता।'

कुछ वर्षों से देश में कई प्रायोजित टूलकिट गिरोह सक्रिय हैं, जो जनजातीय समाज को बहका रही है कि ₹तुम हिंदू नहीं हो, इसलिए जनगणना के फॉर्म में खुद को हिंदू मत लिखाना।₹ लालकिले से जनजातीय समाज ने इस नैरेटिव का प्रखरता से खंडन किया है। यह षड्यंत्र मूलतः भारत की जड़ों को कमजोर करने का है। जनजातीय समाज प्रकृति पूजक है, और सनातन की आत्मा भी प्रकृति पूजा ही है। हम तुलसी, पीपल, सूर्य, नदी और गोवर्धन की पूजा करते हैं; और हमारे वनवासी भाई 'बूढ़ादेव', 'बड़ादेव' और जंगलों की पूजा करते हैं। शब्दों का अन्तर है, भाव हमारे एक हैं। भगवान राम के वनवास काल में निषादराज, शबरी और वानर-भालू (जो वनों के निवासी थे) उनके सहचर बने। भगवान शिव स्वयं 'किरात' (वनवासी) रूप धारण करते हैं। ऐसे में जनजातीय समाज को सनातन से अलग दिखाना एक गहरा जियोपालिटिकल षड्यंत्र है। यह भारत के भीतर 'सांस्कृतिक विभाजन' की नींव रखने का प्रयास है।

दिल्ली के इस मंच से वक्ताओं ने झारखंड के संथाल परगना और छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए 'लव जिहाद' और 'लैंड जिहाद' के अत्यंत विषैले व घातक पैटर्न को उजागर किया।

असम और झारखंड के सीमावर्ती क्षेत्रों में बांग्लादेशी घुसपैठियों और एक विशेष समुदाय के लोगों द्वारा जनजातीय महिलाओं को बहला-फुसलाकर या जबरन निकाह करने के मामले तेजी से बढ़े हैं। यह प्रवृत्ति मप्र जैसे राज्यों में भी बड़ी तेजी से बढ़ी है।

चूंकि कानूनन कोई गैर-जनजातीय व्यक्ति जनजातीय की भूमि क्रय नहीं कर सकता, इसलिए इस कानून को धता बताने के लिए जनजातीय लड़कियों को मोहरा बनाया जाता है। निकाह के बाद जमीन उस महिला के नाम पर हस्तांतरित करा दी जाती है और परोक्ष रूप से उस भूमि पर नियंत्रण उस समुदाय का हो जाता है।

झारखंड की रुबिका पहाड़िन या अंकिता सिंह जैसी बेटियों के उदाहरण अभी ताजा हैं। यह केवल एक सामाजिक अपराध नहीं है, बल्कि एक सोची-समझी रणनीतिक जनसांख्यिकीय लड़ाई है जो आने वाले समय में देश की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन सकती है।

वनवासी कल्याण आश्रम की प्रेरणा से ही मप्र में 'पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम' यानी पेसा कानून (PESA Act, 1996) का कार्य भली भाँति कार्य कर रहा है। पेसा कानून जनजातीय समाज को जल, जंगल और जमीन पर संप्रभुता का अधिकार देता है। लेकिन दुखद यह है कि कई राज्यों में नियम न बनने के कारण या राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी के कारण यह कानून केवल कागजों तक सीमित रहा। सम्मेलन में मांग की गई कि वन खनिजों की नीलामी, उद्योगों के लिए भूमि अधिग्रहण और स्थानीय विवादों के निपटारे में ग्राम सभा की अनुमति को अनिवार्य और सर्वोपरि बनाया जाए। इसके साथ ही, सरकारी नौकरियों और शिक्षा में मिल रहे आरक्षण का लाभ सुदूर अंचलों में बैठे अंतिम व्यक्ति तक कैसे पहुंचे, इसके लिए नीतियों के सरलीकरण पर जोर दिया गया।

दिल्ली में हुआ यह जनजातीय सम्मेलन केवल माँग, शिकायत और आवेदनों का प्रकटीकरण नहीं था, बल्कि यह आत्मनिर्भरता और स्वाभिमान का घोषणापत्र था। भगवान बिरसा मुंडा, टंट्या भील, रानी दुर्गावती और जतरा भगत जैसी महान विभूतियों की विरासत को याद करते हुए इस बात पर संकल्प लिया गया कि अब जनजातीय समाज अपनी पहचान के साथ कोई समझौता नहीं करेगा।

अब समय आ गया है कि सरकारें, न्यायपालिका और नागरिक समाज इन चिंताओं को गंभीरता से लें। डीलिस्टिंग की मांग को ठंडे बस्ते में नहीं डाला जा सकता, और न ही लव जिहाद या मिशनरी षड्यंत्रों को 'धर्मनिरपेक्षता' के चश्मे से देखकर नजरअंदाज किया जा सकता है। अपनी जड़ों की ओर लौटता और सजग होता यह वनवासी समाज आज देश की मुख्यधारा को दिशा दिखाने की स्थिति में है। यदि आज हम उनके जल, जंगल, जमीन और सबसे बढ़कर उनकी 'अस्मिता' की रक्षा करने में विफल रहे, तो इतिहास हमें कभी माफ नहीं करेगा। यह सम्मेलन आधुनिक भारत में एक नए 'उलगुलान' (क्रांति) का शंखनाद है, जिसकी गूंज नीति-नियंताओं को लंबे समय तक सुननी होगी।

पशुपालन के बिना संभव नहीं टिकाऊ खेती

कृषि कार्य से धन अर्जन प्राचीन समय से किया जा रहा है प्राचीन सभ्यताएं स्वावलम्बी कृषि पर ही निर्भर रहीं। जब भी कृषि में स्वावलंबन समाप्त हुआ सभ्यताएं गिर गई। स्वावलम्बी कृषक बाहर के आदानों का मूल्य नहीं चुकाता है, वह उन्हें स्वयं उत्पादित करता है। स्वावलम्बन का अर्थ है पर्याप्त उत्पादन करना, पैसा कमाना तथा विपत्ति के दिनों के लिये बचाकर रखना है। भारत के किसान अपने परम्परागत ज्ञान को परिमार्जित करते हुए कृषि कार्य द्वारा मिट्टी से सोना बनाने का कार्य करता रहे, परन्तु आज पाश्चात्य् कृषि शिक्षा का प्रभाव, हरित क्रांति की चकाचौंध, कृषि के मशीनीकरण, रसायनिक खाद एवं कीटनाशकों के तात्कालिक लाभों को देखकर भारतीय किसान कृषि के स्वावलम्बन से दूर होकर रसायनिक खेती अपनाने लगा।

किसान अधिक उपज लेने के लिये आवश्यकता से अधिक उर्वरक एवं रसायनिक दवाओं का प्रयोग करने लगा जिससे उत्पादन में बढ़ोत्तरी अवश्य होती है परन्तु साथ ही साथ प्रति हेक्टेयर खर्चा भी बढता जा रहा है। इससे न केवल किसानों की आय में कमी देखी जा रही है बल्कि पर्यावरण पर भी विपरीत असर होता दिखाई दे रहा है। पिछले चार दशकों में कृषि रसायनों (खाद, कीटनाशक, नींदानाशक, और बढ़वार कारकों) और पानी के अविवेकीय अन्धाधुन्ध उपयोग ने मृदा उर्वरता, कृषि उत्पादकता के कारकों, उत्पाद गुणवत्ता एवं पर्यावरण पर विपरीत प्रभाव डाला है। रसायनिक खेती या गहन कृषि पद्धति की ओर प्रेरित किया है क्योंकि विश्व की जनसंख्या दिन पर दिन बढ़ती जा रही है और खाद्यान्न की आवश्यकता में भी वृद्धि होती जा रही है। रसायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के प्रयोग से कृषि योग्य भूमि में निम्ननिखित परिणाम देखने को मिले हैं।

- भूमि की सतह का सख्त होना।
- लाभप्रद जीवाणुओं की संख्या में कमी।
- भूमि की जलधारण क्षमता में कमी।
- मृदा की क्षारीयता, लवणता तथा जलागम में वृद्धि।
- भूमि में जीवाश्म की मात्रा में कमी।
- फसलों में कीट, व्याधियों व खरपतवारों की समस्या में वृद्धि ।
- भूमि की उत्पादकता में निरन्तर कमी।

उपरोक्त कारणों की वजह से आज कृषक को खेती घाटे का सौदा बनती जा रही है। आज हमारे विश्व की जनसंख्या लगभग 6 अरब है व सन् 2050 तक इसका 9 अरब होने का अनुमान है। लेकिन हमारी कृषि उत्पादकता बढ़ने की बजाय स्थिर हो गई है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए कृषि वैज्ञानिक आधारित या टिकाऊ खेती करने पर जोर दे रहे हैं।

टिकाऊ खेती से तात्पर्य फसल एवं पशुपालन उत्पादन के एकीकरण तंत्र से है। जो लम्बे समय तक निम्न बातें पूर्ण कर सके।

- मनुष्य के भोजन की पूर्ति कर सके।
- वातावरण की गुणवत्ता एवं प्राकृतिक संसाधनों को बचायें।
- उन सभी संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग हो जिनका पुर्नउत्पादन नहीं हो सकता है।
- भूमि की आर्थिक उपयोगिता को बनाये रखें।
- कृषक व समाज के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाएं।

इस प्रकार से टिकाऊ खेती में वह सभी बातें समाहित हैं जिससे वातावारण सुधरे, आर्थिक लाभ हो एवं समाज में समानता आए। यहां पशुपालन की टिकाऊ खेती में बराबर की हिस्सेदारी है क्योंकि पशुओं की कृषि में आर्थिक उपयोगिता है, व साथ ही ये चराहाग एवं फसलों के अवशेषों आदि को मनुष्य को खाने योग्य बनाने में मदद करते हैं। टिकाऊ खेती का सबसे उत्तम उपाय है जैविक खेती। जैविक खेती से तात्पर्य है कि खेती में रसायनिक खाद, कीटनाशक व जैविक वृद्धिकारकों का उपयोग करके उत्पादन लिया जाय। जैविक खाद बनाने के लिये पशुओं की आवश्यकता पड़ेगी। क्योंकि पशुओं से ही गोबर, मलमूत्र इत्यादि प्राप्त होंगे।

इसके अतिरिक्त मुर्गी खाद भी भूमि की उर्वराशक्ति को बढ़ाने में काफी मदद करती है, क्योंकि मुर्गी खाद में लगभग 20 प्रतिशत प्रोटीन पाई जाती है। जिससे इस खाद में नाइट्रोजन की मात्रा अधिकतम लगभग 3 प्रतिशत व फास्फोरस एवं पोटाश क्रमश: 2-2 प्रतिशत होती है। वहीं सुअर के मल में नत्रजन, फास्फोरस एवं पोटाश क्रमश: 0.7, 0.6 एवं 0.7 प्रतिशत पाए जाते हैं।

इसके अतिरिक्त जैविक खेती में विभिन्न खादों जैसे गोबर व फसल अवशेष के मिश्रण से खाद (नाडेप या कम्पोष्ट खाद), गोबर गैस संयंत्र से उपलब्ध खाद एवं वर्मी कम्पोस्ट आदि का उपयोग होता है। वर्मी कम्पोस्ट केंचुए की मदद से बनने वाला खाद है। एक क्विंटल ताजा वर्मी कम्पोस्ट से भूमि को 800 ग्राम पोटेशियम प्राप्त होता है। इसके अतिरिक्त इसमें सूक्ष्म पोषक तत्व जैसे कि जस्ता 0.16: तांबा 0.09 और लोहा 1.38 अनुपात होते हैं।

इसमें कुछ पादप हार्मोन्स और एन्टीबायोटिक्स भी होते हैं जो कि फसल की अच्छी पैदावार एवं पौध संरक्षण को बढ़ावा देते हैं। वर्मी कम्पोस्ट की अम्लीयता क्षारीयता 6.8 से 7.2 के बीच होती है। इसमें मृदा का तापमान संतुलित रहता है व मिट्टी में पानी सोखने की प्रवृति बढती हैं। इसके अतिरिक्त मुख्य उपयोग पशु का ये है कि वह जमीन जो कि अत्यंत अनउपजाऊ एवं बंजर होती है उसको भी उपजाऊ बनाने में मदद करते हैं।

उपरोक्त के अलावा टिकाऊ खेती में प्राकृतिक संसाधनों का भी प्रभावी ढंग से उपयोग करना है। इसके लिये हम पशु ऊर्जा का उपयोग मशीनी ऊर्जा के स्थान पर कर सकते हैं। पशु ऊर्जा का उपयोग क्यों करना चाहिए यह निम्न बातों से स्पष्ट होता है-

- पशुओं का उपयोग किसान की कार्यक्षमता को बढ़ाता है। यह फसलों के विविधीकरण कृषि क्षेत्र को बढाने एवं समय पर कृषि कार्यों को सम्पन्न करने में सहायक है।
- मशीनों पर आधारित उत्पादन तन्त्र कुछ ही फसलों तक सीमित रह जाता है और इस तरह विविधता को तहस-नहस कर देता है।
- पशु चलित यन्त्र सस्ते, सुलभ और गांवों में भी बनाये जा सकते हैं।
- पशु ऊर्जा का उपयोग मंहगे और अनवीनीकरण ईंधन पर होने वाले खर्च को बचाना है। पशु खेतों से ही आने वाले फसलों के अवशेष को खाकर उसे उपयोगी चीजों जैसे- दुग्ध, बायोगैस, खाद इत्यादि में बदल देते हैं, और ये भोजन के लिये मानव के प्रतियोगी भी नहीं है।
- ऊर्जा पशुओं का उपयोग पशुओं को फसलोत्पादन से जोड़ने में किसानों की मदद करता है। इस तरह पशुओं की शक्ति का फसलोत्पादन निरन्तर बनाये रखने के लिये दोहन होता रहता है।
- एक बार ट्रैक्टर या पावर टिलर की जीवन अवधि जो कि प्राय: बहुत छोटी होती है, समाप्त हो जाती है तो उसका कोई प्रयोगात्मक उपयोग नहीं रह जाता है। पशु उस पर किये गये खर्च को कई तरह से लौटाता है। वह जीवनभर व मृत्यु उपरान्त भी पशु पालकों को अनेक उपयोगी चीजें देता है। मशीनों के साथ किसानों के कर्ज में फंसने का डर बना रहता है। यदि बढ़ी ऋण सहायता से मशीनीकरण पूर्ण हो भी जाये तो अधिकतर कृषक आबादी अपनी भूमि छोड़ने के लिये बाध्य हो जायेगी। क्योंकि मशीनों की सहायता से बड़े से बड़ा क्षेत्र कुछ ही हाथों द्वारा तैयार किया जा सकता है। इस प्रकार से स्पष्ट है कि टिकाऊ खेती में पशुओं का बहुत बढ़ा योगदान है जिसकों अनदेखा नहीं किया जा सकता है।

रसायनिक उर्वरकों के लाभकारी सुझाव

उर्वरकों के भरपूर लाभ कैसे लें इसके लिये निम्नलिखित बातें ध्यान रखें -

● मिट्टी परीक्षण के आधार पर नत्रजन, फास्फोरस एवं पोटाश तत्व का संतुलित मात्रा में प्रयोग करें.● मिट्टी परीक्षण के आधार पर गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों का उपयोग करें. ● रसायनिक उर्वरकों के साथ जैविक खादों का समावेश करें.

● फसल चक्र अपनायें. ● उपयुक्त सस्य क्रियायें अपनायें.

मिट्टी परीक्षण के आधार पर गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों का उपयोग--जैसा कि विदित है कि हमारे द्वारा लगातार अधिक मुख्य तत्वों वाले रसायनिक उर्वरक उपयोग कर उपज में बढ़ोत्तरी की है लेकिन जमीन से गौण व सूक्ष्म पोषक तत्व जमीन में नहीं दिये जा रहे हैं. जिसके फलस्वरूप हमारी जमीन में मुख्य पोषक तत्वों के साथ-साथ गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों की भी कमी हो गई है। जिसमें सल्फर तत्व चौथे आवश्यक पोषक तत्व के रूप में उभर कर आया है। जिसका मुख्य कारण सघन खेती के साथ जमीन में इन पोषक तत्वों का उपयोग न करना तथा कार्बनिक पदार्थों का खेतों में न डालना है।

रसायनिक उर्वरकों के साथ जैविक खादों का समावेश- परम्परागत खेती के समय रसायनिक खादों का उपयोग कम था लेकिन किसान खेती में गोबर खाद,हरी खाद एवं भूसा आदि को खेत में मिला दिया जाता था तथा सघन खेती भी नहीं होती थी जिसके कारण जमीन की जलधारण क्षमता अच्छी थी तथा पोषक तत्व भी पर्याप्त होते थे परंतु वर्तमान युग मशीनरी की खेती का युग हो गया है जिसमें पशुपालन कम होता जा रहा है किसान भाई अधिक उपज प्राप्ती के लिये मिट्टी के स्वास्थ्य का ध्यान रखना भूल गये हैं जिसके परिणाम किसानों को दिखने लगे हैं कि रासायनिक खाद दिये जाने पर फसल उसका उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। इसलिये प्रत्येक तीन वर्ष में एक बार 15-20 टन गोबर खाद प्रति हेक्टर खेत में डालें.

फसल चक्र अपनायें- फसल चक्र से आशय एक ही फसल को लगातार न बोयें. पहली वर्ष यदि खरीफ में सोयाबीन और रबी में गेहूं तो दूसरी वर्ष खरीफ में मक्का एवं रबी में चना बोयें। फसल चक्र में दलहनी फसलों का समावेश अवश्य करें. दलहनी फसल वायुमंडलीय नत्रजन को अवशोषित कर स्थिर करती है. तथा नत्रजन दलहनी फसल में नहीं देना पड़ता है.उथली जड़ वाली फसल के बाद गहरी जड़ वाली फसल,अधिक पानी वाली फसल के बाद कम पानी चाहने वाली फसल बोये. फसल चक्र अपनाने से उर्वरकों की क्षमता तो बढ़ती ही है साथ ही साथ कीड़े बीमारी भी कम लगती है।

उपयुक्त सस्य क्रियायें अपनायें- उपयुक्त सस्य क्रियायं अपनाने से रसायनिक उर्वरकों की दी गई मात्रा अधिक से अधिक फसल द्वारा ली जावेगी जिससे उपज भी अच्छी मिलेगी. इसके लिये कुछ मुख्य कृषि क्रियायें मुख्य हैं जो निम्नलिखित हैं.

● उपलब्ध साधनों के अनुरूप अधिक उपज देने वाली किस्म बोयें. ● बीज जनित रोगों से बचने के लिये बाबिस्टीन, थाइरम से बीज को उपचारित कर बोयें. ● किस्म की पकने की अवधि के अनुसार समय पर बुवाई करें.● उर्वरकों को सही विधि व समय पर दें. ● फसलों की बढ़वार के क्रान्तिक समय में खेत को खरपतवार रहित रखें. ● सिंचाई आवश्यकतानुसार एवं सही विधि से करें. ● रोग व बीमारियों का प्रबंधन करें. ● समय पर कटाई कर,थ्रेसिंग कर उचित भंडारण करें.

दूध के साथ रेशम उत्पादन

मिल्क विथ सिल्क सिद्धांत की जरूरत और महत्व

भारत के कई इलाकों में सिंचाई की सुविधाएँ सीमित मात्रा में होने से 50 प्रतिशत से ज्यादा खेती बारानी है। यह सर्वविदित हैं कि पिछले कुछ वर्षों से अनियमित मानसून, अमौसमी बरसात, कठोर जलवायु तथा अन्य कई कारणों से बारानी खेती बिना भरोसे की तथा नुकसानमंद साबित हो रही हैं। इससे किसानों में निराशा आर्थिक नुकसान के कारण आत्महत्या तक हो रही हैं। इस स्थिति से उबरने का एक उपाय हैं खेती से जुड़े पूरक व्यवसाय शुरू करना और उन्हें ज्यादा प्रभावी तथा ज्यादा फायदेमंद बनाने हेतु दो या तीन पूरक व्यवसायों को एक साथ करना जैसे दुग्ध व्यवसाय और रेशमकीट पालन एक साथ करना जो एक-दूसरे के पूरक हैं।

दुग्ध उत्पादन हेतु पशुपालन तथा रेशम कीट पालन हेतु मलबेरी की काश्त करना एक-दूसरों के कई तरह से पूरक हैं। पशुओं को दूध उत्पादन हेतु पौष्टिक चारा चाहिए जो उन्हें मलबेरी की पत्तियों से मिलता हैं।

इसके अलावा मलबेरी की पत्तियाँ जायकेदार पाई गई। उनकी पाचकता 70 से 90 च पाई गई। उनमें खनिज लवण 25 प्रतिशत तक पाये गये जो दूध उत्पादन बढ़ाने हेतु तथा पशु के स्वास्थ्य एवं प्रजनन क्षमता बरकरार रखने हेतु अत्यंत उपयुक्त हैं।

एक गाय को उसके शरीर पोषण हेतु रोजाना 7 ग्राम कैल्शियम तथा 7 ग्राम फॉस्फोरस आवश्यक होता हैं जबकि मलबेरी की पत्तियों में करीब 1.8 से 2.4 प्रतिशत कैल्शियम तथा 0.14 से 0.24 प्रतिशत फास्फोरस पाया गया हैं। इसका मतलब हैं कि अगर मलबेरी की पत्तियाँ भरपूर मात्रा में दुधारू पशु को खिलाई जाये तो उनके दूध उत्पादन में बढ़ोत्तरी होगी इसके अलावा उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। एक वैज्ञानिक प्रयोग में पाया गया कि खुराक और मलबेरी को पत्तियां अनुक्रम 60:40 तथा 25:75 प्रतिशत इस अनुपात में खिलाने पर गायों का दूध उत्पादन 13.2 और 13.8 लीटर प्राप्त हुआ जबकि सिर्फ खुराक खिलाने पर 14.2 लीटर था। इसका मतलब यह हुआ की मलबेरी की पत्तियाँ खिलाने से दूध उत्पादन में ज्यादा कमी नहीं आई बल्कि खुराक की मात्रा कम लगने से उसके पोषण खर्च में कमी आई यानि मलबेरी की पत्तियां खिलाने से दूध उत्पादन का धंधा किफायती होता हैं।

रेशम कीटों को डाली हुई मलबेरी की जो पत्तियां बाकी रह जाती हैं वो पत्तियाँ, डालियाँ दुधारू पशुओं को खिलाया जाये तो वह बरबाद होने से बच जाता हैं। कुछ स्थानों पर रेशम की इल्लियों के अपशिष्ट पदार्थ पर नमक का घोल डालकर वह दुधारू पशुओं को खिलाया जाता हैं।

इस प्रकार रेशम कीट पालन तथा दुग्ध व्यवसाय का आपस में घनिष्ठ नाता जोड़कर दोनों ही व्यवसाय एक साथ एक ही खेत पर कर सकते हैं। इसमें जो मजदूर होते हैं उनका उत्कृष्ठ इस्तेमाल होता हैं. रेशम कीटों द्वारा कोष निर्माण होने पर उन्हें बेचकर पैसा प्राप्त होता हैं। इसके अलावा दुग्ध व्यवसाय से दूध, खाद तथा बछड़े बेंचकर अधिक धन प्राप्त होगा और इस प्रकार किसान भाईयों को कमाई के दो स्त्रोत प्राप्त होंगे जिससे ज्यादा आर्थिक सम्पन्नता का लाभ होगा।

रेशम कीट पालन हेतु प्रशिक्षण, जानकारी, तांत्रिक मार्गदर्शन, रेशम उद्योग, संचालनालय से प्राप्त होते हैं तथा दुग्ध व्यवसाय के विषय में जानकारी प्रशिक्षण तथा तांत्रिक मार्गदर्शन हर जिले में स्थित कृषि विज्ञान केंद्र, जिले के पशुपालन विभाग, कृषि विश्वविद्यालयों में स्थित पशुपालन एवं दुग्ध शास्त्र विभाग आदि जगह से प्राप्त कर सकते हैं।

ध्यान रहे, पूरक व्यवसाय के बिना किसान भाईयों की सही मायने में उन्नति नहीं हो सकती अत: पूरक व्यवसाय अवश्य अपनाएं और अपनी आर्थिक उन्नति हासिल करें.

वैश्विक उथल-पुथल से किचन का बजट बिगड़ा, खाद्य तेल 13 फीसदी महंगा

एफएमसीजी कंपनियों पर भी बढ़ा बोझ, पैकेज्ड फूड भी होगा महंगा

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और अंतरराष्ट्रीय बाजार में मची उथल-पुथल का सीधा असर अब भारतीय घरों की रसोई पर दिख रहा है। फरवरी से अब तक खाद्य तेलों की थोक कीमतों में करीब 13 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिससे आम परिवारों का मासिक बजट बुरी तरह प्रभावित हुआ है। पेट्रोल-डीजल की बढ़ती महंगाई के बाद खाद्य तेलों की यह नई मार उपभोक्ताओं के लिए एक बड़ी चिंता बन गई है। विशेषज्ञों के अनुसार पश्चिम एशिया में तनाव से परिवहन, बीमा और शिपिंग लागत में भारी वृद्धि हुई है। डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी से पाम तेल का आयात भी महंगा हुआ है। इसके अलावा, इंडोनेशिया के बायोफ्यूल में 50 फीसदी पाम तेल मिश्रण कार्यक्रम से वैश्विक आपूर्ति और घट सकती है, जिससे कीमतों पर दबाव बढ़ रहा है। भारत अपनी लगभग 60 फीसदी खाद्य तेल जरूरतें आयात करता है, इसलिए वैश्विक संकटों का असर यहां तेजी से महसूस होता है। बढ़ती ईंधन कीमतें किसानों की लागत और माल ढुलाई खर्च भी बढ़ा रही हैं। इसका असर अब एफएमसीजी सेक्टर पर भी दिख रहा है। नमकीन, बिस्कुट और बेकरी आइटम बनाने वाली कंपनियों की इनपुट लागत बढ़ गई है। उद्योग विशेषज्ञ मानते हैं कि कंपनियां जल्द ही यह बोझ उपभोक्ताओं पर डालेंगी, जिससे पैकेज्ड फूड भी महंगा हो जाएगा।

वैश्विक बाधाओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत- आरबीआई

मजबूत वृहद आर्थिक आधार, पूंजीगत व्यय और बेहतर बैंकिंग बही-खाते वृद्धि को देंगे सहारा

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा है कि चुनौतीपूर्ण वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2026-27 में मजबूत बनी रहेगी। केंद्रीय बैंक ने सकारात्मक दृष्टिकोण व्यक्त करते हुए बताया कि देश के मजबूत वृहद आर्थिक आधार, कंपनियों एवं बैंकिंग क्षेत्र के बेहतर बही-खाते और सरकार के पूंजीगत व्यय पर जोर से आगामी वित्त वर्ष में वृद्धि को बल मिलेगा। हालांकि, पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव और अन्य वैश्विक चुनौतियां प्रमुख जोखिम बनी रहेंगी। आरबीआई की रिपोर्ट के अनुसार ऊंची ऊर्जा कीमतों, आपूर्ति श्रृंखला में बाधाओं और वैश्विक बाजारों से आने वाली चुनौतियों के बावजूद भारत की वृद्धि गति मजबूत बनी हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2026 में उभरे भू-राजनीतिक जोखिम, विशेषकर पश्चिम एशिया में संघर्ष का लंबा खिंचना, वैश्विक वृद्धि और मुद्रास्फीति के अनुमानों के लिए एक नकारात्मक जोखिम उत्पन्न कर सकता है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था को भी प्रभावित करेगा। इसके बावजूद रिपोर्ट में कहा गया कि मध्यम वैश्विक वृद्धि के परिदृश्य के बीच वित्त वर्ष 2026-27 में भारतीय अर्थव्यवस्था का दृष्टिकोण सकारात्मक बना हुआ है। भारत वित्त वर्ष 2025-26 में 7.6 प्रतिशत की दर से बढ़ते हुए प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने वाला देश बना रहा, जबकि 2024-25 में यह वृद्धि दर 7.1 प्रतिशत थी। यह मजबूत घरेलू मांग, निरंतर निवेश, सक्रिय नीतिगत पहल और ठोस व्यापक आर्थिक आधार से समर्थित रही। विभिन्न व्यापार समझौतों का क्रियान्वयन भी वृद्धि को गति देगा। कृषि क्षेत्र का परिदृश्य दक्षिण-पश्चिम मानसून की प्रगति पर निर्भर करेगा। अल नीनो की संभावना कृषि उत्पादन के लिए नकारात्मक जोखिम पैदा करती है, हालांकि हिंद महासागर द्विध्रुवीय स्थिति इसके प्रतिकूल प्रभावों को आंशिक रूप से कम कर सकती है। मौजूदा भू-राजनीतिक तनाव कच्चे माल, विशेषकर उर्वरकों की उपलब्धता और कीमतों पर दबाव डाल सकते हैं, लेकिन सरकार के विविध स्रोतों से आपूर्ति सुनिश्चित करने के प्रयासों से इन चिंताओं को कम करने में मदद मिलेगी। आरबीआई ने कहा कि 2026-27 में मुद्रास्फीति के तय लक्ष्य (4 प्रतिशत, दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ) के अनुरूप रहने की संभावना है, भले ही अल नीनो की स्थिति और सामान्य से अधिक गर्मी हो। यह पर्याप्त खाद्यान्न भंडार और जलाशयों में जल स्तर के कारण संभव होगा। भविष्य की पहल के तौर पर आरबीआई केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) के परीक्षणात्मक उपयोग का विस्तार करने और वित्तीय परिसंपत्तियों के टोकनाइजेशन पर विचार कर रहा है।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 1,092 , निफ्टी 359 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को भारी गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेतों के कारण बिकवाली हावी रहने से आई है। आज सुबह भारतीय बजार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई पर अमेरिका-ईरान समझौते को लेकर संशय पनपने से बाजार नीचे आने लगा। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स कारोबार के अंत में 1,092.06 अंक टूटकर 74,775.74 पर पहुंच गया जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 359.40 अंक टूटकर 23,547.75 पर आ गया। आज कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 76,220.02 तक पहुंचा। वहीं निफ्टी 24,002.80 तक उछला। व्यापक बाजारों में, निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 1.33 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.85 फीसदी की गिरावट रही।

वहीं क्षेत्रवार देखें तो, निफ्टी ऑयल एंड गैस में 2.47 फीसदी की गिरावट, निफ्टी मेटल में 2.02 फीसदी की गिरावट और निफ्टी वित्तीय सेवाओं में 2.02 फीसदी की गिरावट रही। इसके अलावा, निफ्टी ऑटो, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी फार्मा, निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में 1 फीसदी से ज्यादा की गिरावट रही। वहीं निफ्टी आईटी इंडेक्स में 0.60 फीसदी की बढ़त रही। आज एचसीएल टेक, विप्रो, नेस्ले इंडिया और एलएंडटी के शेयरों में 1 फीसदी से ज्यादा की तेजी रही।

वहीं इंडिगो, ओएनजीसी, मैक्सहेल्थ, आयशर मोटर के के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही। आज बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण पिछले सत्र के लगभग 471 लाख करोड़ रुपए से गिरकर करीब 465 लाख करोड़ रुपए रह गया। इससे एक ही सत्र में निवेशकों को करीब 6 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया शुरुआती कारोबार में 67 पैसे की बढ़त के साथ ही 94.91 पर बंद हुआ। आज सुबह भारतीय रुपया पांच पैसे मजूबत होकर 95.53 पर खुला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.77 पर खुला और शुरुआती कारोबार में बढ़त बनाते हुए 95.53 तक पहुंच गया, जो इसके पिछले बंद भाव से पांच पैसे की मजबूती दर्शाता है। डॉलर के मुकाबले शुरुआती कारोबार में रुपया 95.78 तक भी गया। रुपया बुधवार को 12 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.58 पर बंद हुआ था। ईद-उल-अजहा के अवसर पर गुरुवार को घरेलू शेयर और विदेशी मुद्रा बाजार बंद थे। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 फीसदी की बढ़त के साथ 99.09 पर रहा।

नेट न्यूट्रैलिटी विवाद में कूदी वीआई, एयरटेल की 5जी प्राथमिकता पर जताई चिंता

कंपनी ने कहा, सबको समान इंटरनेट अनुभव मिलना चाहिए

नई दिल्ली ।

भारत की तीसरी सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया (वीआई) ने हाल ही में भारती एयरटेल की कुछ 5जी-आधारित पोस्टपेड योजनाओं पर गंभीर सवाल उठाए हैं। कंपनी का मानना है कि ये योजनाएं, जो कुछ ग्राहकों को प्राथमिकता वाली नेटवर्क सेवाएं प्रदान करती हैं, नेट न्यूट्रैलिटी के सिद्धांतों का उल्लंघन कर सकती हैं और सभी उपयोगकर्ताओं के लिए समान इंटरनेट अनुभव के अधिकार को प्रभावित कर सकती हैं।

यह मुद्दा तब सामने आया है जब संसद की एक स्थायी समिति भी ऐसी सेवाओं की वैधता की जांच कर रही है। सभी के लिए समान और सुलभ इंटरनेट कनेक्टिविटी को खतरे में देखते हुए, दूरसंचार परिचालक वोडाफोन आइडिया ने भारती एयरटेल की 5जी स्लाइसिंग पर आधारित प्राथमिकता वाली पोस्टपेड योजनाओं पर अपनी आपत्तियां दर्ज कराई हैं। वीआई ने उपभोक्ता हितों को प्रमुखता देते हुए तर्क दिया है कि किसी उपयोगकर्ता के प्रोफाइल के आधार पर विशेष नेटवर्क गति या सेवाएं प्रदान करना नेट न्यूट्रैलिटी नियमों का उल्लंघन है और डिजिटल तंत्र की समानता पर सवाल उठाता है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने स्पष्ट किया कि भारत की डिजिटल वृद्धि सभी के लिए किफायती और सुलभ कनेक्टिविटी पर टिकी है। उन्होंने जोर दिया कि हर उपभोक्ता को एक समान और निर्बाध नेटवर्क अनुभव मिलना चाहिए।

भारत को डिजिटल वृद्धि जारी रखने के लिए तकनीक में प्रगति के साथ-साथ, नवाचार और पैसा बनाने के मॉडल में सभी ग्राहकों के हितों को प्राथमिकता देना जरूरी है। पारदर्शिता और सब तक इसकी उपलब्धता अहम हैं।

जापान नहीं जाएगा भारतीय आम, आम निर्यातक और किसान की बढ़ी चिंता

अधिकारियों को सफाई व्यवस्था और फ्यूमिगेशन प्रक्रिया में मिलीं तकनीकी खामियां

नई दिल्ली।

भारतीय आमों की मिठास इस बार जापान तक नहीं पहुंच पाएगी। करीब दो दशक पहले हटाए गए प्रतिबंध के बाद लगातार जारी भारतीय आमों के निर्यात पर जापान ने एक बार फिर अस्थायी रोक लगा दी है। इस फैसले से आम निर्यातकों और किसानों की चिंता बढ़ गई है, क्योंकि यह प्रतिबंध ऐसे समय लगाया गया है जब अप्रैल से जून के बीच आमों का निर्यात अपने चरम पर होता है। इस रोक का सबसे ज्यादा असर अल्फांसो, केसर, लंगड़ा और बंगनपल्ली जैसी आम किस्मों पर पड़ेगा, जिनकी जापान में अच्छी मांग है।

जानकारी के मुताबिक जापान हर साल आम के निर्यात सीजन से पहले अपनी क्वारंटीन टीम भारत भेजता है। यह टीम उन वेपर हीट ट्रीटमेंट केंद्रों का निरीक्षण करती है, जहां जापान भेजे जाने वाले आमों को प्रोसेस किया जाता है। इस प्रक्रिया में आमों को गर्म और नमी वाली हवा में रखा जाता है ताकि फल मक्खियों और अन्य कीटों को खत्म किया जा सके। जापान के लिए आम निर्यात करने में यह प्रक्रिया अनिवार्य है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस साल मार्च में उत्तर प्रदेश के रहमानपुर स्थित वेपर हीट ट्रीटमेंट केंद्र का निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान जापानी अधिकारियों को वहां सफाई व्यवस्था और फ्यूमिगेशन प्रक्रिया से जुड़ी कुछ तकनीकी खामियां मिलीं। हालांकि दोनों देशों की सरकारों ने अब तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि वास्तव में कौन-कौन सी कमियां मिली। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि

मौजूदा निर्यात सीजन के दौरान यह समस्या सुलझ पाएगी या नहीं। जापान के प्लांट प्रोटेक्शन स्टेशन और भारत की कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण ने अभी तक किसी समयसीमा की घोषणा नहीं की है। इस कारण निर्यातकों के सामने अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई है।

बता दें जापान ने पहली बार 1986 में भारतीय आमों पर प्रतिबंध लगाया था, क्योंकि उसे फल मक्खियों के संक्रमण का खतरा था। करीब 20 साल बाद 23 जून 2006 को यह प्रतिबंध हटाया गया था और उसके बाद भारत से जापान को आमों का निर्यात दोबारा शुरू हुआ। जापान ने केवल छह भारतीय किस्मों अल्फांसो, केसर, बंगनपल्ली, लंगड़ा, चौसा और मलिका को आयात की अनुमति दी थी। इन आमों को निर्यात से पहले वेपर हीट ट्रीटमेंट प्रक्रिया से गुजरना अनिवार्य किया गया था। हालांकि जापान भारतीय आमों का सबसे बड़ा बाजार नहीं है, लेकिन यह प्रीमियम बाजार माना जाता है। जापान में भारतीय आमों को ऊंची कीमत मिलती है, इसलिए यह प्रतिबंध निर्यातकों की कमाई पर सीधा असर डाल सकता है।

वैश्विक अस्थिरता के बीच अर्थव्यवस्था मजबूत, चालू खाता घाटा निर्धारित स्तर के अंदर

आरबीआई ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जारी वार्षिक रिपोर्ट

नई दिल्ली।

वैश्विक अस्थिरता के बीच देश की अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है।वहीं, चालू खाता घाटा निर्धारित स्तर के अंदर बना हुआ है। यह जानकारी भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से शुक्रवार को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जारी वार्षिक रिपोर्ट में दी गई। आरबीआई ने रिपोर्ट में कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बने रहने के बावजूद, स्थिर घरेलू मांग और मजबूत सेवा क्षेत्र के चलते भारतीय अर्थव्यवस्था 2025-26 में भी मजबूत बनी रही। खाद्य पदार्थों में अपस्फीति और मजबूत अनुकूल आधार प्रभाव के कारण मुख्य महंगाई दर में नरमी आई। वहीं, जमा और ऋण में दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की गई। केंद्र सरकार राजकोषीय समेकन जारी रखे हुए हैं और पूंजीगत व्यय पर लगातार जोर दिया है। वहीं, वैश्विक अनिश्चितता में इजाफे के बाद भी बाह्य क्षेत्र लचीला बना हुआ है। आरबीआई के मुताबिक 2025-26 में चालू खाता घाटा अपने निर्धारित स्तर के भीतर ही रहा और विदेशी मुद्रा भंडार पर्याप्त स्तर पर बना रहा, जिससे व्यापक आर्थिक और वित्तीय स्थिरता को समर्थन मिला। भारतीय वित्तीय बाजारों ने लचीलापन प्रदर्शित किया, जिसमें मुद्रा बाजार दरें नीतिगत रेपो दर और मौजूदा तरलता स्थितियों के अनुरूप विकसित हुईं। केंद्रीय बैंक के मुताबिक, 2025-26 में इक्विटी बाजारों में द्विदिशात्मक गति देखी गई। एक तरफ सहायक मौद्रिक और राजकोषीय नीति उपायों ने बाजार भावना को बेहतर बनाया, जबकि भू-राजनीतिक और टैरिफ अनिश्चितताओं, और एआई से संबंधित चिंताओं से उत्पन्न नकारात्मक वैश्विक संकेतों ने दबाव बनाने का काम किया। वहीं, अप्रैल 2025 में अमेरिकी टैरिफ जैसे बाहरी झटकों के बाद भी भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहा। देश की अर्थव्यवस्था को स्थिर निवेश, उपभोग में वृद्धि और सेवा क्षेत्र में मजबूती और आपूर्ति पक्ष में औद्योगिक गतिविधि में सुधार से गति मिल रही है।

भारत-कनाडा ने व्यापार एवं निवेश मंच का अनावरण किया

व्यापारिक सहयोग बढ़ाने और संपर्क मजबूत करने पर जोर

नई दिल्ली ।

भारत और कनाडा ने आपसी व्यापारिक सहयोग को नई गति देने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की है।

दोनों देशों ने संयुक्त रूप से एक व्यापार एवं निवेश मंच की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य व्यवसायों को एक साथ लाना और आर्थिक संबंधों को मजबूत करना है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की हालिया कनाडा यात्रा के समापन के बाद शुक्रवार को जारी एक संयुक्त बयान में यह जानकारी दी गई। इस नए मंच का मुख्य लक्ष्य दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश और व्यावसायिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है। बयान में कहा गया है कि भारत और कनाडा ने लोगों के बीच संपर्क, व्यापारिक सुगमता और प्रत्यक्ष वाणिज्यिक संबंधों को मजबूत करने पर भी सहमति व्यक्त की है, जिन्हें व्यापार एवं निवेश के विस्तार के लिए महत्वपूर्ण माना गया है। मंत्री गोयल ने अपनी तीन दिवसीय (25-27 मई) कनाडा यात्रा के दौरान व्यापार जगत के कई दिग्गजों से मुलाकात की और अपने कनाडाई समकक्ष मनींदर सिद्धू के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी की। यह कदम दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में सहायक सिद्ध होगा।

पेट्रोल पंप पर अब ग्राहक चुन सकेंगे अपना इथेनॉल ब्लेंड्स

सरकारी व निजी तेल कंपनियों को इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने के निर्देश

नई दिल्ली । भारत सरकार ने देश के पेट्रोल पंपों पर ग्राहकों को एक बड़ी सुविधा देने का ऐलान किया है। अब वाहन मालिक अपनी गाड़ी के इंजन की क्षमता और अनुकूलता के हिसाब से ई20, ई22, ई25 और ई30 जैसे अलग-अलग इथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल विकल्पों में से अपनी पसंद का ईंधन चुन सकेंगे। इस व्यवस्था को लागू करने के लिए सरकार ने इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसीएल), भारत पेट्रोलियम (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम (एचपीसीएल) जैसी सरकारी तेल कंपनियों के साथ-साथ निजी रिटेलर्स जैसे जियो-बीपी, नायरा और शेल को भी आवश्यक बुनियादी ढांचा तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

इसके तहत देश भर के पेट्रोल पंपों पर विभिन्न इथेनॉल ब्लेंड्स के लिए अलग-अलग नोजल और डिस्प्ले की व्यवस्था की जाएगी।कंपनियों को नई डिस्पेंसिंग यूनिट्स, स्टोरेज सिस्टम, ब्लेंडिंग कंट्रोल और ईंधन की गुणवत्ता की निगरानी करने वाले तंत्र में निवेश करना होगा। ग्राहकों की सुविधा के लिए पंपों पर इथेनॉल मिश्रणों को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करना अनिवार्य होगा और इथेनॉल की मात्रा के आधार पर कीमतें भी अलग-अलग होंगी।

एलआईसी शेयरों में गिरावट नहीं, दोगुनी हुई निवेशकों की हिस्सेदारी

ऐतिहासिक 1-1 बोनस शेयर के साथ 10 प्रति शेयर डिविडेंड घोषित

मुंबई ।

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के शेयरों में शुक्रवार को आई लगभग 50 फीसदी की गिरावट ने निवेशकों को भले ही चौंकाया हो, लेकिन यह चिंता का विषय नहीं है। दरअसल, कंपनी ने अपने इतिहास में पहली बार 1-1 बोनस शेयर जारी किए हैं, जिसके चलते यह प्राइस एडजस्टमेंट देखने को मिला। शेयर 823 रुपए के स्तर से टूटकर 416 रुपए पर आ गया, जो रिकॉर्ड डेट पर बोनस शेयरों के लिए किया गया सामान्य समायोजन है। इसका अर्थ है कि निवेशकों के पास मौजूद हर एक शेयर के बदले उन्हें एक अतिरिक्त शेयर मुफ्त में मिला है, जिससे उनकी कुल शेयरहोल्डिंग दोगुनी हो गई है। यह ऐतिहासिक फैसला कंपनी के मजबूत वित्तीय नतीजों के बाद लिया गया, जहां मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ 23 फीसदी बढ़कर 23,420 करोड़ रुपए रहा। बोनस के साथ एलआईसी ने शेयरधारकों के लिए 10 रुपए प्रति शेयर के फाइनल डिविडेंड की भी घोषणा की है। जानकारों का मानना है कि शेयरों की संख्या बढ़ने से बाजार में इसकी लिक्विडिटी बढ़ेगी, जिससे छोटे

निवेशकों के लिए इसमें निवेश करना और भी सुलभ हो जाएगा। एडजस्टमेंट के बाद, शेयर मामूली बढ़त के साथ कारोबार कर रहा है, और कंपनी का कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन लगभग 2.65 लाख करोड़ रुपए है।

पीसी ज्वैलर का शानदार कमबैक- 90 प्रतिशत से अधिक कर्ज चुकाया, शेयर बना रॉकेट

मुंबई ।

ज्वैलरी कंपनी पीसी ज्वैलर के शेयर सोमवार को 11 प्रतिशत से अधिक की तूफानी तेजी के साथ 10.48 रुपये पर पहुंचे। इस उछाल का मुख्य कारण कंपनी द्वारा 90 प्रतिशत से अधिक बकाया कर्ज का भुगतान और जल्द ही पूरी तरह से कर्ज मुक्त होने का ऐलान है।

कंपनी अब पूर्णतः कर्ज मुक्त होकर बाजार में अपनी आक्रामक विस्तार की योजना बना रही है, इससे निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। पीसी ज्वैलर लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर बलराम गर्ग ने बताया कि बैंकों के साथ सेटलमेंट एग्रीमेंट के बाद से कंपनी ने अपने बकाया कर्ज का 90 प्रतिशत से अधिक सफलतापूर्वक चुकाया है। उन्होंने भरोसा जताया कि कंपनी बहुत जल्द कर्ज-मुक्त होगी, जिसके बाद वह अपने वित्तीय लक्ष्यों को तेजी से आगे बढ़ाएगी। मैनेजिंग डायरेक्टर गर्ग ने वित्त वर्ष 2026 को कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण वर्ष बताया, जहां इसने अपनी गति वापस हासिल की और पूरे साल शानदार प्रदर्शन दर्ज किया। वित्तीय प्रदर्शन के मुताबिक 31 मार्च 2026 को समाप्त हुई तिमाही में पीसी ज्वैलर का मुनाफा सालाना आधार पर 61.3 प्रतिशत

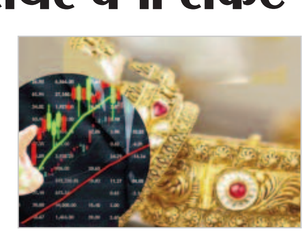

बढ़कर 152.9 करोड़ रुपये रहा, जो बीते साल की समान अवधि में 94.8 करोड़ रुपये था। कंपनी का राजस्व भी 32.7 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 927.3 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जबकि पिछले साल यह 699 करोड़ रुपये था। इस तिमाही में कंपनी का इबिट्डा 13.4 प्रतिशत बढ़कर 164.5 करोड़ रुपये रहा, जिसमें इबिट्डा मार्जिन 17.7 प्रतिशत दर्ज किया गया।

कंपनी ने अपने शेयरधारकों को पहले भी लाभ पहुंचाया है। जुलाई 2017 में 1:1 के अनुपात में बोनस शेयर जारी किए गए थे, और दिसंबर 2024 में 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले शेयर को 1-1 रुपये के 10 शेयरों में विभाजित (स्टॉक स्प्लिट) किया गया था। पिछले छह सालों में पीसी ज्वैलर के शेयरों में 800 प्रतिशत से अधिक का उछाल आया है, जबकि पिछले पांच दिनों में इसमें 19 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी देखने को मिली है, जो कंपनी की मजबूत वापसी और निवेशकों के बढ़ते भरोसे को दर्शाता है।

अशोक लीलैंड का रिकॉर्ड प्रदर्शन, मुनाफा 1,400 करोड़ के पार

वाणिज्यिक वाहन निर्माता ने 2026 की चौथी तिमाही में अब तक का सर्वाधिक मुनाफा कमाया

नई दिल्ली ।

भारतीय वाणिज्यिक वाहन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी अशोक लीलैंड ने वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में 1,405 करोड़ रुपये का अब तक का सबसे अधिक शुद्ध लाभ दर्ज कर शानदार प्रदर्शन किया है। यह पिछले वर्ष की समान अवधि से 13 फीसदी अधिक है। कंपनी ने तिमाही और पूरे वित्त वर्ष दोनों के लिए रिकॉर्ड राजस्व, एबिटा और वाहन बिक्री के साथ अपनी अब तक की सबसे बेहतरीन वित्तीय स्थिति पेश की है। अशोक लीलैंड का परिचालन राजस्व समीक्षाधीन तिमाही में 19 फीसदी बढ़कर 14,160.49 करोड़ रुपये हो गया, जबकि एबिटा 15 फीसदी की वृद्धि के साथ 2,066 करोड़ रुपये रहा। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सरकार के जीएसटी 2.0 प्रोत्साहन और वाहनों की प्रतिस्थापन मांग ने इस जोरदार प्रदर्शन में अहम भूमिका निभाई। कंपनी ने वित्त वर्ष 2027 के लिए 800-1,000 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय की योजना भी पेश की है। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 के लिए, अशोक लीलैंड का शुद्ध लाभ 8 फीसदी बढ़कर 3,566 करोड़ रुपये रहा, जो नई श्रम संहिता के कारण 308 करोड़ रुपये के एकमुश्त बोझ के बावजूद हासिल हुआ। इस दौरान कुल राजस्व रिकॉर्ड 44,007 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, और एबिटा 13 फीसदी बढ़कर 5,732 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने 5,899 करोड़ रुपये की शुद्ध नकदी के साथ वर्ष का समापन किया। वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री भी 13 फीसदी बढ़कर 2,20,437 इकाइयों के नए सर्वाधिक स्तर पर पहुंच गई, जो वित्त वर्ष 2019 के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ती है। निदेशक मंडल ने 1 रुपये अंकित मूल्य वाले प्रत्येक शेयर पर 2.50 रुपये के दूसरे अंतरिम लाभांश की घोषणा की है। इस बीच हवाई अड्डा संचालक जीएमआर एयरपोर्ट्स लिमिटेड (जीएएल) ने भी शानदार वित्तीय परिणाम पेश किए हैं। वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में कंपनी घाटे से उबरकर 400.49 करोड़ रुपये के शुद्ध लाभ में आ गई, जबकि पिछले साल इसी अवधि में उसे 252.66 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था।

दिल्ली, हैदराबाद सहित कई शहरों में हवाई अड्डों का संचालन करने वाली जीएमआर एयरपोर्ट्स ने पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में 472 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया, जबकि इसकी कुल आय बढ़कर 15,200.75 करोड़ रुपये हो गई।

बीसीसीआई ने खिलाड़ियों के प्रतिबंधित क्षेत्रों में स्मार्ट ग्लासेस पहनने पर रोक लगायी

मुम्बई ।
भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने खिलाड़ियों के प्रतिबंधित क्षेत्रों में स्मार्ट ग्लासेस पहनने पर रोक लगा दी है। बोर्ड ने ये कदम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अत्याधुनिक संचार उपकरणों के बढ़ते चलन और उनके संभावित दुरुपयोग को रोकने के लिए उठाया है। ऐसे में अब सहयोगी स्टाफ के लिए एक नई एडवाइजरी जारी की गयी है। इसके तहत अब खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम, डगआउट और मैदान के आसपास के प्रतिबंधित क्षेत्रों में स्मार्ट ग्लासेस, सनग्लासेस और गॉगल्स नहीं पहन सकेंगे। यह कदम लीग की अखंडता और निष्पक्षता बनाए रखने की दिशा में एक बड़ा प्रयास माना जा रहा है। बीसीसीआई की भ्रष्टाचार-रोधी और सुरक्षा इकाई से बोर्ड को जानकारी दी गयी थी कि कुछ कंपनियां टी20 लीग में शामिल खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों को ऐसे विशेष उपकरण बेचने का प्रयास कर रही हैं। साथ ही कहा गया कि स्मार्ट आईवियर प्रोडक्ट्स लाइव स्ट्रीमिंग करने, टेक्स्ट मैसेज भेजने और वाई-फाई या मोबाइल डेटा के जरिए ऑडियो-वीडियो कॉल करने में सक्षम हैं।

एमपीएल के नए सीजन में इतिहास रचने के इरादे से उतरेगी जबलपुर रॉयल लायंस

राहुल बाथम बोले- शेरों की तरह खेलेंगे और चैंपियंस की तरह जीतेंगे

इंदौर ।

मध्य प्रदेश लीग (एमपीएल) के बहुप्रतीक्षित नए सीजन का काउंटडाउन शुरू होते ही क्रिकेट प्रेमियों का उत्साह चरम पर पहुँच गया है। इस खिताबी महासमर में जबलपुर रॉयल लायंस (जेआरएल) नए आत्मविश्वास, अभेद्य रणनीतियों और विजय के एक दृढ़ संकल्प के साथ मैदान पर उतरने के लिए पूरी तरह तैयार है। संतुलित टीम संयोजन, अनुभवी सहयोगी स्टाफ और निडर खेल शैली के बल पर फ्रेंचाइजी को पूर्ण विश्वास है कि यह अभियान उनके इतिहास का सबसे स्वर्णिम अध्याय सिद्ध होगा।सीजन से पहले टीम की तैयारियों और खिलाड़ियों की मानसिक सुदृढ़ता पर विश्वास जताते हुए हुए वरिष्ठ ऑलराउंडर राहुल बाथम ने कहा, ÷दल के भीतर इस समय सकारात्मकता और ऊर्जा का प्रवाह अपने चरम पर है। हमने एक ऐसी संतुलित टीम का गठन किया है जिसमें विलक्षण प्रतिभा, कड़ा अनुशासन और विजय की तीव्र आकांक्षा साफ परिलक्षित होती है। हमारा ध्येय केवल इस प्रतियोगिता का हिस्सा बनना नहीं, अपितु मैदान पर अपनी अमिट छाप छोड़ना और उत्कृष्ट क्रिकेट से खेलप्रेमियों का दिल जीतना है।÷ उन्होंने पूरे आत्मविश्वास के साथ जोड़ा, ÷यह जबलपुर रॉयल लायंस का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन होगा, क्योंकि हम हम शेरों की तरह खेलेंगे और चैंपियंस की तरह जीत दर्ज करेंगे।÷अनुभव और युवा ऊर्जा का अद्भुत संगम मुख्य कोचइस वर्ष जबलपुर की टीम में अनुभवी दिग्गजों और उभरती हुई युवा प्रतिभाओं का एक अनूठा संगम देखने को मिलेगा। टीम के मुख्य कोच आनंद राजन का मानना है कि यही जुगलबंदी टीम की सफलता का मुख्य आधार बनेगी। राजन ने अपनी रणनीति साझा करते हुए कहा, ÷हमने टीम के भीतर एक ऐसी सुदृढ़ खेल संस्कृति विकसित की है, जहाँ अनुशासन, सूक्ष्म तैयारी और मैदान पर उसका सटीक क्रियान्वयन सर्वोपरि है। अभ्यास सत्र के दौरान खिलाड़ियों ने जो समर्पण और प्रतिबद्धता दिखाई है, वह अनुकरणीय है। हम एक ऐसे दल के रूप में उभर रहे हैं जो पूरे आत्मविश्वास के साथ प्रतिद्वंद्वियों को कड़ी चुनौती देगा। हमारा एकमात्र लक्ष्य सकारात्मक क्रिकेट खेलना और अपने प्रशंसकों को गौरव के क्षण उपहार में देना है।÷ इतिहास रचने का सामर्थ्य रखती है ।

प्रणति नायक को राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेल 2026 के लिए साई और टीओपीएस का मिल रहा सहयोग

नई दिल्ली।
भारतीय जिमनास्ट प्रणति नायक की 2026 के राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेलों की तैयारी को युवा मामले और खेल मंत्रालय, भारतीय खेल प्राधिकरण (साई), और टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टीओपीएस) के निरंतर सहयोग से बल मिल रहा है। सरकार द्वारा उन्हें और जिमनास्टिक्स टीम को अंतरराष्ट्रीय अनुभव, विदेशी प्रशिक्षण, राष्ट्रीय कोचिंग शिविर, और अन्य निरंतर सहायता प्रदान की जा रही है। टोक्यो 2020 ओलंपियन प्रणति वर्तमान में सीनियर और जूनियर महिला आर्टिस्टिक जिमनास्टिक्स राष्ट्रीय कोचिंग शिविर का हिस्सा हैं, जो 22 मई से 20 जून, 2026 तक भुवनेश्वर के हाई परफॉर्मेंस सेंटर में चल रही है। यह शिविर 25 से 28 जून, 2026 तक चीन के जुनी में आयोजित होने वाली 13वीं सीनियर एशियाई चैंपियनशिप की तैयारी के लिए आयोजित किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में प्रणति भारतीय सीनियर महिला आर्टिस्टिक जिमनास्टिक्स टीम का हिस्सा हैं। भुवनेश्वर में आयोजित इस शिविर के लिए कुल 23.52 लाख की राशि स्वीकृत की गई है, जिसमें सीनियर और जूनियर जिमनास्ट, कोच और सहायक कर्मचारियों सहित कुल 21 प्रतिभागी शामिल हैं। अगले महीने चीन में होने वाली महाद्वीपीय चैंपियनशिप के लिए, सरकार ने भारतीय सीनियर और जूनियर महिला आर्टिस्टिक जिमनास्टिक्स दल की भागीदारी हेतु 36.59 लाख की वित्तीय सहायता स्वीकृत की है। इस दल में खिलाड़ी, कोच और सहायक कर्मचारियों सहित कुल 17 सदस्य

शामिल हैं। प्रणति को टॉप्स के तहत व्यक्तिगत रूप से भी महत्वपूर्ण सहायता प्राप्त हुई है। 19 से 25 मई, 2026 तक उज्बेकिस्तान के ताशकंद में आयोजित एफआईजी आर्टिस्टिक जिमनास्टिक्स विश्व चैलेंज कप में भागीदारी के लिए प्रणति नायक, उनके कोच अशोक कुमार मिश्रा और फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. श्वेता अत्तिली के लिए 5.89 लाख की वित्तीय सहायता स्वीकृत की गई थी। इस प्रतियोगिता में प्रणति ने रजत पदक जीता था।

ललित मोदी का खुलासा, 2005 के बीसीसीआई चुनाव में बोर्ड सदस्यों को होटलों में बंद रखा था

लंदन ।

आईपीएल के पहले कमिश्नर रहे ललित मोदी ने खुलासा किया है कि साल 2005 के बीसीसीआई चुनाव में प्रतिद्वंद्वी पक्षों ने बोर्ड मेंबरों को होटलों में बंद रखा। वहीं दूसरे पक्ष के समर्थक मेंबरों की उड़ानों का ठिकाना ही बदलवा दिया। दोनों पक्ष इन प्रकार से एक दूसरे के समर्थक सदस्यों को बैठक में पहुंचने से ही रोकने के प्रयास कर रहे थे। भ्रष्टाचार के आरोपों में फंसे ललित मोदी आज भारत से भागकर ब्रिटेन में रह रहे हैं। हालांकि देश में आईपीएल की शुरुआत का श्रेय उन्हें ही जाता है। आज बीसीसीआई का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में प्रभाव हैउसमें आईपीएल की भूमिका सबसे अहम है। ललित मोदी के अनुसार शरद पवार बीसीसीआई अध्यक्ष के चुनाव में जगमोहन डालमिया से सिर्फ एक वोट से हार गए थे। ललित मोदी के लिए ये झटका था क्योंकि पवार को चुनाव लड़ाने के लिए राजी करने वालों में वह भी थे। उन्होंने ने यह भी बताया कि कैसे उसके बाद अगले चुनाव में शरद पवार ने जीत हासिल की और उसके बाद के वर्षों में आईपीएल की शुरुआत हुई। ललित मोदी नेकहा, हमने शरद पवार को चुनाव लड़ने के लिए राजी किया। हम चुनाव में गए, हम जीत के प्रति आश्वस्त थे और एक वोट से हार गए। वजह थी हमारे अपने ही लोगों के बीच लड़ाई। पुणे क्रिकेट एसोसिएशन में अजीत शिरके और दयानेश्वर अगाशे की लड़ाई। अगाशे डालमिया गुट से जा मिले।

आईपीएल फाइनल को देखते हुए हवाई टिकट के साथ ही होटल भी हुए महेंगे

अहमदाबाद ।
आईपीएल के 19 सत्र का खिताबी मुकाबला रविवार को अहमदाबाद में खेला जाएगा। इस मुकाबले को लेकर प्रशंसकों में जबरदस्त आकर्षण है। फाइनल देखना हालांकि प्रशंसकों की जेब पर भारी पड़ेगा। फाइनल के लिए पहले ही मैच के लगभग सभी टिकट बिक चुके हैं।

वहीं होटल की बुकिंग और हवाई किराए में भी भारी तेजी आयी है। प्रशंसक मैच में पहुंचने के लिए तीन से चार गुना ज्यादा किराया देने को भी तैयार दिख रहे हैं। इसी कारण दिल्ली-अहमदाबाद और बेंगलुरु-अहमदाबाद जैसे मुख्य रूटों पर हवाई किराए दोगुने हो गए हैं। मैच के समय के आस-पास की उड़ानों में प्रीमियम इकॉनमी और बिजनेस क्लास की सीटें कई रूटों पर पहले ही बिक चुकी हैं। बेंगलुरु से कुछ उड़ानो का एक तरफ का किराया ही 22,800 रुपए से भी ज़्यादा हो गया है, जबकि आम तौर पर यह 6,000 से 8,000 रुपए के बीच रहता है। इसके अलावा अहमदाबाद और गांधीनगर के होटलों में भी भारी मांग देखने को मिल रही है। होटल के कमरों का किराया जो आम तौर पर 6,000 से 16,000 रुपए (टैक्स के अलावा) के बीच रहता है, भारी मांग के चलते बढ़ गया है। अधिकारियों ने बताया कि फाइनल मैच से दो दिन पहले ही गांधीनगर स्थित एक पंच सितारा होटलों में दाम कई गुना बढ़ गये हैं। ट्रैलव

ऑपरेटर्स को यह भी उम्मीद है कि हवाई जहाज के टिकट महंगे होने या उपलब्ध न होने की वजह से सड़क के रास्ते आने वाले फैन्स की भारी भीड़ उमड़ेगी। मैच के तुरंत बाद वापसी की यात्रा की मांग आमतौर पर ट्रांसपोर्ट के खर्च को सामान्य रेट से लगभग डेढ़ गुना तक बढ़ा देती है। इस बीच आईपीएल फाइनल के टिकट, जिनकी शुरुआती कीमत ऊपरी-स्तरीय स्टैंड्स के लिए 2500 रुपए है और जो प्रेसिडेंट्स गैलरी के लिए 25000 रुएप तक जाती है, आधिकारिक वेबसाइट पर लगभग बिक चुके हैं। ऑनलाइन टिकट पाना अभी भी मुश्किल बना हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

आईसीसी ने महिला टी20 विश्व के लिए मैच अधिकारी घोषित किये

दुबई ।
अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अगले माह जून में होने वाले महिला टी20 विश्व कप 2026 के लिए मैच अधिकारियों की घोषणा कर दी है। इसके लिए घोषित सभी मैच अधिकारी महिलाएं हैं। यह लगातार तीसरा अवसर है जब टूर्नामेंट में पूरी तरह से महिला मैच अधिकारियों को रखा गया है। इस पैनल में चार अधिकारी कैंडेस ला बोर्डे, गायत्री वेणुगोपालन, केरिन क्लास्टे और शतिरा जाकिर जेसी हो पहली बार पैनल में शामिल किया गया है। यह टूर्नामेंट 12 जून से इंग्लैंड और वेल्स में खेला जाएगा। आईसीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजोग गुप्ता ने बताया कि महिला मैच अधिकारियों यह पैनल खेल के सभी पहलुओं में प्रतिनिधित्व बढ़ाने और महिला अधिकारियों की प्रगति के प्रति आईसीसी की प्रतिबद्धता को दिखाता है। इसमें 33 मैचों के लिए कुल 14 अंपायर और चार मैच रेफरी रखे गये हैं। जिनमें से 9 अधिकारी 2024 एडिशन से वापस लौटेंगे। ऑस्ट्रेलियाई अधिकारी क्लेयर पोलोसाक सबसे अनुभवी हैं, जो अपनी छठी उपस्थिति दर्ज करेंगी और उन्होंने पहले 22 मैचों में अंपायरिंग की है। वहीं जैकलीन विलियम्स और किम कॉटन भी 19-19 मैचों के अनुभव के साथ पांच टी20 विश्व कप के मील के पत्थर तक पहुंचेंगी। मैच रेफरी में शैंड्रे फ्रिट्ज, जीएस लक्ष्मी और मिशेल परेरा 2024 एडिशन से लौट रही हैं, जबकि न्यूजीलैंड की ट्रुडी एंडरसन भी इस समूह में शामिल हैं।

वैभव सूर्यवंशी ने अपने निडर होकर खेलने का राज बताया

नई दिल्ली।
आईपीएल में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण छाये वैभव सूर्यवंशी ने अपने निडर होकर खेलने का राज खोला है। वैभन ने कहा कि अगर वह तेजी से खेलने के प्रयास में शतक के पास पहुंचकर भी आउट भी होते हैं तो उन्हें कोई निराशा नहीं होती। इस उभरते हुए क्रिकेटर ने कहा, बचपन से, मेरे पापा हमेशा मुझसे कहते आए हैं कि अगर तुम तिहरा शतक भी लगा देते पर टीम नहीं जीतती है तो उसका कोई लाभ नहीं है। वे सिर्फ तुम्हारे निजी रिकॉर्ड के लिए हो सकते हैं पर उनसे टीम को कोई लाभ नहीं होता। क्रिकेट, आखिर में, एक टीम गेम है। इसलिए, अगर मैं शतक की जगह पर 80 रन बनाता हूं और मेरी टीम जीत जाती है, और अगर मेरे सेंचुरी बनाने के बाद भी हम नहीं जीतते, तो वह 80 रन मेरे लिए शतक से अधिक बढ़कर हैं। वैभव के अनुसार मुझे रोमी भिंडर सर का पहला कॉल आया, जो टीम मैनेजर हैं। मैं दुबई में था, और नीलामी भी वहीं हो रहा था। ट्रायल्स के बाद, मैंने उनसे बात की थी और उन्होंने मुझे बताया था कि वे मुझे लेंगे, और फिर हमने कॉल पर दो से तीन मिनट बात की, जबकि उन्होंने मुझे बधाई दी। अपने डेब्यू मैच में, मैंने पहली गेंद पर छक्का मारा, इसलिए यह एक बहुत ही खास पल और एक शानदार याद थी। फिर, मैंने उसी सीजन में शतक बनाया, जो मेरे परिवार और मेरे लिए बहुत गर्व का पल था। यह मेरा सिर्फ तीसरा मैच था, इसलिए अपने आईपीएल करियर की इतनी अच्छी शुरुआत करके बहुत अच्छा लगा, और मैं अब बस उसी लय को आगे बढ़ा रहा हूं।

सुप्रीम कोर्ट ने विनेश को एशियन गेम्स के ट्रायल में भाग लेने की अनुमति दी

डब्ल्यूएफआई की याचिका खारिज

नई दिल्ली ।
सुप्रीम कोर्ट ने महिला पहलवान विनेश फोगाफ को राहत देते हुए एशियन गेम्स के ट्रायल में हिस्सा लेने की अनुमति दे दी है। इससे पहले दिल्ली हाई कोर्ट ने भी विनेश के पक्ष में फैसला सुनाया था पर रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया(डब्ल्यूएफआई) उसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में पहुंच गयी थी। इस मामले में शुक्रवार को हुई सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने डब्ल्यूएफआई की याचिका को खारिज करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा। ऐसे में अब विनेश के गेम्स 2026 के ट्रायल्स में भाग लेने का रास्ता साफ हो गया है। अदालत ने कहा कि विनेश ने देश का सिर ऊंचा किया है। साथ ही कहा, अगर कोई और होता तो बात दूसरी होती। उसने देश को गर्व कराया है। सुप्रीम कोर्ट ने हालांकि इस पूरे मामले में हाई कोर्ट ने जिस तरह सुनवाई की, उस पर चिंता भी जताई पर उनके आदेश में हस्तपेक्ष से इनकार कर दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि हाई कोर्ट ने जिस तरीके से इस मामले की सुनवाई की, वह ठीक नहीं है। अदालत ने चेताया कि खेल प्रशासन में अदालतों की जरूरत से ज्यादा दखलअंदाजी से स्पोर्टिंग इकोसिस्टम पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। इससे पहले 22 मई को दिल्ली हाई कोर्ट की एक बेंच ने विनेश फोगाट को एशियाई खेलों के चयन ट्रायल में भाग लेने की अनुमति दे दी थी। अपने फैसले में हाई कोर्ट ने डब्ल्यूएफआई को फटकार लगाते हुए कहा था कि फेडरेशन की चयन नीति भेदभावपूर्ण थी क्योंकि मातृत्व अवकाश के बाद वापसी करने वाली उनकी नीति में दिग्गज खिलाड़ी पर विचार करने का उसमें कोई अधिकार नहीं था। हाई कोर्ट के इस फैसले को

डब्ल्यूएफआई ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। हाई कोर्ट ने अपने आदेश दिया था कि फेडरेशन 30 और 31 मई को होने वाले चयन ट्रायल की वीडियो रिकॉर्डिंग कराये।

सनराइजर्स टीम गेंदबाजी पर अधिक ध्यान नहीं देने से बाहर हुई - कोच

नई दिल्ली।

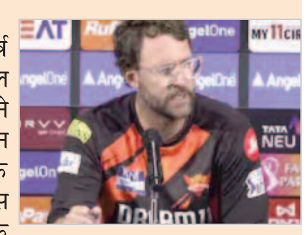

सनराइजर्स हैदराबाद के पूर्व मुख्य कोच टॉम मूडी ने आईपीएल से बाहर होने पर कहा कि टीम ने अबतक बल्लेबाजी पर ही ध्यान दिया है और अपने आक्रामक अंदाज से प्रशंसा पायी है पर इस दौरान टीम गेंदबाजी पर अधिक ध्यान नहीं दे पायी। जिसका नुकसान उसे उठाना पड़ा है। कोच के अनुसार टीम का बल्लेबाजी पर जरुरत से ज्यादा देना अच्छी बात है पर जीत के लिए गेंदबाजी पर भी जोर देना होगा। उन्होंने आगे कहा कि टीम में संतुलन बनाने के लिए फ्रेंचाइजी को अपनी गेंदबाज इकाई पर और ज्यादा ध्यान देना होगा। मूडी के अनुसार टीम के एलीमिनेटर मुकाबले में मिली हार से एक बार फिर ये कमजोरी सामने आई है। आईपीएल में टीम अंक तालिका में तीसरी सबसे अच्छी टीम के तौर पर प्लेऑफ में पहुंची थी। उसके बल्लेबाजों हेनरिक क्लासेन ने 624 रन, ईशान किशन ने 602 रन, अभिषेक शर्मा ने 563 रन और ट्रैविस हेड ने 410 रन बनाये। वहीं गेंदबाजी में ईशान मलिंगा ही 20 विकेट और साकिब हुसैन ही 15 विकेट विकेट ले पाये। प्रफुल हिंगे और शिवांग कुमार ने काफी उम्मीदें थीं पर वे उसके अनुसार सफल नहीं हुए। मूडी के अनुसार टीम के पासा पैट कमिंस के अलावा कोई स्टार गेंदाबाज नहीं था। मूडी ने कहा, यह एक तारीफ के काबिल तरीका है पर इसकी एक कीमत चुकानी पड़ती है। इस तरीके से वे अभी तक ट्रॉफी नहीं जीत पाए हैं। हां, वे अपने को अवसर देने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन इसकी कीमत यह भी है कि आपको उस तरीके में निवेश करना पड़ता है। जब गेंदबाज की बात आती है, तो वह निवेश नहीं हो पाता। इसलिए आप गेंदबाज इकाई के तौर पर खेलने के तरीके पर बहुत सारा पैसा खर्च कर रहे हैं। आपके पास एक मजबूत गेंदबाज ईकाई बनाने के लिए जरूरी पैसे कम पड़ जाते हैं, जो स्कोर का बचाव कर सकें। उन्होंने कहा, यह सब कुछ संतुलन बनाने की कोशिश के बारे में है और मुझे लगता है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु इसमें सफल रही है।

पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद यूसुफ ने वैभव की तुलना शाहिद अफरीद से की

भारतीय प्रशंसक भड़के

लाहौर ।
पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद यूसुफ भी आईपीएल में धमाकेदार बल्लेबाजी कर रहे वैभव सूर्यवंशी के मुरीद हो गये हैं। वैभव ने जिस प्रकार आईपीएल के 19 वें सत्र में बल्लेबाजी की है उसकी तारीफ करते हुए यूसुफ ने कहा कि उनकी बल्लेबाजी देखकर उन्हें पूर्व विस्फोटक ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी के शुरुआती दिनों की याद आती हे। उन्होंने वैभव को अफरीदी की तरह बेखौफ, आक्रामक और ऊर्जा से भरपूर बताते हुए क्रिकेट का भविष्य कहा है। । वहीं मोहम्मद यूसुफ की इस तुलना से भारतीय क्रिकेट प्रशंसक भड़क गये।

आइस हॉकी वर्ल्ड चैंपियशिप 2027 में तीन टीमों के साथ उतरेगा भारत

कुआलालंपुर।
भारत की अंडर-20 पुरुष टीम को एशियन कप 2027 क्वालीफायर्स के ग्रुप बी में रखा गया है। भारतीय टीम उज्बेकिस्तान, सीरिया और बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगी। इसकी घोषणा एफसी हाउस में हुए ड्रॉ के बाद की गई। उज्बेकिस्तान 25 अगस्त से 6 सितंबर, 2026 के बीच अपनी राजधानी ताशकंद में एक सेंट्रलाइज्ड एकल राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में ग्रुप बी की मेजबानी करेगा। इस साल की शुरुआत में घोषित एएफसी युवा प्रतियोगिताओं के नए फॉर्मेट के अनुसार, एएफसी अंडर-20 एशियन कप क्वालीफायर्स में एक दो-चरण वाली प्रणाली शुरू की गई है, जिसमें प्रमोशन और रेलिगेशन का तंत्र शामिल है। क्वालिफिकेशन चरण में, 32 टीमों को चार-चार टीमों के आठ ग्रुप में बांटा गया है। इनमें से ग्रुप विजेता और सात सर्वश्रेष्ठ दूसरे स्थान पर रहने वाली टीमें एएफसी अंडर-20 एशियन कप के 43वें संस्करण के लिए आगे बढ़ेंगी। वहीं, प्रत्येक ग्रुप की सबसे नीचे रहने वाली टीम को अगले संस्करण के डेवलपमेंट चरण में भेज दिया जाएगा। आगामी क्वालीफायर्स के डेवलपमेंट चरण के लिए, 12 टीमों को चार-चार टीमों के तीन ग्रुप में बांटा गया है। इनमें से तीन ग्रुप विजेता और प्रत्येक ग्रुप की दूसरे स्थान पर रहने वाली तीन टीमों को अगले संस्करण के क्वालिफिकेशन चरण में प्रमोट किया जाएगा। टीमों का वरीयता क्रम पिछले तीन संस्करणों (2018, 2023, 2025) में उनके प्रदर्शन और प्रतियोगिता में भाग लेने वाली टीमों की संख्या के आधार पर तय किया गया था। 20वें स्थान पर मौजूद भारत को क्वालिफिकेशन चरण में पॉट 3 में रखा गया था। भारत का लक्ष्य 2006 के बाद पहली बार एएफसी अंडर-20 एशियन कप के लिए क्वालीफाई करना होगा। 2006 में भारत ने ही इस टूर्नामेंट की मेजबानी की थी। इस टूर्नामेंट में भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1974 में ईरान के साथ संयुक्त विजेता बनना रहा है। पिछले संस्करण (2025) में, भारतीय टीम गोल

अंतर के आधार पर क्वालीफाई करने से मामूली अंतर से चूक गई थी। क्वालिफिकेशन चरण के ग्रुप ए में, 12 बार के चैंपियन कोरिया गणराज्य का मुकाबला मेजबान किर्गिज गणराज्य, फिलीपींस और लेबनान से होगा। वहीं ग्रुप बी में मेजबान उज्बेकिस्तान के सामने सीरिया, भारत और बांग्लादेश की टीमें होंगी।

हरभजन के सवाल पर सहवाग और चोपड़ा बोले, वैभव को नीलामी में मिल सकते है 30 करोड़ रुपये

मुम्बई ।
इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी छाये हुए हैं। वैभव ने जिस प्रकार एक एक के बाद एक नये रिकार्ड बनाये हैं। उससे भी उनकी कीमतें बढ़ीं है। अब कहा जा रहा है कि वैभव पर अगली नीलामी में 30 करोड़ रुपये तक की बोली लग सकती है। वैभव ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ एलिमिनेटर मुकाबले में केवल 16 गेंदों में ही तेजी से अर्धशतक लगा दिया था। उनकी 29 गेंदों में 97 रनों की विस्फोटक देखकर सभी हैरान हैं। इस पारी के साथ ही सूर्यवंशी ने एक सीजन में सर्वाधिक छक्के लगाने का वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिस गेल का वैभव की इसी आक्रामक बल्लेबाजी को देखकर पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने कमेंट्री के दौरान वीरेंद्र सहवाग से पूछा कि अगर यह युवा खिलाड़ी नीलामी में आता है तो वह कितनी रकम देंगे। सहवाग ने बिना देर किये कहा कि वह 30 करोड़ रुपये देंगे। वहीं पूर्व भारतीय बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने भी इतनी ही रकम देने की बात कही। वहीं अभी राजस्थान रॉयल्स ने वैभव सूर्यवंशी को आईपीएल नीलामी में केवल 1.10 करोड़ रुपये में खरीदा था, जो उसके प्रदर्शन को देखते हुए काफी कम है। 15 साल के वैभव ने आईपीएल 2026 में अब तक 15 मैचों में कुल 680 रन बनाए हैं। उनका औसत 45.33 का रहा है और सबसे हैरानी की बात है कि उनका 242.86 का अविश्वसनीय स्ट्राइक रेट है। इस सीजन में वह सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं और ऑरेंज कैप पर कब्जा जमाए हुए हैं, जो किसी भी युवा खिलाड़ी के लिए एक असाधारण उपलब्धि है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा शुभ रहेगी। काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शुभांक-2-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। पारिवारिक विवाद टालें। अच्छे समय का इन्तजार करें। शुभांक-1-5-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय व प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। शुभांक-3-4-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। कर्ज लेने से बचें। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। शुभांक-2-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-1-5-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। --कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 3904

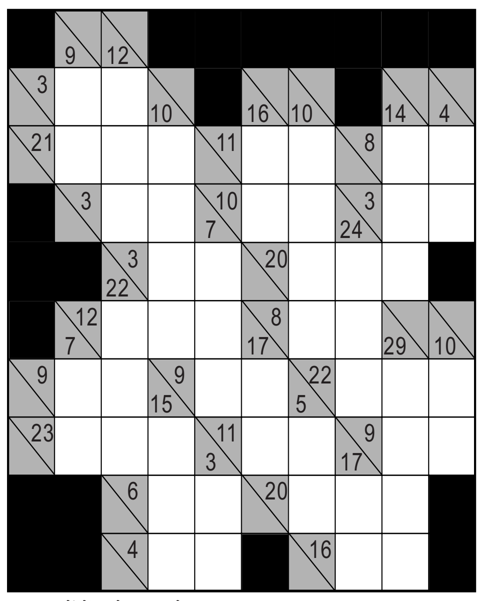

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

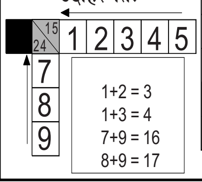

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 3903 का हल

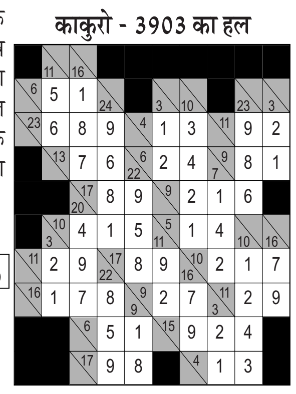

हंसी के फूव्वारें

जज ने अभियुक्त से कहा-'तुम पर मोटर तेज चलाने का इल्जाम है. क्या तुम अपना इल्जाम स्वीकार करते हो?'

'जी हां, मीलार्ड, मगर ?'

'मैंने कोई अपराध नहीं किया.' अभियुक्त सफाई देते हुए बोला-'मेरी मोटर के ब्रेक खराब थे,इसलिये मैंने सोचा कि जल्दी से घर पहुँच जाऊं. कहीं ऐसा न हो कि कोई एक्सीडेंट हो जाए !'

□ □ □

एक सेठ बीमार पड़ गया.

डाक्टरों ने उसे राय दी कि वह विदेश जाकर दवा कराये तो उसने अपने मुंशी से पूछा-'मुंशी जी ! विदेश जाकर दवा कराने में कितना खर्च होगा ?'

'लगभग बीस हजार !'

'और क्रिया-कर्म में ?'

'लगभग पांच हजार !'

'तो फिर इलाज से मरना ही ज्यादा फायदेमंद रहेगा.' सेठ ने ठण्डी सांस लेते हुए कहा.

□ □ □

रमेश ने महेश से पूछा-'जब सेब पेड़ से नीचे गिरा तो न्यूटन को बहुत आश्चर्य हुआ.'

महेश-'पागल था वह ?'

रमेश-'वह कैसे ?'

महेश-'आश्चर्य की बात तो तब होती जब सेब नीचे से ऊपर जाता.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 3904

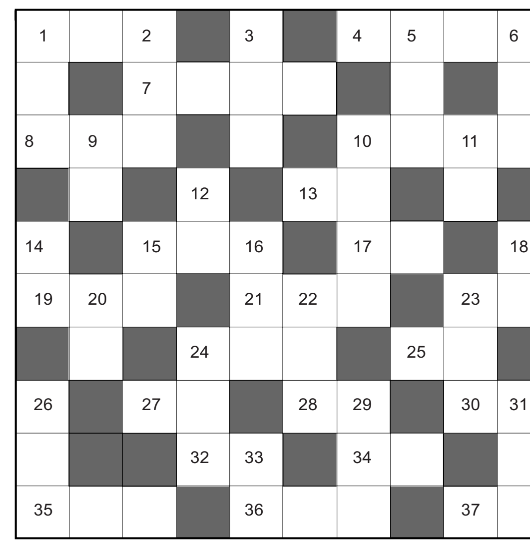

बायें से दायें:-

१. अशोककुमार, नूतन, धर्मेन्द्र की 'ओ जाने वाले' गीत वाली फिल्म-३
४. गोविंदा, शिल्पा शेट्टी की 'स्पॉप दैट मेरी मर्जी' गीत वाली फिल्म-४
७. 'आज गालो मुस्कुरालो' गीत वाली राजेंद्र, धर्मेन्द्र, माला की फिल्म-३
८. फिल्म 'कभी कभीण' में ऋषिकपूर के साथ किस की जोड़ी थी-३
१०. १९७१ में आई अमिताभ, योगिता बाली का एक फिल्म-४
१३. 'कभी शाम ढले' गीतवाली फिल्म-२
१५. 'गोरी तेरा नखरा' गीत वाली बॉबी देओल, करिश्मा की फिल्म-३
१७. 'शादी के लिये रजामंद' गीत वाली फिल्म-२
१९. सैफ अली, काजोल की फिल्म-३
२१. अनिलधवन, नीतू सिंह की 'तेरी गलियों में ना' गीतवाली फिल्म-३
२३. 'तु मेरे पास भी है' गीत वाली फिल्म-२
२४. राजेंद्रकुमार, साधना की फिल्म-३
२५. अनिलकपूर, माधुरी की 'खत लिखना है' गीतवाली फिल्म-२
२७. राजीव, डिम्पल की फिल्म-२
२८. संजयदत्त, अभिषेक, जायेद, एशा, राइमा, शिल्पा की फिल्म-२
३०. 'तसवीर तेरी दिल में' गीत वाली देवआनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
३२. फिल्म 'हम तो मुहब्बत करेगा' में बॉबी देओल के किरदार का नाम-२
३४. 'देखें भी तो क्या' गीत वाली फिल्म-२
३५. 'चुराओ ना दिल' गीत वाली फिल्म-३
३६. दिलीपकुमार, वैजयंतीमाला की 'तेरे हुस्न की क्या' गीत वाली फिल्म-३
३७. फिल्म 'अलग-अलग' में राजेश खन्ना की नायिका कौन थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'तेरे नैना मेरे नेनों की' गीत वाली फिल्म-३
२. फिल्म 'खुदगर्ज' में नायिका कौन थी-३
३. अनिलकपूर, माधुरी नम्रता की फिल्म-३
५. 'सैंया दिल में आना रे' गीतवाली फिल्म-३
६. फिल्म 'बारूद' में अक्षय की नायिका-३
९. बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२
१०. 'जरा तसवीर से तू' गीत वाली फिल्म-४
११. 'एक दूजे के लिए' में कमल हासन के किरदार का क्या नाम था-२
१२. फिल्म 'चोर मचाए शोर' में नायक-२
१४. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तन्हाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'शीशा हो या दिल हो' गीत वाली फिल्म-२
१६. सुनील शेट्टी, सोनाली की 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली गोविंदा, नीलम की फिल्म-२
२०. 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'और हम तुम' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी दीक्षित की फिल्म-३
२३. फिल्म 'निकाह' की नायिका-३
२४. राज कपूर, नर्गिस की 'दम भर जो उधर' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'जब ना माना दिल' गीत वाली कमल सदाना, काजोल की फिल्म-३
२९. राजेश खन्ना, शर्मिला की 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'मेरा पिया' गीत वाली माधुरी की फिल्म-३
३३. विक्रम, लक्ष्मी की 'दिल क्या करे जब किसी को' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3903

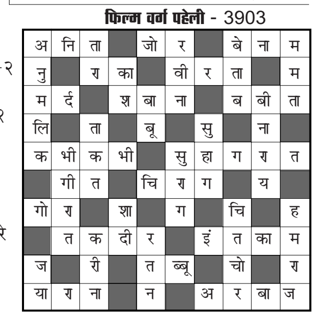

सूडोकु -3904

				5	1	4		
			7				2	
		8						3
	1							8
5				4				9
7							6	
4						7		
	2				6			
		3	9	8				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3903 का हल

4	7	6	3	5	2	9	1	8
5	9	8	6	7	1	4	3	2
2	3	1	8	9	4	7	6	5
6	8	5	7	3	9	2	4	1
3	2	4	5	1	6	8	7	9
7	1	9	4	2	8	3	5	6
8	4	3	2	6	5	1	9	7
1	5	2	9	4	7	6	8	3
9	6	7	1	8	3	5	2	4

शब्द पहेली - 3904

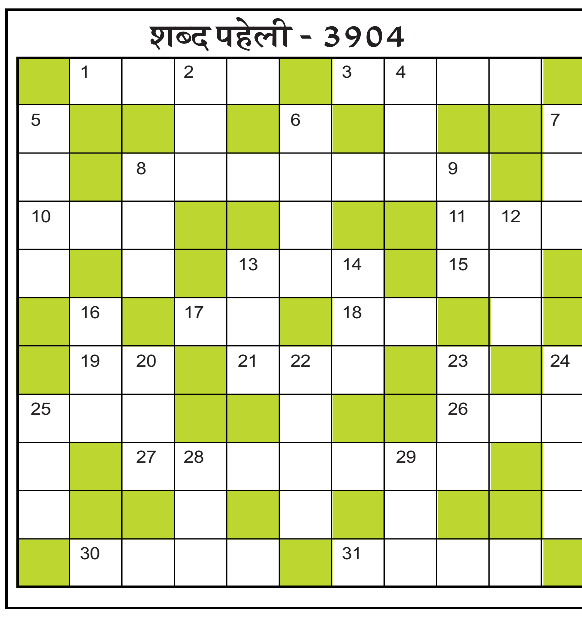

बाएँ से दाएँ

1.मरघट,कब्रिस्तान-4
3.पागल,बुद्धिहीन-4
8.भगवान,ईश्वर,खुदा-7
10.डांटना,दुत्कार-3
11.तरुण,किशोर-3
13.ओट,घूँघट-3
15.तपस्या-2
17.पराया,अजनबी-2
18.आनंद,मौज-2
19.सूर्य,भास्कर-2
21.चिंतन,सोच विचार-3
25.वेणी,फूलों की माला जो बालों में लगाते हैं-3
26.वैद्य-3
27.आभास करना-4,3
30.शिव के इस मंदिर को महमूद गजनवी ने कई बार लूटा था-2,2
31.युद्धघोष,आक्रमण, हमला-4

ऊपर से नीचे

2.कवि,गजलकार-3
4.भारत का झंडा-3
5.ईश्वर,भगवान-4
6.गुरुवार-4
7.दुर्ज,पापी,भूत-3
8.शरण,आश्रय-3
9.चांदी-3
12.उत्तराधिकारी-3
13.उत्कृष्ट,प्रधान-3
14.आंचल-3
16.कमल-3
20.रुकना,अंत, ठहराव-3
22.उत्तमता, खूबी (उर्दू-4)
23.बर्दाश्त करना, निभाना-3
24.आय, कमाई-4
25.उष्ण-3
28.पराजित करना-3
29.उपपत्नी,दूसरी पत्नी-3

शब्द पहेली -3903 का हल

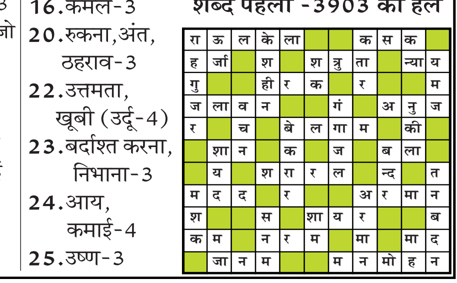

खेल-खेल में तंदुरुस्ती

सुबह जल्दी उठने के फायदे हर कोई जानता है, पर जल्दी उठना हर किसी के बस की बात नहीं है। इस कारण आपको एक्सरसाइज करने के लिए समय नहीं मिल पाता। सुबह की गई एक्सरसाइज फिजिकली और मेंटली आपके लिए बहुत जरूरी है। इसलिए अपनी दिनचर्या में लाएं कुछ बदलाव-

- रात को सोते समय घड़ी में अलार्म फिक्स कर दें और रोजाना फिक्स टाइम पर उठें।
- नींद खुलते ही गहरी अंगड़ाइयां लें। हाथों और पैरों को तानकर गहरी सांस लें। इस तरह ताजगी और स्फूर्ति से भरपूर दिन की शुरुआत होगी।।
- सुबह उठते ही 2-3 गिलास सादा पानी या नींबूपानी पीएं। इसके बाद घूमने जाएं, चाहें तो छत पर पंद्रह मिनट ही टहल लें।
- फर्श पर बैठने की आदत डालें। खाएं, नहाएं या पढ़ें, बार-बार नीचे उठे-बैठें। लिफ्ट की बजाय सीढ़ियों से उतरने-चढ़ने की आदत डालें। इससे आप एक्टिव रहेंगे व मोटापा नहीं बढ़ेगा।
- ब्रेकफास्ट फलों और अंकुरित अनाज का करें।
- म्यूजिक का शौक है, तो थिरकने की आदत डालें। मन भी खुश रहेगा और सेहत भी दुरुस्त।
- वर्क आउट करने का समय न मिलता हो, तो घरेलू काम करें, जैसे पलंग की चादर ठीक करना, घर व्यवस्थित करना, अलमारियां जमाना, पोंछा लगाना, कपड़े सूखने डालना। ये काम भी शरीर को फ्लैक्सीबल बनाने में मददगार हैं।
- वीकएंड पर अपने बच्चों या दोस्तों के साथ बैडमिंटन, क्रिकेट, टैनिस, फुटबॉल, वॉलीबॉल, खो-खो, लुकाछिपी इत्यादि खेलें। इससे आपकी एक्सरसाइज भी हो जाएगी और बच्चों का मन भी बहल जाएगा।

खाया-पिया नहीं लगता ?

अंडरवेट होना कई बीमारियों व स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बनता है, इसलिए आपको रखना होगा सेहत का खास ख्याल...

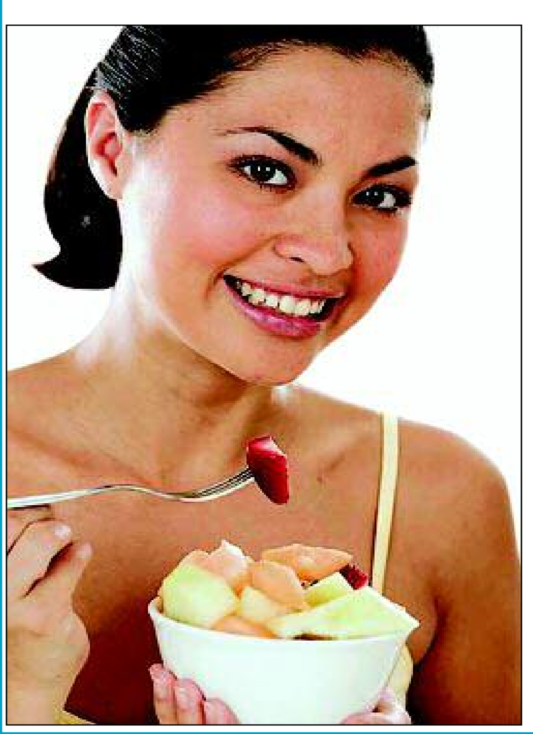

दुबले-पतले और काफी कमजोर लोगों को एक्टोमॉर्फ कहा जाता है। उनकी मसल्स कमजोर और मेटाबॉलिज्म काफी तेज होता है। इसलिए उनका वजन बढ़ने में परेशानी होती है। उन्हें 'हार्ड गेनर्स' यानी जिन्हें खाया-पीया नहीं लगता, भी कहा जाता है। इसलिए एक्टोमॉर्फ्स को अपने शरीर व सेहत का खास ध्यान रखने की जरूरत होती है।

मेटाबॉलिज्म रेट ज्यादा होने की वजह से उन्हें कम से कम आठ घंटे की नींद लेनी चाहिए और हो सके, तो दिन में भी झपकी लेनी चाहिए।

हफ्ते में उन्हें चार दिन एक्सरसाइज जरूर करनी चाहिए, पर जरूरत से ज्यादा खुद को थकाएं नहीं। ब्रिस्क वॉक और ट्रेडमिल पर चलना बेहतरीन एरोबिक एक्सरसाइज हैं। बॉडी के सभी हिस्सों की बराबर एक्सरसाइज करें।

कुछ भी खाते समय ध्यान रखें कि उसमें प्रोटीन ज्यादा और फैट कम होना चाहिए। दो या तीन बार ज्यादा खाने की बजाय छह या सात बार थोड़ा-थोड़ा खाएं। खाने में फाइबर की मात्रा बढ़ाएं और शुगर की मात्रा कम करें। दालें, स्प्राउट्स, पनीर, सूखे मेवे, अंडा, चिकन, मछली इत्यादि डाइट में शामिल करें।

तनाव से बचने के लिए योगा और मेडिटेशन अपनाएं। अगर आपको तनाव नहीं होगा, तो मसल्स तेजी से बन सकती हैं। लस्सी, नींबू-पानी, फलों का रस लें। दिन में कम से कम दो गिलास दूध जरूर लें और खूब पानी पिएं।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

जल्द ही बड़े पर्दे पर डांस का जलवा दिखाएंगे अहान

अहान पांडे की रोमांटिक ड्रामा हिट फिल्म 'सैयारा' के बाद से ही फैंस उनकी आगामी फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अहान जल्द ही पहली बार बड़े पर्दे पर एक अलग तरह के किरदार में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन अली अब्बास जफर करेंगे।

अहान पांडे ने अपनी पहली ही फिल्म 'सैयारा' से बॉलीवुड में एक रोमांटिक हीरो के रूप में अपनी खास पहचान बना ली है। आज की युवा पीढ़ी उनकी दीवानी हो चुकी है। इस फिल्म से पहले अहान का एक वेडिंग डांस वीडियो यूट्यूब पर काफी वायरल हुआ था, जिसे 46 मिलियन (4.6 करोड़) से ज्यादा बार देखा गया। इस वीडियो में वह अलाना पांडे की शादी में अनन्या पांडे के साथ 'सात समुंदर पार' और अकेले 'आई एम द बेस्ट' गाने पर नाचते हुए दिखे थे। फैंस को उम्मीद थी कि निर्देशक मोहित सूरी अपनी फिल्म 'सैयारा' में अहान का कोई डांस नंबर रखेंगे, लेकिन फिल्म की कहानी के कारण ऐसा नहीं हो सका। लेकिन अब फैंस की यह ख्वाहिश जल्द ही पूरी हो सकता है। अहान के फैंस का इंतजार अब खत्म होने वाला है। इस समय वे निर्देशक अली अब्बास जफर की एक रोमांटिक-एक्शन फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं, जिसमें उनके साथ अभिनेत्री शरवरी भी हैं। इस फिल्म में अहान का पहला ऑन-स्क्रीन डांस नंबर होने जा रहा है। इस गाने की शूटिंग यूके के मैनचेस्टर शहर में होगी। गाने को फिल्माने के लिए 4 दिनों का समय तय किया गया है। अहान इसमें पुराने दिग्गज सितारों की तरह क्लासिक बॉलीवुड अंदाज में नाचते और गाते हुए नजर आएंगे। अहान शूटिंग के बचे हुए दिनों में अपने डांस स्टेप्स को और बेहतर करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। यश राज फिल्म्स इस गाने के लिए देश के एक बड़े कोरियोग्राफर को चुनने की तैयारी में है। मेकर्स का मकसद एक ऐसा गाना बनाना है, जिसके डांस स्टेप्स हर कोई कॉपी करना चाहे और जो सोशल मीडिया पर वायरल हो जाए।

सोनाक्षी सिन्हा ने रिवर्स नेपोटिज्म पर की बात

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'सिस्टम' को लेकर चर्चाओ में हैं। यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने वाली है। यह एक कोर्टरूम ड्रामा फिल्म है, जिसमें सोनाक्षी एक वकील के किरदार में नजर आएंगी। सोनाक्षी ने इससे पहले फिल्म और अपने किरदार को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने बताया कि इसमें रिवर्स नेपोटिज्म पर कमेंट भी है।

संघर्ष कर रही महिलाओं से प्रेरित है किरदार

सोनाक्षी ने फिल्म को लेकर कहा कि फिल्म में कई ऐसे मुद्दों को उठाया गया है, जिनके बारे में हम शायद सोचते भी नहीं। ये वास्तविक लोगों, वास्तविक घटनाओं और हमारे आसपास घटने वाली चीजों से प्रेरित है। कई जगहों पर फिल्म आपको सोचने पर मजबूर कर देती है। कोई भी फिल्म जो आपको सोचने पर मजबूर कर दे, वह अच्छी फिल्म होती है। अपने किरदार नेहा राजवंश को लेकर सोनाक्षी ने कहा कि वह अपने पेशे की वजह से नहीं बल्कि अपने व्यक्तित्व की वजह से लोगों से जुड़ाव महसूस कराता है। वह कई खामियों से भरी, बहुआयामी और अपनी गलतियों से जूझने वाली महिला है, जिसके अपने अंदरूनी संघर्ष हैं। ये सभी बातें मुझसे और निश्चित रूप से उन कई और महिलाओं से भी जुड़ी हुई हैं, जो खुद को साबित करने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन जिन्हें आसानी से सफलता नहीं मिलती।

फिल्म में सोनाक्षी का किरदार नेहा वकीलों के परिवार से आता है। उसके पिता देश के बड़े डिफेंस लॉयर में से एक हैं। लेकिन वो चाहते हैं कि उनकी बेटी फैमिली बिजनेस में शामिल होने से पहले एक वीकल के रूप में काम करके खुद को साबित करे। इस बात पर नेहा अपने पिता से पूछती है, 'यह किस तरह का रिवर्स नेपोटिज्म है?' फिल्म की इस लाइन और कहानी को लेकर सोनाक्षी ने कहा कि यह कहानी कुछ हद तक मेरी अपनी जिंदगी से मिलती-जुलती है। उन्होंने कहा कि सच कहूं तो मेरे साथ भी ऐसा ही हुआ है। मेरे पिता हमेशा मुझसे कहते रहे हैं, 'तुम्हें खुद को साबित करना होगा।' क्योंकि वो खुद भी ऐसे ही थे। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि तुम कौन हो; जीवन में आगे बढ़ने के लिए तुम्हें खुद को साबित करना होगा। इसी तरह तुम्हें वह मिलता है, जिसके तुम हकदार हो। इसलिए यह बात भी मेरे लिए बहुत मायने रखती है।

पैन-इंडिया की पीरियड ड्रामा फिल्म 'इंडिया हाउस' में नजर आएंगी सई मांजरेकर

अभिनेत्री सई मांजरेकर फिल्ममेकर महेश मांजरेकर की बेटी हैं और धीरे-धीरे इंडस्ट्री में अपना नाम बना रही हैं। सई का मानना है कि भले ही उनके पिता इंडस्ट्री का बड़ा नाम हैं, लेकिन आने वाले समय में केवल अनुशासन, काम के प्रति लगन और कड़ी मेहनत ही उनकी सफलता की पूंजी होगी। अपनी यात्रा को लेकर अभिनेत्री ने कहा, 'मैं हमेशा से अपने फिल्मी बैकग्राउंड के आराम से बाहर निकलकर अपनी खुद की पहचान बनाना चाहती थी। मेरे लिए, विकास लगातार सीखने, अपने काम के जरिए खुद को साबित करने और इन सबके बीच जमीन से जुड़े रहने से आता है।' अभिनेत्री ने आगे बताया कि हर किसी की यात्रा चुनौतियों के साथ आती है और उसकी तुलना करने के बजाय हमें अपने विकास पर ध्यान देना चाहिए। अभिनेत्री सई मांजरेकर बचपन से ही डांस के प्रति गहरी रुचि रखती थीं और अभिनय की दुनिया में आने से पहले उन्होंने अपने पिता की फिल्म 'अस्तित्व' (2018) में एक सहायक निर्देशक के रूप में भी काम किया था। इसके बाद साल 2019 में दबंग-3 में 'खुशी चौटाला' की भूमिका से बॉलीवुड में डेब्यू किया और अपनी पहली ही फिल्म से दर्शकों का ध्यान खींचा। अभिनेत्री जल्द ही पैन-इंडिया पीरियड ड्रामा फिल्म 'इंडिया हाउस' में नजर आएंगी। यह फिल्म 1905 के लंदन में स्वतंत्रता-पूर्व काल की वास्तविक घटनाओं पर आधारित एक पीरियड ड्रामा है, जो प्रेम और क्रांति की भावना को दर्शाती है, जिसकी शूटिंग हिंदी और तेलुगु दोनों भाषाओं में हुई है। सई मांजरेकर इसमें 'सती' नाम की लड़की का किरदार निभा रही हैं। उनका लुक काफी पारंपरिक है।

...क्या पिता जितेंद्र के साथ स्क्रीन शेयर नहीं करना चाहते तुषार कपूर

दिग्गज सितारों के बेटे जब अभिनय जगत में आते तो दर्शकों के मन में दोनों को पर्दे पर एक साथ देखने की ख्वाहिश भी आ जाती है। इंडस्ट्री में पिता-पुत्र की जोड़ी के कई ऐसे उदाहरण भी हैं, जब दोनों ने फिल्मों में साथ काम किया है। हालांकि, इसे लेकर अभिनेता तुषार कपूर थोड़ा अलग विचार रखते हैं। हाल ही में उन्होंने इसे लेकर चुप्पी तोड़ी। तुषार कपूर का मानना है कि बेहतर होगा कि वे और उनके पिता अपना रिश्ता ऑफ कैमरा ही बनाए रखें। बातचीत के दौरान तुषार कपूर ने इस बारे में बात की। इस दौरान अभिनेता ने अपने पिता जितेंद्र के साथ स्क्रीन शेयर करने के बारे में कहा, 'अगर मुझे अपने पिता के साथ काम करना पड़ा, तो मैं बहुत ज्यादा सचेत रहूंगा। मुझे लगता है कि बेहतर यही है कि हम अपने रिश्ते को कैमरे से दूर ही रखें'। तुषार कपूर ने और किरदार एक्सप्लोर करने की बात भी कही। उन्होंने कहा, 'मेरे आक्रामक, रफ एंड टफ साइड को और ज्यादा एक्सप्लोर किए जाने की जरूरत है। लोगों ने ज्यादातर मेरा फनी और सॉफ्ट साइड ही देखा है'।

क्या वेदांग की जिंदगी में प्यार की हुई दस्तक?

वेदांग रैना काफी समय से सिंगल हैं। खुशी कपूर से उनका ब्रेकअप हो चुका है। दोनों ने कभी ना अपने रिश्ते को स्वीकार किया था, ना ही कभी ब्रेक की घोषणा की। लेकिन उनके करीबी इस बात को स्वीकार कर चुके हैं कि दोनों का ब्रेक हो चुका है। अब वेदांग रैना को न्योमिका सरन के साथ देखा गया है। वायरल वीडियो में दोनों के बीच अच्छी केमिस्ट्री नजर आ रही थी। न्योमिका की बात करें तो वह अक्षय कुमार की रिश्तेदार हैं। न्योमिका अक्षय कुमार की साली रिंकी खन्ना की बेटी हैं। पिछले दिनों वह सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में रहीं, उनके लुक और स्टाइल को काफी पसंद किया गया।

फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' में वेदांग आएंगे नजर

इम्तियाज अली निर्देशित फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' 12 जून 2026 को देश भर के सिनेमाघरों में रिलीज हो जाएगी। इस फिल्म में दिलजीत दोसांझ, नसीरुद्दीन शाह, वेदांग रैना और शरवरी अहम किरदार निभा रहे हैं। इस फिल्म का संगीत एआर रहमान ने दिया है, गीत इरशाद कामिल ने लिखे हैं। फिल्म के हालिया रिलीज ट्रेलर की भी खूब चर्चा है, इसमें वेदांग की एक्टिंग को पसंद किया जा रहा है।

सोशल मीडिया के पागलपन पर रोक लगाना जरूरी

आहिस्ता-आहिस्ता ही सही पंजाबी फिल्मों की हीरोइन रही वामिका गब्बी ने बॉलिवुड में जगह बना ही ली। एक समय में छोटी-छोटी भूमिकाएं करने वाली वामिका ने मुख्यधारा की नायिका बनने के लिए लंबा इंतजार किया। ग्रहण जैसी वेब सीरीज से चमकी वामिका ने जुबली और खुफिया जैसे ओटीटी प्रोजेक्ट्स से अपनी जमीन पुख्ता की। आज उन्हें अक्षय कुमार, राजकुमार राव और आयुष्मान खुराना जैसे इंडस्ट्री के टॉप हीरोज की हीरोइन बनने का मौका मिल रहा है।

एक समय इंडस्ट्री से निराश होकर बोरिया -बिस्तर समेटने का मन बना चुकी वामिका अपने मुकाम को इंजॉय कर रही हैं। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपनी हालिया फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' से।

सोशल मीडिया के दौर में वामिका गब्बी को कभी तारीफ मिलती है, तो कई बार वे ट्रोल भी जाती हैं। हाल ही में वे उस वक्त ट्रोल हो गईं थीं, जब वे साथी कलाकार राजपाल यादव को तवज्जो नहीं दे पाई थी। सोशल मीडिया की ट्रोलिंग को लेकर वामिका दो टूक कहती हैं, 'मैं समझती हूं कि सोशल मीडिया पर निश्चित रूप से रेगुलेशन होनी चाहिए, क्योंकि यहां पर कोई भी मुंह उठाकर आता है और कुछ भी बोलकर चला जाता है। सोशल मीडिया पर कुछ भी बोलने की कोई अकाउंटेबिलिटी नहीं होती। एक तो सिर्फ एक्टर्स के वेरिफाइड अकाउंट होते हैं। मुझे लगता है हर किसी का वेरिफाइड अकाउंट होना चाहिए। सोशल मीडिया के इस पागलपन पर रोक लगनी जरूरी है। वरना लोग तो पहले से ही पागल हो रहे हैं।'

वामिका से जब पूछा जाता है कि उन्हें किस तरह के हज्बैंड की ख्वाहिश है? तो वे तपाक से हंसते हुए कहती हैं, 'ये आप कैसा सवाल पूछ रही हैं? इसका जवाब तो बहुत मुश्किल है। (सोचते हुए) मेरा होने वाला पति जानवरों से प्यार करने वाला हो। वो फ्रीडम में विश्वास रखे। उसमें बदलाव को स्वीकार करने का गुण हो। कई लोग खुद को बदलने में यकीन नहीं करते, तब बहुत मुश्किल आती है। देखिए, कंपैटिबिलिटी जरूरी है, मगर मेरे होने वाले जीवनसाथी में ये बातें बहुत जरूरी हैं। और भी पॉइटंस हैं, जिन्हें मैं जल्द ही फिगर आउट करूंगी।

कैट फाइट्स ही क्यों, डॉग फाइट्स भी तो होती हैं इंडस्ट्री में कैट फाइट्स जैसा टर्म बहुत मशहूर रहा है। इस पर उस वक्त और ज्यादा चर्चा होती है, जब एक फिल्म में कई एक्ट्रेसेस हों। वामिका की हालिया फिल्म में उनके साथ सारा अली खान के साथ - साथ रकुल प्रीत भी हैं। मगर वामिका कैट फाइट्स टर्म का बचाव करते हुए कहते हैं, 'कैट फाइट्स ही क्यों डॉग फाइट्स भी तो होती हैं। हर जगह हर तरह की फाइट्स होती हैं, ये तो निर्भर करता है कि आप किन लोगों के साथ काम कर रहे हैं। हमारी फिल्म की शूटिंग के दौरान हम सभी ने बहुत ही मजेदार वक्त बिताया। क्लाइमैक्स की शूटिंग के दौरान तो पूरी कास्ट साथ थी और शूटिंग की लोकेशन होटल से एक घंटे की दूरी पर थी, तो हम सभी एक साथ शूट पर जाया करते थे। पंजाबी म्यूजिक के साथ - साथ हम लोग खाना भी साथ खाते। हमने तो एक साथ जिमिंग और स्विमिंग भी की।'

मैं कॉमिडी जॉनर को एक्सप्लोर करना चाहती हूं

अब तक कई गंभीर भूमिकाएं कर चुकी वामिका कॉमिडी के बारे में कहती हैं, 'कॉमिडी करना आसान नहीं था, मगर इसे करते हुए मुझे बहुत मजा आया। मुझे लगा कि मुझे यही करना था। मैं तो इस जॉनर को एक्सप्लोर करना चाहती हूं। इस फिल्म की शूटिंग के दौरान भी मैं मुदस्सर सर (निर्देशक मुदस्सर अजीज़) के पास कई कॉमिक आइडियाज लेकर जाया करती थी। मेरे अंदर का कॉमिडी वाला जो जानवर है, उसे मुझे निकालने की बहुत जरूरत है। कॉमिक रोल को करते हुए लगा कि मैं इसमें बहुत कुछ कर सकती हूं। मैंने कॉमिडी को हद से ज्यादा इंजॉय किया। मैं मानती हूं कि एक्टिंग के क्राफ्ट में कॉमिडी सबसे ज्यादा चुनौतीपूर्ण होती है, मगर एक बार आप जब इस दुनिया में प्रवेश करते हैं और उस हंसी के माहौल और किरदार की नस पकड़ लेते हैं, तो फिर आप उसके साथ आपको बहुत कुछ खेलने को मिलता है।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में भारतीय नागरिक गिरफ्तार : बेसबॉल बैट से हमला करने का आरोप, पुलिस ने बताया अवैध अप्रवासी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका में अवैध रूप से दाखिल हुए एक भारतीय नागरिक को कथित तौर पर बेसबॉल बैट से हमला करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। धवल अमरतभाई पटेल को सबसे पहले 16 मई को मैसाचुसेट्स के वॉर्सेस्टर पुलिस विभाग ने गिरफ्तार किया था। उस पर खतरनाक हथियार से हमला और मारपीट करने का आरोप लगाया गया। पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक, जिस शराब की दुकान में पटेल काम करता था वहां एक ग्राहक के साथ उसकी बहस हो गई। आरोप है कि विवाद बढ़ने के बाद उसने बेसबॉल बैट उठाकर उस व्यक्ति पर हमला कर दिया। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग ने बुधवार को बयान जारी कर कहा कि मैसाचुसेट्स के सैंक्चुअरी पॉलिटिशियंस ने आईसीई अधिकारियों के साथ सहयोग नहीं किया और पटेल को बिना सूचना दिए जेल से रिहा कर दिया गया। इसके बाद ने 18 मई को पटेल को गिरफ्तार कर लिया। मुताबिक, पटेल ने अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश किया था। कार्यवाहक सहायक सचिव लॉरेन बिस ने कहा कि भारत से आया यह अवैध व्यक्ति सोचता था कि वह बेसबॉल बैट से लोगों पर हमला कर सकता है। सैंक्चुअरी नेताओं ने उसे गिरफ्तार होने के बाद भी रिहा कर दिया।

भारत को पाकिस्तान और चीन से ही सबसे बड़ा खतरा, रिपोर्ट में बड़ा दावा

सिंगापुर, एजेंसी। एशिया-प्रशांत क्षेत्र में भारत की पारंपरिक सुरक्षा चुनौतियां आगे भी पाकिस्तान और चीन के इर्द-गिर्द केंद्रित रहेंगी। सिंगापुर में सप्ताहांत में अंतरराष्ट्रीय रक्षा संवाद आयोजित होने जा रहा है, उससे पहले एक रिपोर्ट जारी हुई है, जिसमें यह दावा किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भविष्य में किसी भी संभावित पारंपरिक युद्ध की प्रकृति स्थानीय ही रहेगी। लंदन स्थित इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज की 'एशिया-पैसिफिक रीजनल सिक्योरिटी असेसमेंट' नामक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत अपने दोनों परमाणु संपन्न पड़ोसी देशों के साथ लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवादों के कारण बड़े पैमाने पर पारंपरिक सैन्य अभियानों के लिए सेना को तैयार कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, चीन के साथ भारत के सीमा विवाद अपेक्षाकृत पारंपरिक प्रकृति के हैं और इनके भारत-पाक संघर्षों जैसी तीव्रता तक पहुंचने की संभावना कम है। इसके बावजूद भारत की चीन और पाकिस्तान दोनों के साथ सीमाएं सैन्य रूप से संवेदनशील बनी रहेंगी। हिंद महासागर क्षेत्र से बाहर भारत की व्यापक एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सक्रिय सैन्य भूमिका निभाने की संभावना कम है। साथ ही भारत, ताइवान को लेकर संभावित अमेरिका-चीन संघर्ष से भी दूरी बनाए रखने की कोशिश करेगा।

सीजफायर के बीच ईरान पर दूसरा हमला, रक्षात्मक अमेरिकी कार्रवाई के बीच ट्रंप ने डील के दिए संकेत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने बुधवार को ईरान के खिलाफ इस सप्ताह अपना दूसरा रक्षात्मक हमला किया। अधिकारियों ने ईरानी सेना की आक्रामक गतिविधि देखी थी। दो अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि अमेरिकी सेना ने चार ईरानी ड्रोन मार गिराए। उन्होंने एक ऐसे अड्डे पर भी हमला किया जो पांचवां ड्रोन लॉन्च करने वाला था। अधिकारियों ने कहा कि ये ड्रोन होर्मुज जलडमरूमध्य के लिए खतरा पैदा कर रहे थे। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि ईरान 'कमजोर स्थिति में बातचीत कर रहा है'। उन्होंने जोर दिया कि नवंबर में होने वाले मध्यवर्ती चुनाव उन्हें जल्दबाजी में समझौता करने के लिए मजबूर नहीं करेंगे। यह संघर्ष लगभग तीन महीने पुराना है। इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था में अशांति फैली है। मंत्रिमंडल की बैठक की शुरुआत में ट्रंप ने विश्वास व्यक्त किया कि एक समझौता करीब है। उन्होंने सप्ताहांत में कहा था कि उनके प्रशासन और तेहरान ने 'बड़े पैमाने पर बातचीत' की है। हालांकि, बातचीत अभी भी अनिश्चित स्थिति में है। अमेरिकी सेना होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए एक समझौते की तलाश में है। इससे ईरान की परमाणु क्षमता कम होने का विश्वसनीय तर्क मिलेगा। यह रिपब्लिकन के लिए राजनीतिक रूप से अलोकप्रिय संघर्ष को समाप्त करेगा। पेंटागन ने सोमवार को दक्षिणी ईरान में मिसाइल लॉन्च स्थलों और माइन बिछाने वाली नौकाओं पर 'रक्षात्मक' हमले किए थे। अमेरिका ने कहा कि उसने सप्ताह भर के युद्धविराम के बावजूद 'संयम' से काम लिया। ईरान ने इस कार्रवाई को 'बदनीयती और अविश्वसनीयता' का संकेत बताया। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि समझौते से कई महत्वपूर्ण मुद्दे बाद के लिए टल जाएंगे। इससे रिपब्लिकन राष्ट्रपति को पहले ही कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा है। उनके कुछ समर्थकों ने भी आलोचना की है। उनका मानना है कि ईरान के कट्टरपंथी नेता संघर्ष से कमजोर होकर भी मजबूत होकर उभरेंगे। ट्रंप ने बुधवार को कहा कि अभी भी काम बाकी है। उन्होंने निश्चितता के साथ कहा कि दोनों पक्ष वहां पहुंचेंगे। उन्होंने कहा, 'वे बहुत समझौता करना चाहते हैं।

महिलाओं पर किस तरह का मानसिक बोझ बढ़ रहा? अदृश्य दबाव पर इस अध्ययन में बड़ा खुलासा

मेलबर्न, एजेंसी। दुनिया तेजी से बदल रही है, महिलाएं नौकरी, कारोबार और हर पेशे में आगे बढ़ रही हैं, लेकिन घर और परिवार की जिम्मेदारियों का मानसिक बोझ अब भी सबसे ज्यादा उन्हीं के कंधों पर है। यही वजह है कि महिलाओं में मानसिक थकावट और भावनात्मक तनाव तेजी से बढ़ रहा है। मेलबर्न यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर लिया रूपैनर के अध्ययन में खुलासा हुआ है कि महिलाओं पर केवल घर के काम का दबाव नहीं है, बल्कि परिवार, रिश्तों, बच्चों और भविष्य को लेकर लगातार चलने वाली मानसिक चिंता उन्हें भीतर से थका रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह ऐसा दबाव है जो दिखाई नहीं देता, लेकिन महिलाओं की मानसिक सेहत पर गहरा असर डाल रहा है।

आखिर महिलाओं पर किस तरह का मानसिक बोझ बढ़ रहा : अध्ययन के मुताबिक अब पुरुष पहले के मुकाबले घर के कामों में ज्यादा मदद कर रहे हैं, लेकिन घर को व्यवस्थित रखने की मानसिक जिम्मेदारी अब भी महिलाओं के हिस्से में ही आती है। कौन-सा सामान खत्म हो रहा है, बच्चों की पढ़ाई कैसी चल रही है, परिवार में किसकी तबीयत खराब है, रिश्तेदारों से कब बात करनी है और भविष्य की क्या योजना बनानी है, ऐसी तमाम बातें महिलाओं के दिमाग में लगातार चलती रहती हैं। प्रोफेसर रूपैनर ने कहा कि घर का कोई काम खत्म हो सकता है, लेकिन मानसिक जिम्मेदारियां खत्म नहीं होतीं। यही लगातार चलने वाला मानसिक दबाव महिलाओं को भावनात्मक रूप से थका देता है।

क्या अपराधबोध महिलाओं की परेशानी बढ़ा रहा : अध्ययन में यह भी सामने आया कि महिलाएं खुद के लिए समय निकालने में भी अपराधबोध महसूस करती हैं। प्रोफेसर रूपैनर ने बताया कि कई महिलाएं अपनी जरूरतों से ज्यादा परिवार की जरूरतों को प्राथमिकता देती हैं। शोध के दौरान कुछ महिलाओं को आर्थिक सहायता दी गई, लेकिन अधिकांश महिलाएं वह पैसा खुद पर खर्च करने से हिचक रही थीं। वे उसे परिवार के लिए इस्तेमाल करना चाहती थीं। हालांकि जब महिलाओं ने खुद पर समय और संसाधन खर्च किए तो उनके मानसिक तनाव में कमी देखी गई। विशेषज्ञों का कहना है कि महिलाओं को आत्म-देखभाल और जरूरत पड़ने पर बाहरी मदद लेने को लेकर अपराधबोध छोड़ना होगा।

मानसिक दबाव किन-किन रूपों में सामने आता : अध्ययन में महिलाओं के मानसिक बोझ को आठ हिस्सों में बांटा गया है। इसमें घर की योजना बनाना, परिवार की भावनात्मक देखभाल करना, रिश्तों को संभालना और त्योहारों या खास मौकों को यादगार बनाने की जिम्मेदारी शामिल है। इसके अलावा परिवार के सपनों को पूरा करने की चिंता, खुद को फिट रखने का दबाव और परिवार की सुरक्षा को लेकर लगातार सोच भी महिलाओं पर असर डालती है। सबसे बड़ा दबाव यह होता है कि महिलाएं हमेशा यह सोचती रहती हैं कि वे परिवार और समाज के लिए पर्याप्त कर पा रही हैं या नहीं। यही लगातार चलने वाली मानसिक प्रक्रिया उन्हें भावनात्मक रूप से थका देती है।

क्या बराबरी से बदल सकती है स्थिति : विशेषज्ञों का कहना है कि जब महिलाओं को शिक्षा, आर्थिक स्वतंत्रता और फैसले लेने का अधिकार मिलता है, तब घरों में जिम्मेदारियों का बंटवारा बेहतर होता है। इससे रिश्ते भी मजबूत होते हैं और महिलाओं का मानसिक तनाव कम होता है। अध्ययन में यह भी कहा गया कि परिवारों को अब घर के अदृश्य मानसिक श्रम को समझना होगा। केवल खाना बनाना या सफाई करना ही काम नहीं है, बल्कि परिवार की हर छोटी-बड़ी चिंता को लगातार संभालना भी बड़ा मानसिक श्रम है। अगर घरों में जिम्मेदारियां बराबर बांटी जाएं तो महिलाओं की मानसिक स्थिति बेहतर हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि आधुनिक जीवनशैली में महिलाओं पर दोहरी जिम्मेदारी बढ़ गई है। वे बाहर नौकरी भी कर रही हैं और घर की मानसिक जिम्मेदारियां भी निभा रही हैं। यही कारण है कि तनाव, चिंता और मानसिक थकावट के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। अध्ययन ने यह संकेत दिया है कि समाज को अब महिलाओं के इस अदृश्य मानसिक श्रम को गंभीरता से समझना होगा। अगर समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो इसका असर परिवार, रिश्तों और समाज की मानसिक सेहत पर भी पड़ सकता है।

अमेरिका में नहीं इस देश में रहेंगे संक्रमित अमेरिकी, इबोला के खिलाफ ट्रंप प्रशासन की नई योजना

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन अब विदेशों में इबोला वायरस के संपर्क में आने वाले अमेरिकी नागरिकों को इलाज के लिए सीधे अमेरिका लाने के बजाय केन्या भेजने की योजना बना रहा है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, केन्या में एक नया क्वारंटीन और उपचार केंद्र बनाया जाएगा, जहां इबोला संक्रमित मरीजों का इलाज किया जाएगा।

तीन विभागों की मदद से तैयार किया गया केंद्र : यह केंद्र अमेरिकी रक्षा विभाग, विदेश विभाग और स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग की साझेदारी से तैयार किया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य यह है कि कांगो जैसे देशों में इबोला से संक्रमित लोगों को लंबी मेडिकल उड़ानों के जरिए अमेरिका लाने की जरूरत न पड़े और उन्हें जल्द इलाज मिल सके। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यह केंद्र केन्या में कहां बनेगा और क्या केन्या सरकार ने इसे मंजूरी दी है। केन्या के स्वास्थ्य मंत्री एडन डुएले ने पुष्टि की कि अमेरिका और केन्या के बीच इबोला से निपटने को लेकर बातचीत चल रही है। हालांकि उन्होंने यह साफ नहीं किया कि अमेरिकी मरीजों के लिए विशेष उपचार केंद्र बनाया जाएगा या नहीं। उन्होंने कहा कि कोई भी अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य सहयोग केन्या के कानूनों और सुरक्षा मानकों के अनुसार ही होगा। विशेषज्ञों का

मानना है कि इबोला मरीजों को कम से कम यात्रा करानी चाहिए क्योंकि इससे उनकी हालत बिगड़ सकती है। लेकिन कुछ अमेरिकी डॉक्टरों ने चिंता जताई है कि केन्या में बनने वाला केंद्र अमेरिका जैसी उन्नत सुविधाएं नहीं दे पाएगा। इबोला एक बेहद खतरनाक और जानलेवा बीमारी मानी जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, कांगो में इबोला का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। वहां करीब 1000 संदिग्ध मामले सामने आ चुके हैं और 220 से अधिक लोगों की मौत होने की आशंका जताई गई है। अमेरिका के राष्ट्रपति पहले भी इबोला संक्रमित अमेरिकियों को अमेरिका लाने का विरोध कर चुके हैं। 2014 में उन्होंने कहा था कि संक्रमित लोगों का इलाज 'वहीं' किया जाना चाहिए। अब उनकी सरकार इसी तरह की योजना पर काम कर रही है। इस बीच अमेरिका ने इबोला प्रभावित देशों से आने वाले यात्रियों की जांच भी बढ़ा दी है। कई बड़े अमेरिकी एयरपोर्ट पर स्क्रीनिंग शुरू कर दी गई है। साथ ही जिन लोगों ने पिछले 21 दिनों में कांगो, युगांडा या दक्षिण सूडान की यात्रा की है, उनके अमेरिका प्रवेश पर अस्थायी रोक लगा दी गई है।

बांग्लादेश में गहरा संकट: शेख हसीना ने ईद पर हिंसा, अर्थव्यवस्था और कानून-व्यवस्था पर चिंता जताई

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने ईद-उल-अजहा के अवसर पर देशवासियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह त्योहार ऐसे समय आया है जब देश गहरे संकट और कठिनाई का सामना कर रहा है। हसीना ने बांग्लादेश के लोगों के दर्द और पीड़ा पर गंभीर चिंता व्यक्त की। अवामी लीग द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए एक बयान में हसीना ने ये बातें कहीं। उन्होंने बताया कि पिछले 21 महीनों से अवामी लीग के नेताओं और कार्यकर्ताओं को क्रूर हत्याओं, लगातार हमलों और झूठे मामलों का सामना करना पड़ा है। कई पार्टी सदस्य अभी भी जेल में बंद हैं। उन्होंने आगे कहा, केवल हमारा राजनीतिक परिवार ही नहीं, बल्कि देश के लोग भी भारी पीड़ा सह रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री ने खसरा से सैकड़ों बच्चों की असामयिक मृत्यु, महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा और बलात्कार का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था का पतन और तबाह हुई अर्थव्यवस्था ने देश को गहरे अंधकार की ओर धकेल दिया है। अवामी लीग की चिंताएं पिछले सप्ताह अवामी लीग ने अपने नेताओं, कार्यकर्ताओं और उनके परिवारों पर हमलों पर गंभीर चिंता व्यक्त की थी। पार्टी ने चेतावनी दी कि इस मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय की लगातार चुप्पी देश को और अधिक क्रूरता और लंबे समय तक राजनीतिक हिंसा की ओर धकेल सकती है। अवामी लीग के अनुसार, जमीनी स्थिति बताती है कि पार्टी से जुड़ा कोई भी व्यक्ति अब सुरक्षित नहीं है, भले ही उसने कोई गलत काम न किया हो। महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा इस महीने की शुरुआत में पार्टी ने कहा था कि बांग्लादेश में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा में चिंताजनक बढ़ोतरी हो रही है। अवामी लीग ने कहा कि देश भर में महिलाएं और बच्चे लगातार डर और असुरक्षा में जी रहे हैं। सार्वजनिक स्थानों और घरों दोनों में सुरक्षा अनिश्चित होती जा रही है।

भारत में एआई-दुर्लभ खनिज क्षेत्र में निवेश और सहयोग करेगा कनाडा; नवंबर में दिल्ली आएगा दल

टोरंटो, एजेंसी। एआई, दुर्लभ खनिज समेत कई क्षेत्रों में सहयोग-निवेश के लिए कनाडाई कंपनियां भारत में दस्तक देंगी। कनाडा इस वर्ष नवंबर में टीम कनाडा ट्रेड मिशन भारत भेजेगा। यह एलान कनाडाई व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू ने केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के साथ किया। गोयल स्वच्छ ऊर्जा व एआई क्षेत्र में भारत के साथ साझेदारी के लिए कनाडाई निवेशकों के साथ बैठक की। उन्होंने कनाडा के कॉर्पोरेट प्रमुखों संग द्विपक्षीय कार्ययोजना भी तैयार की।

केंद्रीय मंत्री ने मैक्केन फूड्स के अध्यक्ष मैक्स कोयुने, फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स लिमि. के अध्यक्ष-सीईओ प्रेम वात्सा, समेत विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों से मिले। इस दौरान उन्होंने वित्तीय सेवाओं, अवसंरचना, सतत कृषि, बैंक-बीमा और दुर्लभ खनिज प्रसंस्करण में निवेश के लिए आमंत्रित किया। कनाडाई मंत्री मनिंदर सिद्धू ने कहा, भारत में प्रस्तावित मिशन का लक्ष्य कनाडा की कंपनियों को भारत ले जाकर एआई, दुर्लभ खनिज, परमाणु व नवीकरणीय ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, स्वच्छ प्रौद्योगिकी, डिजिटल अवसंरचना तथा उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में सहयोग के अवसर तलाशना है।

भारत-कनाडा व्यापार गलियारे की मजबूती पर चर्चा : वर्ल्ड ट्रेड सेंटर टोरंटो में कनाडा-इंडिया बिल्डिंग ब्रिजेस कार्यक्रम में गोयल ने मुख्य भाषण दिया। इसमें उन्नत विनिर्माण, औषधि एवं जैव-प्रौद्योगिकी, स्वच्छ प्रौद्योगिकी, ऊर्जा तथा तेल-गैस से जुड़े 150 से अधिक व्यवसायिक प्रतिनिधियों, निवेशक समूहों और उद्योग संगठनों ने भाग लिया। ब्रैम्पटन के पियर्सन कन्वेंशन सेंटर में पीयूष गोयल ने भारत-कनाडा व्यापार गलियारे को मजबूत करने पर चर्चा की।

आपूर्ति श्रृंखलाओं के निर्माण पर फोकसः कंपनी प्रमुखों के साथ मुलाकात के दौरान, केंद्रीय मंत्री ने भारतीय बाजार में कनाडाई कंपनियों के दीर्घकालिक संचालन का मूल्यांकन किया और उभरते औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र में गहन भागीदारी को आमंत्रित किया। उन्होंने खाद्य प्रसंस्करण, कोल्ड-चेन अवसंरचना, सतत कृषि और नवाचार में सहयोग को गहरा करने पर भी अपनी बात रखी। कनिष्क स्मारक में दी श्रद्धांजलि पीयूष गोयल ने कहा, भारतीय प्रवासी समुदाय न केवल भारत के साथ व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ाने में, बल्कि मजबूत सांस्कृतिक आदान-प्रदान और कनाडा में भारतीय व्यवसायों को बढ़ावा देने में भी भूमिका निभा सकता है। उन्होंने हंबर बे पार्क स्थित कनिष्क स्मारक का दौरा किया, जहां उन्होंने पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने पीड़ितों के परिवारों से बातचीत की और एयर इंडिया एआई 182 आतंकी हमले में जान गंवाने वालों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

कनाडा में तिरंगे का अपमान: खालिस्तानियों ने भारतीय उच्चायुक्त का काफिला रोका, तमाशबीन बनी रही पुलिस

ओटावा, एजेंसी। कनाडा की धरती पर एक बार फिर भारत विरोधी गतिविधियों ने शर्मनाक रूप ले लिया। वैंकूवर में भारतीय उच्चायुक्त दिनेश पटनायक के काफिले को खालिस्तान समर्थकों ने घेर लिया और खुलेआम भारतीय तिरंगे का अपमान किया गया। प्रतिबंधित आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस से जुड़ा कट्टरपंथी इंदरजीत सिंह गोसल सुरक्षा घेरा तोड़कर सीधे उच्चायुक्त की गाड़ियों के सामने पहुंच गया। उसने भारतीय ध्वज को फाड़ने और पैरों तले रौंदने की कोशिश की। आसपास मौजूद भीड़ भारत विरोधी नारे लगाती रही, जबकि कनाडाई सुरक्षा व्यवस्था तमाशबीन बनी दिखाई दी।

कार्यक्रम में जा रहे थे उच्चायुक्त : घटना उस समय हुई जब भारतीय उच्चायुक्त एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। खालिस्तानी समर्थक पहले से वहां जमा थे और जैसे ही काफिला पहुंचा, माहौल को उग्र बना दिया गया। पुलिसकर्मी बाद में दौड़ते हुए पहुंचे, लेकिन तब तक तिरंगे का अपमान पूरी दुनिया देख चुकी थी। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि गोसल ने अपने इस कृत्य को सही ठहराने की कोशिश करते हुए भारतीय उच्चायुक्त पर ही जान से मारने की साजिश रचने का आरोप लगा दिया। बिना किसी प्रमाण के लगाए गए इन आरोपों को लेकर खालिस्तानी समर्थक लगातार जहर उगलते रहे।

पन्नू का करीबी है गोसल : यह वही इंदरजीत सिंह गोसल है जिसे खालिस्तानी चरमपंथी गुरपतवंत सिंह पन्नू का बेहद करीबी माना जाता है। हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद कनाडा में खालिस्तानी गतिविधियों को आगे बढ़ाने में उसका नाम लगातार सामने आता रहा है। हिंदू मंदिरों के बाहर हिंसा, धमकी और उग्र प्रदर्शनों में भी उसका नाम जुड़ चुका है। भारत लंबे समय से कनाडा को चेतावनी देता रहा है कि वहां चरमपंथी तत्वों को खुली छूट मिल रही है। मगर हर बार अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर भारत विरोधी ताकतों को संरक्षण मिलता दिखाई देता है। भारतीय समुदाय में इस घटना को लेकर भारी रोष है। कनाडा निवासी जोगिंदर सिंह का कहना है कि तिरंगे का अपमान केवल एक झंडे का अपमान नहीं, बल्कि पूरे भारत और करोड़ों भारतीयों की भावनाओं पर हमला है। भारतीय उच्चायुक्त दिनेश पटनायक ने बाद में कनाडाई संस्थाओं पर भरोसा जताते हुए कहा कि भारत और कनाडा के बीच सुरक्षा सहयोग मजबूत है और उनके नाम पर फैलाए जा रहे भ्रामक दावों का कोई आधार नहीं है। लेकिन इस घटना ने एक बार फिर साफ कर दिया है कि कनाडा में बैठे खालिस्तानी चरमपंथियों के हौसले लगातार बढ़ते जा रहे हैं और भारत विरोध को वहां राजनीतिक संरक्षण मिलता दिखाई दे रहा है।

तेहरान का नया फरमान: इंटरनेट खुला लेकिन डिजिटल आजादी अब भी बंद, युद्ध के बीच कैसे ईरान ने मीडिया पर कसा शिकंजा

तेहरान, एजेंसी। ईरान में अमेरिका और इस्राइल के साथ जारी तनाव के बीच अब सूचना और इंटरनेट पर भी सख्ती बढ़ा दी गई है। ईरानी सरकार ने अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थानों के लिए नए नियम लागू करते हुए साफ कर दिया है कि उनके फोटो, वीडियो और रिपोर्ट का इस्तेमाल इस्राइली मीडिया या विदेशों में चल रहे फारसी चैनल नहीं कर सकेंगे। दूसरी तरफ महीनों बाद इंटरनेट सेवाएं आंशिक रूप से बहाल तो हुई हैं, लेकिन आम लोगों को अब भी धीमी स्पीड, भारी सेंसरशिप और सोशल मीडिया प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा है। इससे साफ संकेत मिल रहे हैं कि युद्ध और राजनीतिक तनाव के बीच ईरान सूचना पर अपना नियंत्रण और मजबूत कर रहा है।

क्या हैं ईरान के नए मीडिया प्रतिबंध : ईरान के संस्कृति और इस्लामिक मार्गदर्शन मंत्रालय ने तेहरान में काम कर रहे कई अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थानों को नया निर्देश जारी किया है। इसमें कहा गया है कि ईरान से भेजी जाने वाली हर फोटो, वीडियो, रिपोर्ट और मीडिया सामग्री के साथ यह चेतावनी लिखना जरूरी होगा कि उसका इस्तेमाल इस्राइली मीडिया या ईरान के बाहर चलने वाले फारसी टीवी चैनल नहीं कर सकते। ईरान पहले से ही बीबीसी फारसी, वीओए फारसी, मनोटो टीवी और ईरान इंटरनेशनल जैसे चैनलों पर सख्त रोक लगाए हुए है। सरकार का कहना है कि राष्ट्रीय सुरक्षा और युद्ध की स्थिति को देखते हुए यह कदम जरूरी है। इंटरनेट बहाल हुआ, लेकिन क्या सच में सामान्य हुई स्थिति ईरान में जनवरी से शुरू हुआ इंटरनेट प्रतिबंध दुनिया के सबसे लंबे राष्ट्रीय इंटरनेट शटडाउन में से एक माना जा रहा है। अब सरकार ने कुछ क्षेत्रों में इंटरनेट सेवाएं बहाल की हैं, लेकिन स्थिति अभी भी पूरी तरह सामान्य नहीं हुई है। कई लोगों ने शिकायत की कि इंटरनेट बेहद धीमा चल रहा है और यूट्यूब, इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म पर भारी पाबंदियां बनी हुई हैं। इंटरनेट मॉनिटरिंग संस्थाओं के अनुसार ईरान की इंटरनेट क्षमता अभी भी पहले की तुलना में काफी कम है। डेटा ट्रैफिक भी सामान्य स्तर तक नहीं पहुंचा है। लोगों को डर है कि सरकार कभी भी दोबारा इंटरनेट बंद कर सकती है।

आम लोगों और कारोबार पर कितना पड़ा असर : लंबे इंटरनेट शटडाउन ने ईरान की अर्थव्यवस्था और आम लोगों की जिंदगी पर गहरा असर डाला है। ऑनलाइन काम करने वाले लाखों लोगों की कमाई लगभग बंद हो गई। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, गेमर, छोटे कारोबारी और डिजिटल सेवाओं से जुड़े लोग आर्थिक संकट में पहुंच गए। कई लोगों को अपना सामान बेचना पड़ा या दूसरे काम तलाशने पड़े। इंटरनेट बंद होने से परिवारों का संपर्क भी टूट गया। विदेश में रहने वाले रिश्तेदारों से महीनों तक बात नहीं हो सकी। सरकार की पाबंदियों के दौरान वीपीएन की कीमतें भी कई गुना बढ़ गई थीं, जिससे आम लोग खुले इंटरनेट तक पहुंच नहीं बना सके। ईरानी सरकार ने इंटरनेट बंदी और मीडिया नियंत्रण को राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़कर सही ठहराया। अधिकारियों का कहना था कि अमेरिका और इस्राइल के हमलों के बाद सैन्य सुरक्षा बनाए रखने के लिए यह जरूरी था। हालांकि आलोचकों का आरोप है।

गाजा में इस्राइल का बड़ा हमला, हमास के दो बड़े कमांडर ढेर; नए सैन्य प्रमुख को भी मार गिराने का दावा

गाजा पट्टी, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच इस्राइल ने गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ बड़ा सैन्य अभियान चलाते हुए दो वरिष्ठ आतंकियों को मार गिराने का दावा किया है। इस्राइली सेना ने कहा कि उत्तरी गाजा में किए गए हवाई हमलों में हमास के बड़े ऑपरेटिव निशाने पर थे। वहीं दूसरी ओर गाजा में आम नागरिकों के हताहत होने की खबरों ने एक बार फिर पूरे इलाके में तनाव बढ़ा दिया है। लगातार हो रहे हमलों और जवाबी कार्रवाई के बीच युद्ध और ज्यादा खतरनाक मोड़ पर पहुंचता दिखाई दे रहा है।

क्या हमास के नए सैन्य प्रमुख को मार गिराने का दावा किया गया : इस्राइली रक्षा बल यानी आईडीएफ ने दावा किया है कि उसने गाजा में हमास की सैन्य शाखा के नए प्रमुख मोहम्मद ओदेह को मार गिराया है। इस्राइल के अनुसार ओदेह सात अक्टूबर 2023 के हमले की साजिश रचने वालों में शामिल था। इस्राइल का कहना है कि वह हमास के खुफिया नेटवर्क का प्रमुख भी रह चुका था और हाल ही में उसे संगठन की सैन्य कमान सौंपी गई थी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि सात अक्टूबर के हमले में शामिल हर व्यक्ति को खत्म किया जाएगा। इस कार्रवाई को प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज के निर्देश पर अंजाम दिया गया।

गाजा में आम लोगों पर हमलों से क्या हालात बने : जहां इस्राइल हमास पर बड़े हमलों का दावा कर रहा है, वहीं गाजा में आम लोगों की मौतों की खबरें भी लगातार सामने आ रही हैं। फलस्तीनी रेड क्रिसेंट सोसायटी के मुताबिक, मध्य गाजा शहर में एक रिहायशी मकान पर हुए हवाई हमले में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 अन्य घायल हुए हैं। गाजा के कई इलाकों में लगातार बमबारी के कारण लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचने में भारी परेशानी हो रही है। अस्पतालों पर दबाव

बढ़ता जा रहा है और राहत सामग्री की कमी भी गंभीर चिंता बन चुकी है।

क्या लेबनान में भी बढ़ा इस्राइली हमला : आईडीएफ ने यह भी दावा किया है कि उसने पूरे दिन लेबनान में हिजबुल्लाह के कई ठिकानों पर हमले किए। इस्राइल के अनुसार हिजबुल्लाह के सैन्य ढांचे, कमांड सेंटर और लॉन्च साइट्स को निशाना बनाया गया। सेना ने कहा कि सिर्फ इस सप्ताह के दौरान हिजबुल्लाह के 550 ठिकानों पर कार्रवाई की गई है। लेबनान सीमा पर लगातार बढ़ रही सैन्य गतिविधियों ने पूरे पश्चिम एशिया में नए संघर्ष का खतरा और बढ़ा दिया है। हिजबुल्लाह भी लगातार इस्राइल पर जवाबी हमले करने का दावा कर रहा है।

सात अक्टूबर के हमले को लेकर क्यों सख्त है इस्राइल : इस्राइल अब भी सात अक्टूबर 2023 के हमले को अपनी सबसे बड़ी सुरक्षा चुनौती मान रहा है। हमास के उस हमले में बड़ी संख्या में इस्राइली नागरिकों और सैनिकों की मौत हुई थी। इसके बाद से इस्राइल लगातार गाजा में सैन्य कार्रवाई चला रहा है। इस्राइल का कहना है कि जब तक हमास की सैन्य ताकत पूरी तरह खत्म नहीं हो जाती, तब तक अभियान जारी रहेगा। दूसरी ओर फलस्तीन में लगातार बढ़ती तबाही और नागरिकों की मौतों को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चिंता गहराती जा रही है। गाजा और लेबनान में तेज हुए हमलों के बाद पूरे पश्चिम एशिया में हालात बेहद संवेदनशील बने हुए हैं। अमेरिका, ईरान और इस्राइल के बीच पहले से जारी तनाव के बीच यह संघर्ष अब और बड़े क्षेत्रीय संकट में बदलता दिखाई दे रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य, तेल आपूर्ति और सुरक्षा को लेकर दुनिया की चिंता बढ़ गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर जल्द युद्धविराम की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)